ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राजनीतिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखी है: सीएम @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 27 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-208

करगिल विजय दिवस पर प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को ललकारा

हम तुम्हारे मंसूबे कभी कामयाब नहीं होने देंगे

- जितनी बार लड़ने की कोशिश की, वह मार ही खाया
- फिर भी वह इतिहास से सीखने का नाम नहीं ले रहा
- भारतीय सेना के शूरवीरों का चरम बलिदान अमर है
- विश्व की सबसे ऊंची सुरंग शिंकून ला का काम शुरू

करगिल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25वें करगिल विजय दिवस पर द्रास में करगिल युद्ध स्मारक पर करगिल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। 26 जुलाई 1999 को भारत ने करगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष करगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने करगिल की धरती से पाकिस्तान को ललकारा और कहा कि वह जिस तरह आतंकवाद के जरिए छद्म युद्ध लड़कर प्रासंगिक बने रहने की कोशिश कर रहा है, उसका मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा। जितनी बार पाकिस्तान ने लड़ने की कोशिश की है, बुरी तरह मार खाया है, फिर वह इससे सीख नहीं ले रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज लद्दाख की यह महान भूमि करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ की गवाह बन रही है। करगिल विजय दिवस हमें बताता है कि राष्ट्र के लिए दिए गए बलिदान अमर हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे याद है कि किस तरह हमारी सेनाओं ने इतनी ऊंचाई पर, इतने कठिन युद्ध ऑपरेशन को अंजाम दिया था। मैं देश को विजय दिलाने वाले ऐसे सभी शूरवीरों ▶10पर

अग्निपथ पर राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है : पीएम मोदी

करगिल, 26 जुलाई (एजेंसियां)। करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, सच्चाई यह है कि अग्निपथ योजना से देश की ताकत बढ़ेगी और देश का सामर्थ्यवान युवा भी मातृभूमि की सेवा के लिए आगे आएगा। मैं हैरान हूं कि कुछ लोगों की समझ को क्या हुआ है, उनकी सोच को क्या हो गया है। ऐसा भ्रम फैला रहे हैं कि सरकार पेंशन के पैसे बचाने के लिए यह योजना लेकर आई है। मुझे ऐसे लोगों की सोच से शर्म आती है लेकिन मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहता हूं कि आज मोदी सरकार के शासनकाल में जो भर्ती होगी क्या उसे आज ही पेंशन देनी होगी? उसे पेंशन देने की नौबत 30 साल में आएगी और तब तो मोदी ▶10पर

युद्ध नायकों की जय-जयकार से गूंजी द्रास की धरती

करगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर वीरवार को लामोचेन (द्रास) में भव्य कार्यक्रम हुआ। इसमें करगिल युद्ध नायकों की वीरगाथा का बखान किया गया। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। सेना की उत्तरी कमान के सभी प्रमुख अधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत माइक्रोलाइट नोड गया के फ्लाइंग रैबिट्स के फ्लाईपास्ट से हुई। करगिल युद्ध की घटनाओं का ऑडियो विजुअल चलाया गया। इसमें करगिल युद्ध की पूरी कहानी बताई गई। भीषण युद्धों वाले पहाड़ों की पृष्ठभूमि में जीवंत वर्णन ने प्रत्येक युद्ध के दृश्य को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम स्थल सैनिकों की बहादुरी व बलिदान की गाथाओं से गूंज उठा। युद्ध नायकों, वीर नारियों, ▶10पर

कांवड़ियों को सुप्रीम कोर्ट से नहीं ही मिला न्याय

...तो मुस्लिम दुकानदार छुपाए रखें अपना नाम

- नक्कारखाने में पेश हुआ यूपी सरकार का हलफनामा
- धंधे के नाम पर धोखाधड़ी को सुप्रीम कोर्ट की मुहर

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों को सुप्रीम कोर्ट से न्याय नहीं मिला। देश के लोगों को सुप्रीम कोर्ट से ऐसी ही उम्मीद भी थी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दाखिल हलफनामा पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई ध्यान नहीं दिया। बस अपना पुराना एकतरफा जारी फरमान जारी रखा कि दुकानों पर नाम पट्टिका नहीं लगेगी, यानी मुस्लिम दुकानदार अपना नाम छुपाए रख सकते हैं। धंधे के नाम पर धोखाधड़ी को अब सुप्रीम कोर्ट की मुहर लग गई है।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकार द्वारा कांवड़ मार्ग पर स्थित दुकानदारों को नाम पट्टिका लगाने के आदेश पर अंतरिम रोक जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह जिद है। उसने उत्तर प्रदेश सरकार के हलफनामे के बाद भी अपने आदेश पर रोक जारी रखी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दायर किया, जिसमें सरकार ने कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानों पर नाम पट्टिका लगाने के आदेश की वाजिब बताई। सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि उसके दिशा-निर्देश कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण समापन और पारदर्शिता कायम करने के लिए उद्देश्य से दिए गए थे।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि निर्देश के पीछे का उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान पारदर्शिता कायम करना और यात्रा के दौरान उपभोक्ताओं/कांवड़ियों को उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन के बारे में जानकारी देना था। ये निर्देश कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर दिए गए ताकि वे गलती से कुछ ऐसा न खाएं, जो उनकी आस्थाओं के खिलाफ हो। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य सरकार ने खाद्य विक्रेताओं के व्यापार या व्यवसाय पर कोई प्रतिबंध या निषेध नहीं लगाया है (मांसाहारी भोजन बेचने पर प्रतिबंध को छोड़कर), और वे अपना व्यवसाय सामान्य रूप से करने के लिए स्वतंत्र हैं। हलफनामे में कहा गया है, मालिकों के नाम और पहचान प्रदर्शित करने की आवश्यकता पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कांवड़ियों के बीच किसी भी संभावित भ्रम से बचने के लिए एक अतिरिक्त उपाय मात्र है।

सरकार ने अपने बयान में कहा कि कांवड़ यात्रा एक कठिन यात्रा है, जिसमें कुछ कांवड़िए, जो डाक कांवड़ लाते हैं, कांवड़ को अपने कंधों पर रखने के बाद आराम के लिए भी नहीं रुकते। कांवड़ यात्रा की कुछ पवित्र विशेषताएं होती हैं, जैसे कि पवित्र गंगाजल से भरे कांवड़ को जमीन पर नहीं रखना होता और न ही गूलर के पड़े की छाया में। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि कांवड़िए कई वर्षों की तैयारी के बाद यात्रा पर निकलते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि नाम पट्टिका से संबंधित आदेश ▶10पर

संसद में निशिकांत दुबे ने एनआरसी लागू करने की मांग की

मुस्लिम वोटर 123% बढ़े, एनआरसी अब नहीं तो कब?

संथाल परगना, मालदा और मुर्शिदाबाद केंद्र शासित क्षेत्र घोषित हो

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिमों की आबादी तेजी से बढ़ रही है, खासकर संथाल परगना में। यह मामला अब संसद में उठ रहा है। झारखंड के गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने लोकसभा में यह मसला उठाया और एनआरसी लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा, संथाल परगना में एनआरसी त्वरित गति से लागू करना जरूरी है। सांसद दुबे ने झारखंड के संथाल परगना के साथ पश्चिम बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों को केंद्र शासित क्षेत्र बनाने की मांग की है। निशिकांत दुबे ने सदन में कहा कि झारखंड में वनवासी समुदाय की आबादी काफी तेजी से घट रही है। यहां मुस्लिम युवक वनवासी महिलाओं से शादी कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ चुकी एक महिला नेता, नगर पालिका अध्यक्ष तक का रेफरेंस दिया।

लोकसभा में सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, विपक्ष हमेशा यही बोलता रहता है संविधान खतरे में है पर सच तो ये है संविधान नहीं इनकी राजनीति खतरे में है। उन्होंने कहा झारखंड बिहार से अलग होकर जब अलग राज्य बना तब संथाल परगना क्षेत्र में 2000 में 36 प्रतिशत वनवासी जनसंख्या थी जो अब घटकर 26 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने सदन में सबसे पूछा कि ये 10 प्रतिशत आबादी कहां खो गई? लेकिन सदन में इसको लेकर कोई बात नही करता।

सांसद निशिकांत दुबे ने कहा प्रत्येक जगह 15-17 प्रतिशत वोटर ही बढ़ता है, पर हमारे यहां 123 फीसद प्रतिशत बढ़ी है। मेरे लोकसभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्र में लगभग 267 बूथों पर मुसलमानों की आबादी 117 प्रतिशत बढ़ गई है। झारखंड में 25 ऐसी विधानसभा सीटें हैं जहां की आबादी 123 प्रतिशत आबादी बढ़ी है, यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पाकुड़ जिले में तारानगर इलाके में दंगा हो गया। इस दंगे की वजह यह है कि बंगाल की पुलिस और मालदा, मुर्शिदाबाद से लोग आकर हमारे लोगों को भगा रहे हैं। हिंदू गांव का गांव खाली हो रहा है।निशिकांत दुबे ने चैलेंज देते ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल और केरल के राज्यपालों से पूछा

क्यों नहीं दे रहे विधेयकों को मंजूरी?

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार, पश्चिम बंगाल और केरल के राज्यपालों के सचिवों से विधेयकों को मंजूरी न देने के मुद्दे पर जवाब मांगा है। राज्य सरकारों ने इस मामले में याचिका दायर की थी, इन्हीं याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्रीय गृह मंत्रालय और दोनों राज्यपालों के सचिवों को नोटिस जारी किए। केरल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील केके वेणुगोपाल ने कहा कि वे विधेयकों को राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजने के राज्यपाल के फैसले को चुनौती दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और जयदीप गुप्ता ने कहा कि जब भी मामला सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध होता है, राज्यपाल कार्यालय विधेयकों को राष्ट्रपति के पास भेज देता है। राज्य सरकारों ने राज्यपालों द्वारा कई विधेयकों को मंजूरी देने में की जा रही कथित देरी पर चिंता जताई। यह विवाद राज्य विधानसभाओं ▶10पर

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की घोषणा

अग्निवीरों को पुलिस भर्ती में मिलेगी प्राथमिकता

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। सेना की सेवा कर लौटने वाले अग्निवीरों की उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी में प्राथमिकता के साथ भर्ती की जाएगी। यूपी सरकार ने फिलहाल यह नहीं बताया है कि अग्निवीरों को इन भर्तियों में कितना आरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इतना ही कहा कि देश की सेवा करके लौटने वाले अग्निवीरों को यूपी पुलिस और पीएसी बल में वेटेज दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्निवीरों के रूप में देश को ट्रेंड और अनुशासित युवा सैनिक मिलेंगे। सीएम योगी ने अग्निवीर मुद्दे पर विपक्ष की राजनीति को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विरोधियों का काम हर प्रगति और रिफॉर्म वाले कार्य में अड़ंगा लगाने, टांग अड़ाने और अफवाह फैलाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। बीते 10 साल में भारत में बेहतरीन रिफॉर्म हुए हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और इसके साजो-सामान के मामले में हम आत्मनिर्भरता की ओर से बढ़ रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में शामिल होने से पहले शुक्रवार शाम यहां अपने सरकारी आवास पर सीएम योगी मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी देश और समाज के लिए प्रगति और समृद्धि के नित नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए समय-समय पर होने वाला रिफॉर्म अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। हर फील्ड में पिछले 10 साल में बेहतरीन रिफॉर्म हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था को एक सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाने और दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में लाने के लिए कार्य किये गये हैं। एक तरफ हम समृद्धि के नित नए सोपान छू रहे हैं, तब हमें राष्ट्रीय सुरक्षा को भी उतना ही महत्व देना होगा। सेना और उनके साजो सामान में आत्मनिर्भरता के लिए उठाये गये कदम हों या आधुनिकीकरण के लिए लिए गये त्वरित निर्णय, आज अत्याधुनिक फाइटर प्लेन भारत के पास हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी और तमिलनाडु में डिफेंस इंडस्ट्रियल कारीडोर विकसित हो रहा है। यूपी डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के 6 नोड में हजारों करोड़ का निवेश आया है। चाहे भारत डायनामिक्स लिमिटेड का कार्य हो या ब्रह्मोस मिसाइल बनाने की दिशा में प्रगति, हमने लंबी छलांग लगाई है। सेना भी हमारी इस गति के साथ आगे बढ़ रही है। अग्निवीर की योजना भारतीय सेना में इसी दृष्टि से आगे बढ़ाई गई है। इसे लेकर युवाओं में उत्साह है। 10 लाख अग्निवीर भारतीय सेना के अग्निपथ पर ▶10पर

भिंडरांवाले को पैसा भेजते थे कांग्रेसी, उन्हीं से मार खाए बार-बार

फिर खालिस्तानी अमृतपाल का संसद में कर रहे समर्थन

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। जिस जरनैल सिंह भिंडरांवाले को ऑपरेशन ब्लू स्टार करके मारना पड़ा, उसे कांग्रेस ने ही पाला पोसा था। बाद में उसका खामियाजा कांग्रेसी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भोगना पड़ा। अपने सिख सुरक्षाकर्मी बेअंत सिंह की गोलियों से इंदिरा गांधी मारी गईं। उसी बेअंत सिंह का बेटा सरबजीत सिंह खालसा फरीदकोट संसदीय सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत कर सांसद बन गया है। इसी तरह घोषित खालिस्तानी आतंकवादी अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत कर सांसद बन गया है। अमृतपाल सिंह जेल में है। जेल से चुनाव लड़ा और जीता। अब कांग्रेस अमृतपाल सिंह के समर्थन में खड़ी हो गई है और उस खालिस्तानी आतंकवादी को जेल से रिहा करने की मांग कर रही है।

कांग्रेस पार्टी इस बेशर्मी पर उतर आई है कि खालिस्तानी आतंकवादी अमृतपाल सिंह पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाए जाने को आपातकाल बता रही है। जालंधर लोकसभा सीट से जीते कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने लोकसभा में खड़े होकर अमृतपाल की गिरफ्तारी को आपातकाल बताया और देश पर आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस पार्टी ने चन्नी का समर्थन किया।

चन्नी ने लोकसभा में ▶10पर

लड़ाकू विमानों के मेंटेनेंस की औकात भी नहीं बची पाकिस्तान की

बकाया न देने पर अमेरिकी कंपनी ने उपकरणों की सप्लाई रोकी

इस्लामाबाद, 26 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कंगाली का हाल इस स्तर तक पहुंच गया है कि वह अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों की मरम्मत भी नहीं करा पा रहा। विमानों की मरम्मत का 3 लाख डॉलर से ज्यादा का बकाया नहीं चुकाने पर अमेरिकी कंपनी प्राइट एंड विटनी ने विमानों के मेंटेनेंस का काम रोक दिया है और जरूरी उपकरणों की सप्लाई रोक दी है। ऐसी दशा में युद्ध के लिए तैयार रहने वाले पाकिस्तानी वायु सेना के एफ-16 विमानों की पूरी की पूरी खेप पंगु होने की हालत में आ गई है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय के एयरोनॉटिकल डिवीजन ने अमेरिकी कंपनी को जरूरी स्पेयर पार्ट्स भेजने का आग्रह किया तो कंपनी ने पहले का बकाया भुगतान करने के लिए कहा। भुगतान नहीं होने पर अमेरिकी कंपनी ने उपकरणों की आपूर्ति रोक दी और पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी लिखकर इसकी औपचारिक सूचना दे दी। पाकिस्तानी एयरफोर्स के पास अब अपने जहाज के इंजनों की मरम्मत के साथ-साथ मेंटेनेंस के लिए जरूरी स्पेयर पार्ट्स नहीं हैं। पाकिस्तान एयरफोर्स ने पाकिस्तान सरकार को चिट्ठी लिखकर अपनी इस बदहाली और बकाया के भुगतान को लेकर अर्जी लगाई गई है। पाकिस्तान ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बिजनेस नेटवर्क रेफरल मीट वी कनेक्ट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। लोगों से एक बार में एक हजार शब्दों से बेहतर बात करने का सबसे आसान तरीका है इंस्टाग्राम। यह मोबाइल प्लैटफॉर्म में सबसे ज्यादा निजी है। मार्केटिंग के मामले में इस ऐप की पेशकश से सभी उम्र के लोग और ब्रांड लाभ उठा सकते है। यह बात सोशल मीडिया प्रशिक्षक इन्फ्लुएंसर सुष्मिता सेठिया ने जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा आयोजित जीतो बिजनेस नेटवर्क रेफरल मीट वी कनेक्ट में सभी महिला उद्यमी को बताई। इसके उपयोग करने के शुरुआती क्रम को लेकर बताया कि स्मार्ट फोन के जरिए अपना कंटेंट क्रियेट कर खुद के ब्रांड को लोगों तक आसानी से पहुँचाया जा सकता है। सही जानकारी लोगों तक पहुँचने से बिजनेस को बढ़ावा मिलता है। पीपीटी के जरिए सही तरीके से प्रस्तुत करने के टिप्स भी बताए। एलआईसी से जुड़ी पवन ओस्तवाल ने फाइनेंशियल सुरक्षा पर पीपीटी के माध्यम से जीवन बीमा को एक महिला की समग्र वित्तीय योजना में एक रणनीतिक उपकरण के रूप में कैसे उपयोग किया जाए के बारे में बताया। विशिष्ट वित्तीय स्थितियों और धन सृजन और संरक्षण के लक्ष्यों के आधार पर सावधि और स्थायी जीवन बीमा पॉलिसियों के बीच संतुलन कैसे बना सकती हैं। महिलाओं की बीमा और निवेश आवश्यक्ताओं की सुरक्षा के लिए क्या निहितार्थ और कानूनी सुरक्षा उपलब्ध है। स्वास्थ्य बीमा के लिए दावा दर्ज करने की प्रक्रिया क्या है और कैसे दर्ज करें आदि विस्तार से बताया। जेबीएन सदस्यों को अपने-अपने व्यवसाय के बारे में विवरण साझा करने का अवसर दिया गया। बैठक के आँकड़े सामूहिक उपलब्धियों के अनुसार पारित रेफरल की कुल संख्या 10, कुल वैल्यू बिजनेस 1,81,105 रुपये, कुल कारोबार 16,12,001 रुपये, वन-टू-वन की कुल संख्या 155 हुए। विशिष्ट प्रस्तुति में मधु जैन व कारोबार में मीना जैन को पुरस्कृत किया गया। जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमुथा, कार्यसमिति सदस्य मीना बडेरा, जेबीएन पूर्व मंत्री तनुजा मेहता, पूर्व उपाध्यक्ष भाविका कोठारी उपस्थित थे। अध्यक्ष सुमन रांका की अध्यक्षता में आयोजित इस रेफरल मीट में उन्होंने सभी का स्वागत किया। उपाध्यक्ष पिंकी मेहता ने रिपोर्ट प्रस्तुत की। सचिव सीमा शाह ने धन्यवाद दिया।

संतोष जीवन का असली धन: साध्वी धर्मप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में शुक्रवार को धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी धर्मप्रभा जी ने कहा कि संतोष ही जीवन का असली घन हैं। संतोष सुखी जीवन का आधारकार्ड हैं। जो हर परिस्थिति में व्यक्ति के सम-विषम परिस्थिति में आधारभूत सहायक बनता है। संतोष की शान निराली है। गौधन, गजधन, रत्न धन, कंचन खान प्राप्त कर लेने से भी बढ़कर व्यक्ति के जीवन में संतोष रूपी धन के गुण का महत्व हैं। जिनकी तृष्णा, इच्छा कामनाएं बलवान हैं वे सपने में भी सुखी नहीं हो सकता हैं। व्यक्ति को अपने जीवन में हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिये। नकारात्मक भावों, विचारों से हमेशा दूर रहना चाहिये। यदि घर में धन की तिजोरियां भरी है लेकिन दान देने का, जीवन में सुकृत-पुण्यकार्य, परोपकार की भावना नहीं है तो उस व्यक्ति की बेशुमार दौलत भी, उस के चेहरे पर लाली नहीं ला सकती। अर्थात वह इंसान अपने जीवन-व्यवहार में कभी सच्ची शांति, सुख का अनुभव नहीं कर सकता हैं। साध्वीजी ने प्रवचन सभा में सति अंजना का सरल सुवोच्च काव्यशैली में वांचन एवं विवेचन प्रस्तुत किया। प्रारंभ में साध्वी स्नेहप्रभा जी ने अपने प्रासंगिक उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि क्रोध रूपी कषाय इंसान के जीवन में यमराज के समान हैं। क्रोध दूसरे का बाद में पहले स्वयं का अहित करता हैं। तृष्णा को नरक में बहने वाली वैतरणी नदी के समान बताया। तृष्णावान व्यक्ति मृगतृष्णा के समान सुख की चाह में भटकता रहता है पर उसे सच्चा सुख प्राप्त नहीं होता। धर्मसभा में कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेस के प्रान्तीय अध्यक्ष पुखराज मेहता, राजाजीनगर से जम्बू कुमार दुग्गड़, मरुधर केसरी सेवा गुरु समिति की अध्यक्षा सरला दुग्गड़ आदि समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। हनुमंतनगर संघ मंत्री सुरेश कुमार धोका ने संचालन किया।

क्रोधी नहीं सहनशील बने पर कार्यशाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार राजराजेश्वरी नगर महिला मंडल द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना, जो अध्यक्ष सुमन पटावरी द्वारा निर्देशित है, के अंतर्गत संस्कार शाला का प्रथम चरण शुक्रवार को आरआर नगर में स्थित ज्योति निवास स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यशाला का टॉपिक क्रोधी नहीं सहनशील बने था। इस विषय पर बहनों ने बच्चों को उद्बोधन दिया। सभी बच्चों का जय जिनेंद्र से अभिवादन किया गया एवं नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का प्रारंभ हुआ।

दिव्या बोथरा ने बच्चों को बताया कि हमें हर बात पर गुस्सा नहीं होना चाहिए। गुस्से में लिया गया निर्णय हमेशा गलत ही साबित होता है। ज्यादा गुस्से से बच्चे नकारात्मक एवं निराशावाद के शिकार भी हो जाते है। अतः हमे हमेशा अच्छा सोचना है, सकारात्मक सोचना है। कभी भी ये सोच के हताश नहीं होना है कि हमारे कम नंबर क्यों आये। हमे ये सोचना है कि हम आगे से कुछ अच्छा कुछ नया करेंगे। कभी हताश होकर गलत कदम नहीं उठाए। बच्चों से कुछ सवाल जवाब पूछे गए और गेम्स भी खिलाया गया। बाद में बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार भी दिया गया। रजनी संचेती, रुचिका पटावरी ने स्कूल स्टाफ का आभार ज्ञापित किया।

संगति हमारे रंग और ढंग को बदल देती है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने कहा कि जैसा संग वैसा रंग। संगति का हमारे जीवन में बड़ा महत्व होता है। व्यक्ति जिस प्रकार की संगत में रहता है उसके व्यवहार, उसकी सोच में वैसा ही असर पड़ता है। सज्जन लोगों की संगति हमे सज्जन बनाती है और दुर्जन लोगों की संगति दुर्जन। जैसी संगत वैसी रंगत। जीवन का रंग वैसा ही होगा जैसा हमारा संग होगा। संगति हमारे रंग और ढंग को बदल देती है। हमे संगति उनकी करनी चाहिए जो हमसे श्रेष्ठ हो। सज्जन की संगति नरक को भी स्वर्ग बना देती है और दुर्जन की संगति स्वर्ग को भी नरक बना देती है। सत्संग की महिमा अपरंपार है। सत्संग हमारे जीवन को प्रगति की ओर आत्म कल्याण की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि श्रवण करने से सुनने से आत्मा को तृप्ति होती है। सुना हुआ जीवन में कब काम आ जाए पता नहीं। सुना हुआ हमारे जीवन को परिवर्तित करता है। हमे सदमार्ग की ओर ले जाता है। जो परमात्मा की वाणी में सत्संग के सरोवर में डुबकी लगाता है उसके भव भव के कर्म टूट जाते है। जो शांति से सत्संग में बैठता है उसका मन शांत होता है। उसकी शांति को कोई छीन नहीं सकता। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्री जिनकुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री जिनकुशल सूरि जैन धार्मिक पाठशाला के अभ्यासकों ने पिछले 25 वर्षों से धार्मिक ज्ञान दे रहे रोहित गुरु को गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष में सम्मानित किया। इस अवसर पर पवनी बाफना, मनीषा पनानी, उर्मिला कोठारी, संगीता बागरेचा, रेखा खांटेड, नीता सोनिगरा आदि ने अपने अपने भाव व्यक्त किये। यह जानकारी पवनी बाफना ने दी।*

दान देने से पुण्यानुबंधी पुण्य का उपार्जन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्री जी ने अपने प्रवचन में दान की महिमा बताते हुए कहा कि पुण्यानुबंधी पुण्य बंध नौ प्रकार का है जो सुकृत दान से बंधता है और पुण्यानुबंधी पुण्य से ही हमारी आत्मा का कल्याण होगा। राजा भोजराज के दरबारी सरस्वती पुत्र और लक्ष्मी पुत्र दानवीर माघ कवि में कालिदास, दण्डी और भारवी जैसे तीन तीन कवियों का संगम था, जो प्रतिदिन एक हजार सोना मोहरें दान करते थे। जिनशासन भी माघ कवि, धन्ना सेठ, शालिभद्र ऐसे ही श्रावकों से दैदीप्यमान है। पुण्य से मिली लक्ष्मी को पुण्य कार्य में ही खर्च करने से लक्ष्मी बढ़ती है। रविवार को 'म्हारे तो लेवानी छे दीक्षा' का विशेष संगीतमय कार्यक्रम पूज्य गुरुवर मलयप्रभ सागर जी की निश्रा में आराधना भवन में आयोजित किया जाएगा।

किसी के पास कुछ भी अच्छा हो तो सीख लेना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ, चिकपेट में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्य श्री हेमप्रभसूरीश्वरजी के शिष्यरत्न, वर्तमान गच्छाधिपति श्रीमद् विजय श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी के आज्ञ-ानुवर्ती निर्मोहप्रभविजयजी ने फरमाया कि किसी के पास कुछ भी अच्छा हो तो वो सीख लेना चाहिए। इस विश्व में कोई भी जीवात्मा सम्पूर्ण दोषों से भरा हुआ नहीं होगा और कोई भी जीवात्मा सम्पूर्ण गुणों से भरा हुआ नहीं होगा। जीभ के दो काम है - वाद और स्वाद, यानी बोलना और खाना। अगर दोनों काम मर्यादित हो तो दुःखी होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिस चीज या गुण का अभिमान हम करतें है, वह चीज या गुण आगे चलकर हम से दूर हो जाते हैं। जगत देखना हो तो आँखे खोलनी होती है और जगतपति को देखना हो तो आँखे बंद करनी पडती है। श्री शत्रुंजय तप में सम्मिलित होने की प्रेरणा में गुरुदेव ने फरमाया कि आज भी, वर्तमान में भी श्री शत्रुंजय तीर्थ में अनेकों प्रभाव देखने को मिलते है। बस, दृढ़ श्रद्धा होनी चाहिए। श्री शत्रुंजय तीर्थ अनंत सिद्धों की भूमि है। पूर्ण श्रद्धा सहित शास्त्रीय श्री शत्रुंजय तप करने से अनेकों के रोग, दुःख, पीड़ा का नाश हुआ है।

वासना-विकार, ईर्ष्या, लोभ ही हमारे वास्तविक शत्रु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सीमंधर शान्तिसूरि जैन संघ, वी वी पुरम के तत्वावधान में आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में शुक्रवार को प्रवचन देते हुए कहा कि बाहर की दुनिया में दिखाई देने वाले शत्रु, वास्तव में हमारे शत्रु नहीं है। अंतरंग शत्रु जैसे कि क्रोध, अंहकार, वासना-विकार, ईर्ष्या, लोभ ही हमारे वास्तविक शत्रु है।

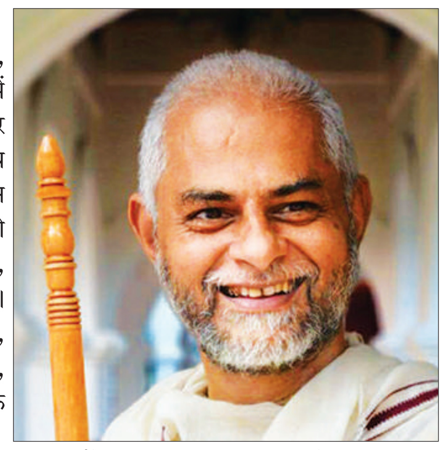

माया के जाल में जकड़ जाने पर व्यक्ति बेचैन हो उठता है और अंहकार मनुष्य को शांति से बैठने नहीं देता है। क्रोध अन्दर ही अन्दर जलन या ताप पैदा करता है, और लोभ वृत्ति के कारण आदमी न जाने कितने मीलों तक दूर-दूर तक (यहां तक कि सात समुंदर पार भी), धन कमाने हेतु चला जाता है। बाहरी दुनिया की दृष्टि से आप भले ही कितनी ही ऊंचाई पर पहुँच गए हो, परंतु अंतर में यदि क्रोध-लोभ आदि बसे है, तो व्यक्ति सदैव दुःखी ही रहेगा। क्रोध-लोभ आदि को कषाय कहा जाता है।

आचार्य श्री ने कहा कि भोग सामग्री प्रचुर मात्रा में हो, धन संपत्ति अपार हो और यदि व्यक्ति को उचित सम्मान न मिले तो वह बेचैन हो उठता है। व्यक्ति में यदि संतोष गुण आ जाए तो वह सुखी बन जाएगा। इसलिए अंदर के शत्रुओं को पहचान कर उन पर विजय प्राप्त करते हुए साधना में आगे बढ़ना है और अंदर का आनंद लूटना है। मन को समझाना ही सच्ची धर्म-साधना है।

आत्मिक गुणों को बढ़ाते हुए आत्मा को परमात्मा बनाएं: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शांतिनगर में भीखीबाई पूनमचंद लुणावत स्थानक भवन में विराजित राजेश मुनि ने प्रवचन में सच्ची कथा का महत्व बताया। मुनि ने फरमाया कि इच्छा निरोध, क्षमा और अहिंसा, इन तीन गुणों की प्रेरणा किसी कथा से मिले तो वही सच्ची कथा होती है। ऐसी कथा में ही जीवन जीने की कला का संदेश मिलता है। इच्छाओं को जीत लिया तो आपका संसार स्वयं छोटा हो जायेगा क्योंकि जरुरतें सीमित और आवश्यकताएं कम हो जाएंगी। ऐसी स्थिति में संसार की दिशा में पुरुषार्थ भी कम करना पड़ेगा और आत्मिक पुरुषार्थ को बढ़ाया जा सकेगा। हम अपने आत्मिक गुणों को बढ़ाते हुए आत्मा को परमात्मा बना पायेंगे। उन्होंने कहा कि छिपकर किया पाप सदैव भय को जन्म देता है। संत तो प्रभु के दूत बनकर जिनवाणी की वर्षा करने और हमारे जीवन की दिशा और दशा दोनों बदलकर सही दिशा देने आए हैं। संत हमारी जीवन शैली को धर्म के अनुरुप बनाकर आत्मा में रमण करना सिखाते हैं। इसी में हमारा उद्धार है। मुनि ने कहा कि कड़वे शब्द जीवन की बिगाड़ और मीठे शब्द जीवन का उद्धार करने वाले बनते है। जो आत्मा में रमण करवाये वही सर्वश्रेष्ठ तप है और गुरु शरण ही धर्म के टिकने का स्थान है। मुनिगण श्रद्धा के भूखे होते हैं न की सांसारिक चकाचौंध के। जिसे अंतिम समय में भी प्रभु वाणी याद आये वही सरलता की निशानी है। धर्मसभा में दिल्ली, हरियाणा, पंजाब आदि राज्यों से श्रद्धालु उपस्थित थे। संघ ने उनका स्वागत किया। अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता ने धन्यवाद दिया। मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कारगिल विजय दिवस के अवसर पर चामराजपेट स्थित शारदा स्त्री समाज विद्या संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने वीर शहीदों के बलिदान को याद कर बच्चों को कारगिल विजय दिवस की यशो गाथा के बारे में बताया एवं विद्यार्थियों में शिक्षण सामग्री वितरित की।*

कारगिल विजय दिवस पर रक्तदान शिविर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
सेंट्रल हॉस्पिटल हुब्बल्ली ने शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस और अस्पताल दिवस समारोह के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डॉ. जी.एस. रामचंद्र ने किया। शिविर में 66 व्यक्तियों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया, जिससे जीवन बचाने के लिए समुदाय की दृढ़ प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई। इस कार्यक्रम ने स्वास्थ्य सेवा में रक्तदान के महत्व को रेखांकित किया तथा समुदाय में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। डॉ. जी.एस. रामचंद्र ने अपने उद्घाटन भाषण में आप-ातकालीन देखभाल और दीर्घकालिक चिकित्सा स्थितियों में रक्तदान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने शिविर को सफल बनाने में दानदाताओं और आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। हुब्बल्ली का केंद्रीय अस्पताल विभिन्न स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से समुदाय की सेवा करने के अपने मिशन में दृढ़ है। एसडीजेसीएम रस्त्रोत्तना ब्लड बैंक के साथ अस्पताल का सहयोग जरूरतमंद लोगों के लिए रक्त की विश्वसनीय आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इसके निरंतर प्रयासों का प्रमाण है। इस अवसर पर सेंट्रल हॉस्पिटल के चिकित्सा निदेशक डॉ. बी. टी. कृष्णा रेड्डी, सहायक मुख्य स्वास्थ्य निदेशक डॉ. शिवकुमार और एसडीजेसीएम रस्त्रोत्तना ब्लड बैंक के ट्रस्टी दत्ता मूर्ति उपस्थित थे।

मेरा जीवन खुली किताब है, कोई दाग नहीं

राजनीतिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी बनाए रखी हैं: सीएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा और वाल्मीकि निगम घोटालों को लेकर विपक्षी भाजपा के रात भर के धरने के बीच राज्य विधानमंडल के मानसून सत्र के अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को अपनी बेगुनाही और पारदर्शिता साबित करने के लिए तथ्य, आंकड़े और दस्तावेज पेश किए। विधानसभा में एक भीड़ भरे संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा मेरा जीवन एक खुली किताब है। प्रत्येक पृष्ठ पर पारदर्शिता और ईमानदारी अंकित है। मेरे जीवन में जरा भी दाग नहीं है और मैंने राजनीतिक जीवन की पवित्रता बनाए रखी है। सिद्धरामैया ने विपक्षी भाजपा और उसके नए सहयोगी जेडीएस पर गैर-जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। विपक्षी दलों को राज्य में लोगों की समस्याओं और अन्य ज्वलंत मुद्दों की कोई परवाह नहीं है और वे अर्थहीन विरोध और धरनों में विधानमंडल का कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव में 135 सीटें जीतने के बाद भाजपा और जेडीएस दोनों हताश हैं। उन्होंने राजनीति से प्रेरित बयान देना शुरू कर दिया है और मुख्यमंत्री की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे इस तथ्य को पचा नहीं पा रहे हैं कि मैं दूसरी बार मुख्यमंत्री बना हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों विपक्षी दल, जो सत्र के दो सप्ताह के दौरान मुडा घोटाले का मुद्दा उठा रहे हैं, उनके पास अपने आरोपों का समर्थन करने के लिए कोई आधिकारिक दस्तावेज नहीं हैं। उन्होंने कहा मैं लोगों के सामने रखने और उनके राजनीतिक नाटक को आईना दिखाने के लिए दस्तावेजों की प्रतियां जारी कर रहा हूं। उन्होंने कहा यह मेरे परिवार को फंसाकर अपने भयावह राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने की गंदी राजनीति है। उन्होंने बताया कि

मुडा घोटाले में विवादित भूमि जो जावरा के निंगा के एक बेटे की है, उसे बी एम मल्लिकार्जुन ने खरीदा था और आश्चर्य जताया कि क्या यह बिक्री पीटीसीएल अधिनियम के अंतर्गत नहीं आती है। उन्होंने बताया कि जावरा के बेटे निंगा ने 2 अगस्त, 1935 को मैसूरु तालुक कार्यालय में भूमि देने के लिए आवेदन किया था और निचले अधिकारियों ने 15 अगस्त, 1935 को एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी जिसमें कहा गया था कि निंगा द्वारा मांगी गई भूमि नीलामी के माध्यम से बेची जा सकती है। नीलामी 26 सितंबर, 1935 को आयोजित की गई थी और बिक्री की पुष्टि 13 अक्टूबर, 1935 को हुई थी। चूंकि विचाराधीन भूमि नीलामी के माध्यम से खरीदी गई थी, इसलिए यह स्वयं के स्वामित्व वाली हो जाती है और सरकार का इस पर कोई नियंत्रण नहीं है। इसलिए, पीटीसीएल अधिनियम विवादित भूमि पर लागू नहीं होता है और इस मुद्दे पर अदालत के फैसले हैं। विवादित भूमि की पृष्ठभूमि और विभिन्न समय पर बिक्री के विवरण का वर्णन करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि सभी लेन-देन 2010 से पहले किए गए थे और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी भी तरह से इस मामले में शामिल नहीं थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि राज्यपाल थावर चंद गहलोत को दिए गए ज्ञापन में भाजपा द्वारा लगाए गए आरोप निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तत्कालीन भाजपा शहरी विकास मंत्री बी एन बच्चेगौड़ा ने इस मुद्दे की जांच की थी और पाया था कि भूमि अधिग्रहण के लिए अंतिम अधिसूचना 20 अगस्त 1997 से पहले जारी की गई थी और मुडा ने भूमि अधिग्रहण के प्रस्ताव को वापस लेने के लिए 24 जुलाई 1997 को ही प्रस्ताव पारित कर दिया था। उन्होंने उल्लेख किया कि मुडा ने 1984 से 13 अलग-अलग लेआउट में 235.30 एकड़ भूमि के संबंध में भूमि अधिग्रहण वापस ले लिया था। भाजपा के इस आरोप का जिक्र करते हुए कि उनका परिवार भूमि सौदे में शामिल था, सिद्धरामैया ने कहा कि भूमि का पहले ही 14 जुलाई 2005 को रूपांतरण हो चुका था, जब यह उनके परिवार के कब्जे में आई थी। भूमि अधिग्रहण के लिए वैकल्पिक भूमि उपलब्ध कराने के लिए 23 जून 2014 और 25 अक्टूबर 2021 को आवेदन प्रस्तुत किया गया था क्योंकि भूमि का उपयोग मुडा द्वारा किया जा रहा था। मुडा ने 14 सितंबर 2020 को 50:50 के आधार पर वैकल्पिक स्थल देने का संकल्प लिया और राज्य सरकार ने प्रस्ताव को रद्द कर दिया था। इस मुद्दे पर 7 दिसंबर 2020 को मुडा की बैठक में चर्चा हुई थी जिसमें जेडीएस नेता जी टी देवेगौड़ा, भाजपा के एसए रामदास, एल नागेंद्र और कांग्रेस नेता संदेश ना-गराज ने भाग लिया था।

उनकी जमीन का अधिग्रहण कर लिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पत्नी ने 23 अक्टूबर, 2021 को फिर से एक आवेदन प्रस्तुत किया था, जिसमें कहा गया था कि मुडा ने बिना कोई मुआवजा दिए उनकी जमीन का अधिग्रहण कर लिया है और उन्होंने फिर से अनुरोध किया है कि पहले से तय 50:50 अनुपात के आधार पर वैकल्पिक भूमि प्रदान की जानी चाहिए और मुडा ने 30 दिसंबर, 2021 को केसर गांव में मुआवजे के रूप में 38,284 वर्ग फुट साइट देने का आदेश पारित किया था। पूरे मामले की जांच उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी एन देसाई की अध्यक्षता में न्यायिक जांच द्वारा की जा रही है और आयोग ने पहले ही जांच शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा-जेडीएस नेताओं ने मुडा घोटाले के साथ-साथ महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया है, जो वर्तमान में सरकार द्वारा गठित एसआईटी और ईडी और सीबीआई द्वारा जांच के दायरे में है क्योंकि एक राष्ट्रीयकृत बैंक धन के अवैध हस्तांतरण में शामिल है।

घोटाले के संबंध में अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा था कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं हैं। विधानसभा के अंदर भाजपा विधायकों द्वारा रात भर किए गए विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने दावा किया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मुडा घोटाले के संबंध में उनके बचाव में आगे न आने के लिए अपनी पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की थी। ऐसी स्थिति है कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मदद करने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ईमानदार हैं, तो हम आग्रह कर रहे हैं कि मुडा घोटाले की सीबीआई जांच कराई जाए। राज्य सरकार ईडी पर लगाम लगाना चाहती थी, लेकिन उच्च न्यायालय ने उसे फटकार लगाई। मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से अपील करता हूं कि उनकी सरकार ने कई पाप किए हैं। उल्टी गिनती शुरू हो गई है और हमें नहीं पता कि वह कब अपना इस्तीफा सौंपेंगे। हम इस संबंध में विरोध भी जताएंगे और इस पर आगे चर्चा भी करेंगे। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो गर्व से पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के नेता होने का दावा करते हैं, ने राज्य में सत्ता में आने के बाद उनके लिए कोई चिंता नहीं दिखाई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार आदिवासी कल्याण बोर्ड घोटाले के सिलसिले में 187 करोड़ रुपये की लूट में शामिल है। मैसूरु में, हजारों करोड़ रुपये की जमीन, लगभग 4,000 साइटें, सभी नियमों का उल्लंघन करके उनके समर्थकों, गुंडों, रिश्तेदारों और उनकी पत्नी को आवंटित की गईं। ऐसा करके, सीएम ने गरीबों और मध्यम वर्ग के साथ अन्याय किया है।

गौड़ा, कुमारस्वामी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

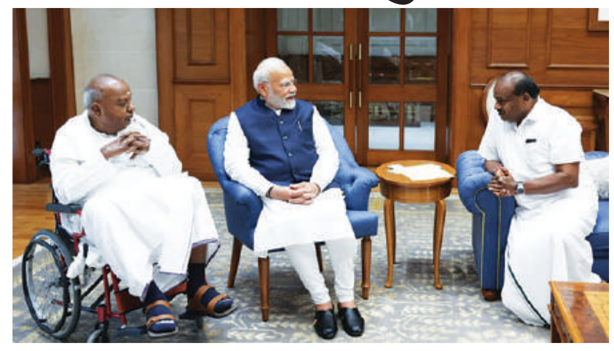

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा, केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। गौड़ा और कुमारस्वामी की गुरुवार को प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास, लोककल्याण मार्ग पर मुलाकात हुई। तीनों नेताओं ने किस मुद्दे पर चर्चा की, इसका विवरण उपलब्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को सोशल मीडिया पर एक फोटो के साथ साझा किया है। उन्होंने कहा देवगौड़ा से मिलना सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न मुद्दों पर पूर्व प्रधानमंत्री के ज्ञान और दृष्टिकोण को अत्यधिक मूल्यवान बताया। यात्रा के दौरान, गौड़ा ने मुझे एक कलाकृति उपहार में दी, जिसने मुझे मेरी हाल की कन्याकुमारी यात्रा की याद दिला दी। मोदी ने उनकी यात्रा और उपहार के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लगातार बारिश के कारण राज्य के तटीय, पहाड़ी और उत्तरी कर्नाटक के कई जिले भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और फिर से भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने उत्तरी भीतरी इलाकों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। लगातार बारिश के कारण जलाशय पहले से ही भरे हुए हैं और जलाशयों से बड़ी मात्रा में नदियों में पानी छोड़ा जा रहा है। इस प्रकार, नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को तटीय, पहाड़ी और दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने मौसम विभाग के पूर्वानुमान के हवाले से कहा कि शनिवार को तेज ठंडी हवाओं के साथ बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अलर्ट घोषित कर दिया है। 28 से 30 जुलाई के बीच दक्षिणी भीतरी इलाकों में भी भारी बारिश का अनुमान है। अन्यथा मध्यम बारिश जारी रहेगी। बेंगलूरु के आसपास बादल छाए रहेंगे और लगातार तेज तूफानी हवाएं चलेंगी। बीच-बीच में हल्की से मध्यम बारिश होगी। बताया गया है कि कुछ जगहों पर भारी बारिश के भी आसार हैं।

पिछले 6 वर्षों में 16.83 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए: शोभा करंदलाजे

बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (एमओएस) शोभा करंदलाजे ने संसद को बताया कि पिछले छह वित्तीय वर्षों 2017-18 से 2023-24 तक 16.83 करोड़ नए रोजगार सृजित हुए हैं। मंत्री ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि देश में कुल रोजगार में इस 6 साल की अवधि के दौरान 35 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो 2017-18 में 47.5 करोड़ से बढ़कर मार्च 2024 तक 64.33 करोड़ हो गई। यह जानकारी आरबीआई के नवीनतम केएलईएमएस डेटा पर आधारित है, जो अखिल भारतीय स्तर पर रोजगार के रुझान प्रदान करता है।

मंत्री ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र (औपचारिक और अनौपचारिक संस्थाएं) में 2017-18 से 2022-23 तक 85 लाख रोज-गार के अवसरों में वृद्धि देखी गई। बाल श्रम पर एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा कि सरकार इस खतरे को खत्म करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपना रही है और इसके लिए व्यापक उपाय किए गए हैं, जिनमें विधायी कार्रवाई, पुनर्वास रणनीति, मुफ्त शिक्षा का अधिकार प्रदान करना और सामान्य सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना शामिल है। मंत्री ने कहा कि केंद्र ने बाल श्रम उन्मूलन के लिए संबंधित राज्य सरकारों द्वारा उठाए जाने वाले कार्य बिंदुओं को सूचीबद्ध करते हुए एक आदर्श राज्य कार्य योजना भी तैयार की है।

अशोक ने सीएम पर अपनी कुर्सी बचाने के लिए राहुल गांधी के इशारों पर नाचने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर अपनी कुर्सी बचाने के लिए बालक बुद्धि राहुल गांधी के इशारों पर नाचने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार से दागदार सिद्धरामैया हर गुजरते दिन के साथ कमजोर होते जा रहे हैं। वही सिद्धरामैया जिन्होंने 2016 में एक साथ चुनाव की अवधारणा का स्वागत और समर्थन किया था, अब कर्नाटक विधानसभा में एक राष्ट्र, एक चुनाव के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर रहे हैं। भाजपा नेता ने पूछा, सीएम सिद्धरामैया

इन हरकतों से किसे प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं? क्या आपने अपनी अंतरात्मा पूरी तरह खो दी है? क्या आपने सत्ता के लिए अपनी आत्मा बेच दी है? उल्लेखनीय है कि कर्नाटक विधानसभा ने गुरुवार को आगामी जनगणना, एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव और राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा के आधार पर लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया था। प्रस्ताव में कहा गया कि कर्नाटक विधानसभा मांग करती है कि केंद्र सरकार को 2026 की जनगणना या उसके बाद होने वाली जनगणना के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं करना चाहिए। जनसंख्या के आधार पर सीटों की संख्या बढ़ाने के मामले में, उसे किसी राज्य में लोकसभा सीटों और वहां विधानसभा क्षेत्रों की संख्या तय करने के लिए 1971 की जनगणना को ध्यान में रखना चाहिए। दूसरे प्रस्ताव में, कांग्रेस सरकार ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव भारत की लोकतांत्रिक और संघीय व्यवस्था के लिए खतरा है। विभिन्न राज्य विधानसभाओं का अपना कार्यकाल होता है, और एक समान चुनाव कार्यक्रम राष्ट्रीय मुद्दों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करके और स्थानीय चिंताओं की उपेक्षा करके राज्यों की स्वायत्तता को कमजोर कर सकता है। इसमें कहा गया है कि पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करना, चुनाव कर्मचारियों का प्रबंधन, मतदाताओं में निराशा, सरकार की कम जवाबदेही और आर्थिक एवं सामाजिक बाधाएं एक साथ चुनाव कराने से जुड़ी गंभीर चिंताएं हैं। कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच के पाटिल द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सदन केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और भारत की एकता की रक्षा के लिए इस कठोर कानून को लागू न करे।

विपक्षी दलों के धरने के बीच सरकारी गतिविधियों का संचालन करना अपरिहार्य : यूटी खादर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने शुक्रवार को कहा कि विपक्षी दलों के धरने के बीच सरकारी गतिविधियों का संचालन करना अपरिहार्य था। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह दुखद है कि विपक्षी दलों के विरोध के कारण सत्र निर्धारित समय से एक दिन पहले समाप्त हो गया। आठ दिनों तक 36 घंटे 51 मिनट का कार्य किया गया है। एक एआई कैमरा लगाया गया है, जो देश की किसी भी विधानसभा में नहीं लगा है और इससे पता चल जाएगा कि विधायक कितनी बार आते हैं,

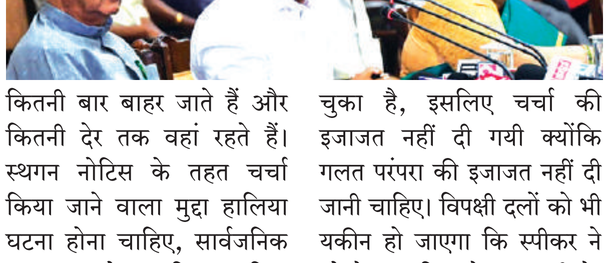

कितनी बार बाहर जाते हैं और कितनी देर तक वहां रहते हैं। स्थगन नोटिस के तहत चर्चा किया जाने वाला मुद्दा हालिया घटना होना चाहिए, सार्वजनिक महत्व का होना चाहिए, न्यायिक या अर्ध-न्यायिक जांच के अधीन नहीं होना चाहिए। लेकिन चूंकि मुडा कांड का मामला पहले ही न्यायिक जांच के लिए उठाया जा चुका है, इसलिए चर्चा की इजाजत नहीं दी गयी क्योंकि गलत परंपरा की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। विपक्षी दलों को भी यकीन हो जाएगा कि स्पीकर ने जो फैसला दिया है, वह सही है। अनियंत्रित व्यवहार देखने पर सख्त कार्रवाई करना मुश्किल नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्र को धैर्य के साथ चलाया गया क्योंकि कार्यवाही सुचारु रूप से चलनी चाहिए। इसमें नीट और बाढ़ समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होनी थी। उन्होंने कहा कि उन्हें दुख है कि ऐसा नहीं हुआ। इस मौके पर 85 फीसदी उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्थायी समितियों का अधिकार 8 अगस्त को समाप्त हो जाएगा और सदन के अध्यक्ष को उन्हें फिर से नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया है। इस सत्र में 23 अधिसूचनाएँ, 146 वार्षिक रिपोर्ट, 160 ऑडिट रिपोर्ट, 5 अनुपालन रिपोर्ट और 1 ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। उन्होंने सदन की कार्यवाही की रिपोर्ट देते हुए बताया कि पेश किये गये 13 विधेयकों में से 12 विधेयक पारित किये गये। सभापति बसवराज होराट्टी ने कहा कि विधान परिषद में 8 दिनों तक 37 घंटे 30 मिनट की कार्यवाही हुई। उन्होंने बताया कि कुल 135 प्रश्नों में से 90 प्रश्नों का उत्तर दिया जा चुका है। चार आधिकारिक प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये और पारित किये गये। उन्होंने बताया कि शून्यकाल के 62 निर्देशों में से 39 निर्देशों का जवाब दिया जा चुका है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी स्पीकर रुद्रप्पा लमानी समेत दोनों सदनों के सचिव और अधिकारी मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस चुनाव की तैयारी में जुटी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि युवा कांग्रेस चुनाव कराने की तैयारी कर रही है और शुक्रवार से वे स्मार्ट फोन के माध्यम से ऑनलाइन सदस्यता पंजीकरण शुरू किए हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन सदस्यता प्राप्त कर सकता है। सदस्यता के साथ-साथ ब्लॉक, जिला अध्यक्ष, महासचिव, केपीसीसी पदाधिकारियों के चुनाव के लिए मतदान की अनुमति होगी। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को 6 वोट डालने की अनुमति है। सदस्यता पंजीकरण पारदर्शी तरीके से किया जाता है। हम चेहरे की पहचान सहित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सदस्यता कर रहे हैं। सभी जिलों में रिटर्निंग ऑफिसर हैं।

2 अगस्त से नामांकन पत्र जमा करने और 9 अगस्त को नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख है। महात्मा गांधी को कांग्रेस का नेतृत्व संभाले 100 साल हो गए हैं। इस शुभ अवसर पर एक बड़ा उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए कार्यक्रम बनाने के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा। हम 15 मंत्रियों और पदाधिकारियों सहित 60 नेताओं की एक समिति बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम बेल-गावी में होगा, जहां भी स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास है। एचके पाटिल की अध्यक्षता वाली समिति में वीरप्पा मोइली सलाहकार होंगे। वे 9 अगस्त तक बैठक करेंगे और बाद में सलाह देंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी सरकार के स्तर पर जो भी कार्यक्रम करने की जरूरत है हम कर रहे हैं।

भाजपा ने कर्नाटक के मुद्दे पर संसद में जताया विरोध

बेंगलूरु/नई दिल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा और कांग्रेस के बीच शुक्रवार को संसद में सिद्धरामैया सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसदों ने कर्नाटक सरकार पर वंचित वर्गों के लिए निर्धारित सार्वजनिक धन को पार्टी के चुनाव खर्च में लगाने का आरोप लगाया।

कार्यवाही शुरू होने से पहले, कर्नाटक भाजपा के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और लोकसभा और राज्यसभा दोनों में कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के खिलाफ आरोपों पर तुरंत चर्चा करने के लिए नोटिस सौंपे। लोकसभा में, बेंगलूरु सेंट्रल के सांसद पीसी मोहन ने वाल्मीकि विकास निगम में अनियमितताओं का मुद्दा उठाने की मांग की और सीबीआई जांच की मांग की। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी और वरिष्ठ सांसद अनुराग ठाकुर सहित अन्य ने विरोध किया क्योंकि स्पीकर ओम बिरला ने इस मुद्दे को उठाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। दोपहर 12 बजे शून्यकाल की शुरुआत में जैसे ही मोहन ने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है, कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसद विरोध में खड़े हो गए, जिससे बिरला को सदन को दोपहर 12:30 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। राज्यसभा में भी विरोध प्रदर्शन हुआ जब सभापति जगदीप धनखड़ ने चार भाजपा सांसदों द्वारा सदन स्थगित करने और वाल्मीकि विकास निगम मामले पर तुरंत चर्चा करने के लिए दिए गए नोटिस को अनुमति देने से इनकार कर दिया, लेकिन कर्नाटक के सांसद इरन्ना कडाडी को इसे शून्यकाल के मामले के रूप में उठाने की अनुमति दी। धनखड़ ने कडाडी को इस मुद्दे पर बोलने की अनुमति दी, जिस पर कांग्रेस ने तुरंत आपत्ति जताई और कहा कि यह उनके पास प्रसारित कार्य सूची का हिस्सा नहीं था। सभापति ने कहा कि उन्होंने पहले ही कडाडी को इसे शून्यकाल के मामले के रूप में उठाने की अनुमति दे दी है, जबकि उनके नोटिस को अस्वीकार कर दिया है। इससे गुस्सा शांत नहीं हुआ और कई कांग्रेस नेताओं पी चिदंबरम, रणदीप सुरजेवाला और मुकुल वासनिक ने सभापति के फैसले पर सवाल उठाए। जया बच्चन और सुष्मिता देव जैसे विपक्षी सांसदों ने दावा किया कि नियम 267 के तहत उनके नोटिस अस्वीकार किए जाने के बाद विपक्षी सांसदों को अपना विषय उठाने की अनुमति नहीं है। धनखड़ ने इसका विरोध करते हुए कहा कि अगर कोई सांसद उनके पास आता है तो उन्होंने हमेशा इसकी अनुमति दी है। कडाडी ने मांग की कि केंद्र को वाल्मीकि विकास निगम में धन की हेराफेरी की जांच का आदेश देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया सरकार ने अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए निर्धारित धन में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की हैं। आंध्र प्रदेश के कुछ बैंकों में 180 करोड़ रुपये से अधिक अवैध रूप से स्थानांतरित किए गए हैं। इसके अलावा, राज्य सरकार के खजाने से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए निर्धारित धन की भी हेराफेरी की गई।

एचडी कुमारस्वामी को भी मुडा द्वारा एक प्रतिस्थापन स्थल आवंटित किया गया

मंत्री ने लाभार्थियों की एक सूची जारी की

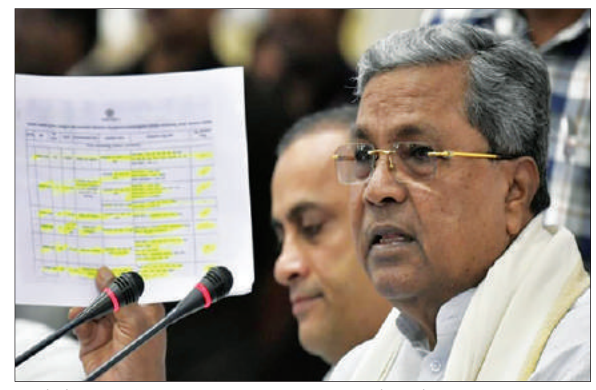

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी को भूखंड आवंटित करने में अनियमितताओं के विपक्षी भाजपा और जेडी(एस) के आरोपों का जवाब देने के लिए, शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश ने लाभार्थियों की एक सूची जारी की, जिसमें केंद्रीय उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, जेडी(एस) विधायक एस.आर. महेश और जी.टी. देवेगौड़ा, एमएलसी सी.एन. मंजे गौड़ा और भाजपा एमएलसी एच. विश्वनाथ शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मुडा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित जेडी(एस), भाजपा और कांग्रेस नेताओं को मैसूरु में विभिन्न स्थानों और लेआउट में वैकल्पिक भूखंड आवंटित किए हैं।

सुरेश ने संवाददाताओं को बताया कि मुडा ने एच.डी. कुमारस्वामी को 21,000 वर्ग फीट का वैकल्पिक स्थल आवंटित किया है। उन्होंने कहा कि संतुष्ट न होने पर कुमारस्वामी ने मुडा द्वारा अतिरिक्त भूमि आवंटन की मांग करते हुए एक और आवेदन प्रस्तुत किया। कुछ दिन पहले, जेडीएस विधायक एस.आर. महेश ने कांग्रेस के उन आरोपों का खंडन किया था कि कुमारस्वामी मुडा साइट के लाभार्थी थे। सुरेश ने कहा कि जेडीएस विधायक जी.टी. देवेगौड़ा को कुल 3.25 एकड़ के दो प्लॉट दिए गए थे, जबकि पूर्व मंत्री और भाजपा एमएलसी एच. विश्वनाथ को 0.5 एकड़ आवंटित किया गया था। सुरेश ने कहा कि पूर्व मंत्री एस.आर. महेश को मुडा द्वारा लगभग तीन एकड़ जमीन आवंटित की गई थी। मंत्री द्वारा मीडिया को जारी किए गए एक दस्तावेज से पता चलता है कि मुडा ने जेएसएस, बीजीएस, यूएन शेखर, गंगाराजू, जे. शिवकुमार और जे. महाद-वस्वामी को भूखंड आवंटित किए हैं। मंत्री ने कहा हम कर्नाटक उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश पी. एन. देसाई की अध्यक्षता में गठित एक सदस्यीय न्यायिक आयोग को विभिन्न व्यक्तियों को भूखंड आवंटित करने के सभी दस्तावेज सौंपेंगे, जो मुडा द्वारा भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं की जांच करेगा। आयोग से 2006 से 2024 के बीच भूखंडों के आवंटन की जांच करने और छह महीने के भीतर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपने की उम्मीद है। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने मानसून सत्र के दौरान विधानमंडल के दोनों सदनों में मुडा द्वारा भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं पर चर्चा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने राज्यपाल को एक याचिका भी सौंपी, जिसमें कथित मुडा घोटाले की सीबीआई जांच और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की गई। भाजपा ने दावा किया कि कथित मुडा घोटाला 3,000 करोड़ रुपये से अधिक का है।

पुलिस से बचकर भागने की कोशिश में लुटेरे को पैर में लगी गोली

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हुब्बल्ली धारवाड़ पुलिस ने शुक्रवार सुबह हुब्बल्ली में पुलिस कर्मियों पर हमला करके भागने की कोशिश कर रहे एक लुटेरे पर गोली चलाई। पुलिस के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर कविता मदगयाल ने पैर में गोली मारने से पहले उसे चेतावनी देने के लिए हवा में दो गोलियां चलाईं। घायल हिस्ट्रीशीटर फरहान शेख मुंबई का रहने वाला है। उसे हुब्बल्ली के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फरहान को गुरुवार को हुब्बल्ली के केशवपुर में एक आभूषण की दुकान में चोरी के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी हैदराबाद (तेलंगाना), कलबुर्गी, मुंबई और अहमदनगर (महाराष्ट्र) और सूरत (गुजरात) में लूट, डकैती और हत्या के मामलों में नामजद है। पुलिस फरहान को उसके साथियों की तलाश में तारिहाल क्रॉस के पास गमनगट्टी रोड पर ले गई थी। फरहान ने भागने की कोशिश में कांस्टेबल सुजाता और महेश पर हमला किया। सब-इंस्पेक्टर कविता मदगयाल ने हवा में गोली चलाकर उसे चेतावनी दी और फिर उसके पैर में गोली मार दी। पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 6.30 बजे हुई। सुजाता और महेश दोनों का इलाज अस्पताल में चल रहा है, साथ ही आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस कमिश्नर एन. शशिकुमार ने अस्पताल का दौरा किया और पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

खतरनाक सामान ले जा रहे कंटेनर जहाज में आग लगने के बाद हाई अलर्ट जारी

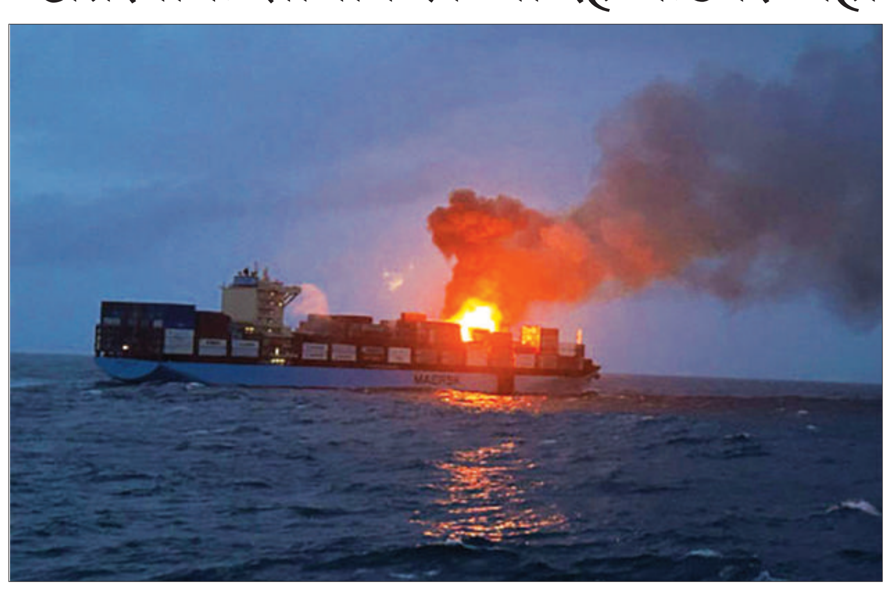

***उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक के तट पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री खतरनाक सामान श्रेणी 4 ले जा रहे कंटेनर जहाज में आग लगने के बाद तटीय जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। सूत्रों ने बताया कि गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह से श्रीलंका के कोलंबो जा रहे जहाज में अरब सागर में आग लग गई और अब यह सुरथकल तट से 33 समुद्री मील दूर खड़ा है। भारतीय तटरक्षक बल ने आग बुझा दी है और फिलहाल स्थिति पर नजर रख रहा है। जहाज में ज्वलनशील ठोस पदार्थ और कुछ मात्रा में तरल पदार्थ थे। ऐसी चिंता है कि अगर आग दोबारा भड़कती है, तो सामान तट और समुद्र के लिए खतरा बन सकता है। उडुपी की डिप्टी कमिश्नर डॉ. विद्याकुमारी ने तटरक्षक बल, सीआरजेड अधिकारियों, पर्यावरण विभाग और बंदरगाह प्राधिकरण को आवश्यक सावधानी बरतने और पदार्थ के प्रकोप की स्थिति में स्थिति को संभालने के आदेश जारी किए हैं। सूत्रों ने बताया कि भारतीय तटरक्षक बल स्थिति पर नजर रख रहा है और कंटेनर जहाज के सुरक्षित मार्ग को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है।*

मुख्यमंत्री के खिलाफ भाजपा के आरोप कांग्रेस सरकार के खिलाफ साजिश का हिस्सा: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को भाजपा पर मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ आरोप लगाने का आरोप लगाया, जो कांग्रेस सरकार के खिलाफ उनकी साजिश का हिस्सा है। शिवकुमार, जो राज्य कांग्रेस के प्रमुख भी हैं, ने यहां संवाददाताओं से कहा कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे बड़ा राज्य है। भाजपा ने कभी नहीं सोचा था कि कांग्रेस यहां जीतेगी। इसलिए वे सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। भाजपा ने अपने एनडीए सहयोगी जेडी(एस) के साथ मिलकर कथित घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करने के लिए अगले सप्ताह यहां से मैसूरु तक पदयात्रा निकालने का प्रस्ताव रखा है। शिवकुमार ने कहा उन्हें जो करना है करने दें, उन्हें जितना संभव हो सके उतने मार्च निकालने दें। हम यह भी योजना बनाएंगे कि उनके अभियान का मुकाबला कैसे किया जाए। विपक्षी भाजपा और जद (एस) ने आरोप लगाया है कि मुडा ने मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती को 14 स्थल आवंटित किए, जिनका मूल्य उनकी 3.16 एकड़ भूमि से कहीं अधिक है, जिसे आव-ासीय लेआउट बनाने के लिए अधिग्रहित किया गया था। किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए सिद्धरामैया ने कहा था कि ये साइटें 2021 में आवंटित की गई थीं जब भाजपा सत्ता में थी। उन्होंने कहा उनकी पत्नी ने कभी किसी विशेष क्षेत्र में भूखंडों की मांग नहीं की थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि मुडा ने उनकी पत्नी की संपत्ति पर अतिक्रमण किया है। जब उन्होंने मामला मुडा अधिकारियों के संज्ञान में लाया, तो उन्होंने उनकी जमीन के अवैध अधिग्रहण के बदले वैकल्पिक स्थल आवंटित कर दिए। शिवकुमार ने कहा कि सिद्धरामैया ने विशिष्ट क्षेत्रों में साइटों की मांग नहीं की थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा, कई लोगों (भूमि खोने वालों) को वैकल्पिक स्थल मिल गए हैं। मैं इस बात पर विस्तार से नहीं बताऊंगा कि दूसरों ने वैकल्पिक स्थल कैसे प्राप्त किए। संबंधित मंत्री इसे समझाएंगे और मैं भी जानकारी जुटा रहा हूं। जब मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को उठाया, तो मुडा ने उन्हें वैकल्पिक भूमि की पेशकश की। जो कुछ भी हुआ वह कानून के दायरे में था। उनके अनुसार, मुडा साइट आवंटन का मुद्दा तीन साल पहले मीडिया में आया था, लेकिन इसे अब केवल मुख्यमंत्री की छवि खराब करने के लिए उठाया गया है। शिवकुमार ने आरोप लगाया कि भाजपा कांग्रेस की पदयात्रा की अवधारणा की नकल कर रही है। उन्होंने कहा पदयात्रा पर हमारा पेटेंट है। इसकी शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी। हमने 'भारत जोड़ो यात्रा' निकाली। अब भाजपा इसका इस्तेमाल करना चाहती है। उन्होंने कहा, भाजपा भ्रष्टाचार की सरदार है। वे घोटाले को उजागर करना चाहते हैं। उन्हें ऐसा करने दें। हम भी पूरे घोटाले को उजागर करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि मुडा मुद्दे पर भाजपा का शोर मचाना पब्लिसिटी स्टंट है। उन्होंने कहा कि भाजपा मार्च निकालकर दूसरों के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरेगी। उन्होंने दावा किया कि मुडा घोटाला पिछली भाजपा सरकार के दौरान हुआ था। अब भाजपा नेताओं ने मार्च निकालने का फैसला किया है। हम उनके घोटाले को भी उजागर करेंगे और बताएंगे कि किसने कितनी साइटें हासिल कीं। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि मुडा घोटाला 4000 करोड़ रुपये से 5,000 करोड़ रुपये तक का है।

शहर में नशीली दवाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि शहर में विदेशी नागरिकों द्वारा नशीली दवाओं की बिक्री और खपत बढ़ रही है, और इस पर अंकुश लगाने के लिए संबद्ध संगठनों के साथ चर्चा के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अवैध और वीजा-अनधिकृत विदेशी नागरिकों द्वारा ड्रग नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। सीसीबी की टीम पहले से ही इस संबंध में कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में एनसीबी, आरआरओ और अन्य संबद्ध संगठनों के साथ बैठक की जाएगी और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध वीजा वाले 20 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई है और 10 को पहले ही विदेश भेजा जा चुका है और शेष 10 को जल्द ही भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि कॉलेजों के दायरे में नशीले पदार्थों का नेटवर्क बढ़ गया है, इस पर शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से चर्चा की जायेगी। पुलिस कोरमंगला पीजी में घुसकर महिला की हत्या करने वाले आरोपी की तलाश कर रही है और उसे भरोसा है कि उसे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को हाल ही में उद्घाटन की गई डबल डेकर सड़क पर गाड़ी चलाते हुए पाया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

दक्षिण कर्नाटक में भारी बारिश के बाद सकलेशपुर में सड़कें जलमग्न, दोपहिया वाहन डूबे

***हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।** जिले के सकलेशपुर तालुक में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद कई जगहें जलमग्न हो गईं। हेमावती नदी के उफान पर होने के कारण सकलेशपुर शहर के आजाद नगर इलाके में सड़कें जलमग्न हो गईं और कई दोपहिया वाहन डूब गए। सकलेशपुर शहर और कृष्णपुर गांव के बीच वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई, क्योंकि सड़क पर एक पुल जलमग्न हो गया। जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के बाद गोरुरु में हेमावती जलाशय में पानी का प्रवाह बढ़ रहा है। अधिकारियों ने जलाशय से पानी का बहाव बढ़ा दिया है, जिससे होलेनरसिपुरा शहर और आसपास के इलाकों में बाढ़ आ गई है। शुक्रवार सुबह तक पानी का बहाव 63,580 क्यूसेक था।*

संसद को राजनीति का हथियार बनाना घातक : धनखड़

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि संसद को राजनीति का अधिकार बनाना घातक है और कोचिंग एवं शिक्षा का व्यावसायीकरण किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधक है।

श्री धनखड़ ने शुक्रवार देर शाम यहां दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज महाविद्यालय के 77वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को अपनी सीमाओं से बाहर आकर सामान्य अवसरों से आगे देखने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कोचिंग और शिक्षा का व्यवसायीकरण किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधक कारक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को दी जाने वाली शिक्षा में आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को पारंपरिक भारतीय मूल्यों के साथ जोड़ा जाना चाहिए। शिक्षा सबसे प्रभावशाली परिवर्तनकारी तंत्र है जो समानता लाता है और असमानताओं को रोकता और खत्म करता है। उन्होंने कहा कि

शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना मानव विकास के लिए मौलिक है।

संसद में व्यवधान और बाधा को राजनीति का हथियार बनाने पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री धनखड़ ने युवाओं से इन गतिविधियों पर ध्यान देने और हमेशा अपनी अंतरात्मा, सच्चाई और राष्ट्रवाद का पक्ष लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि संसद बहस, विचार-विमर्श और चर्चा के लिए एक जगह है। आसन के समक्ष आकर नारेबाजी और अनुशासनहीनता को हत-ोत्साहित किया जाना चाहिए। श्री धनखड़ ने युवा पीढ़ी से आग्रह किया कि वे उपलब्ध डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया टूल के माध्यम से अपनी आव-ाज़ बुलंद करें। युवाओं को ज्वलंत मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ानी चाहिए और साझा दृष्टिकोण के लिए समुदायों को संगठित करना चाहिए।

युवाओं में यथास्थिति को चुनौती देने और सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने की क्षमता को पहचानते हुए श्री धनखड़ ने युवाओं से सकारात्मक राष्ट्रवादी भूमिका निभाने और भारत के विकास मूल्यों के साथ तालमेल रखने वाले उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को नव-ाचार की संस्कृति को प्रोत्साहित करना चाहिए और अपने अंदर छिपी उद्यमशीलता की भावना को बाहर निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र है जहाँ हर कोई अपनी क्षमता का प्रयोग कर सकता है और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है। स्वरोजगार के लिए सामने आ रहे नए अवसरों की सराहना करते हुए, श्री धनखड़ ने युवाओं को आज रोजगार के विकल्पों और सरकार की कौशल संवर्धन और उन्नयन नीतियों के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री धनखड़ ने 21वीं सदी की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे युवा दिमागों में आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और उद्यमशीलता कौशल को विकसित करना आवश्यक है, ताकि उन्हें आधुनिक दुनिया की जटिलताओं से निपटने की क्षमता से लैस किया जा सके।

19 लाख के इनामी पांच खूंखार नक्सलियों ने किया सरेंडर

सुकमा, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

सुकमा जिले में सरकार की नीति और नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का असर देखने को मिल रहा है। गुरुवार को सुकमा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे पांच हार्डकोर नक्सलियों ने सुकमा एसपी किरण चव्हाण के समक्ष बिना हथियार आत्मसमर्पण किया है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों पर 19 लाख का इनाम घोषित है। सरेंडर करने वाले नक्सली लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय रहकर कई घटनाओं में शामिल रह चुके हैं।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कवासी दुला पुत्र कोसा (प्लाटून नंबर 30 डिप्टी कमांडर/पीपी-सीएम ईनामी पांच लाख) उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी बडेसेट्टी पालोड़ी थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा (छत्तीसगढ़), सोड़ी बुधरा पुत्र पोज्जा (प्लाटून नंबर 30 सेक्शन कमांडर/मेडिकल टीम कमांडर/पीपीसीएम ईनामी 05 लाख) उम्र लगभग 27 वर्ष निवासी मुतोड़ी थाना गादीरास जिला सुकमा, मड़कम गंगी पुत्र कवासी दुला (प्लाटून नंबर 30 सेक्शन ए कमांडर ईनामी 05 लाख) पिता स्व. पोज्जा उम्र लगभग 27 वर्ष निवासी ईत्तापारा थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा (छत्तीसगढ़), पोड़ियाम सोमड़ी पुत्र स्व. मंगडू (प्लाटून नंबर 30 पार्टी सदस्या ईनामी 02 लाख) उम्र लगभग 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी कोंडरे पदामपारा थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा, मड़कम आयते पुत्र स्व. देवा (किस्टाराम एरिया कमेटी टेलर टीम पार्टी सदस्या, एवं पूर्व डीवीसीएम माड़वी सवित्री की गार्ड ईनामी 02 लाख) उम्र लगभग 35 वर्ष जाति मुरिया निवासी दुरमा, मेहता थाना कोण्टा जिला सुकमा (छत्तीसगढ़) शामिल हैं।

सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को कपड़ा एवं प्रोत्साहन राशि के रूप में 25-25 हजार रुपए दिए गए। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाए प्रदान की जाएंगी।

भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता संभाली

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

आपदा राहत और बचाव के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे भारत ने अंतर्राष्ट्रीय संगठन एशियाई आपदा तैयारी केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाल लिया है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य और विभागाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने भारत के प्रतिनिधि के रूप में थाइलैंड के बैंकॉक में गुरुवार को वर्ष 2024-25 के लिए चीन से इस केन्द्र की अध्यक्षता का कार्यभार संभाला। यह केन्द्र एशिया और प्रशांत क्षेत्र में आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोग और कार्यान्वयन के लिए एक स्वायत्त अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। भारत और आठ पड़ोसी देश बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, नेपाल, पाकिस्तान, फिलीपींस, श्रीलंका और थाईलैंड इसके संस्थापक सदस्य हैं।

भारत ने गुरुवार को ही बैंकॉक में आयोजित केन्द्र न्यासी बोर्ड की 5वीं बैठक की भी अध्यक्षता की। भारत आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्र में वैश्विक और क्षेत्रीय स्तर पर नेतृत्व की भूमिका निभा रहा है। भारत ने इस दिशा में कई वैश्विक पहल की हैं, जिनमें आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन की स्थापना जैसी पहल प्रमुख हैं।

प्रभात झा के निधन पर मोदी, शाह, नड्डा, सिंधिया ने जताया शोक

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रभात झा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। 67 वर्षीय श्री झा का शुक्रवार प्रात: गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद प्रभात झा के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। मैंने उनकी कार्यशैली को बहुत करीब से देखा है कि संगठन को सशक्त बनाने में उन्होंने किस प्रकार सक्रिय भूमिका निभाई। जनसेवा के अपने कार्यों के साथ ही उन्होंने पत्रकारिता और लेखन के क्षेत्र में भी अमूल्य योगदान दिया। शोक की इस घड़ी में उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदनाएं। ओम शांति।

भाजपा अध्यक्ष श्री नड्डा ने एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, मध्यप्रदेश के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रभात झा जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। उनका संपूर्ण जीवन जनसेवा और संगठन को समर्पित रहा। उनका जाना भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूँ, ईश्वर उन्हें संबल प्रदान करें और दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ॐ शांति।

गृह मंत्री श्री शाह ने कहा, वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभात झा जी का निधन भाजपा परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। राष्ट्र एवं संगठन को निःस्वार्थ भाव से अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले प्रभात झा जी ने मध्य प्रदेश में संगठन को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में हमेशा जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाया। दुःख की इस घड़ी में पूरी भाजपा उनके परिजनों के साथ है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ॐ शांति शांति शांति।

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुग्राम में मेदांता अस्पताल जा कर श्री झा के पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किये। श्री सिंधिया ने अपने संदेश में कहा, मध्य प्रदेश से पूर्व राज्यसभा सांसद और भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता आदरणीय प्रभात झा जी के अकस्मात देहांत का अत्याधिक दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। यह संगठन के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस दुख से उबरने की शक्ति दें। ॐ शांति।

श्री झा का निधन तड़के करीब पांच बजे हुआ। वह कुछ समय से बीमार थे। बताया जा रहा है कि उनके पार्थिव शरीर को बिहार के मधुबनी जिले के कुरमई गांव ले जाया जाएगा और वहीं उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। श्री झा का जन्म चार जून 1957 को बिहार के सीतामढ़ी जिले में हुआ था। राजनीति में आने से पहले वह पत्रकार थे। उन्होंने दैनिक स्वदेश ग्वालियर में काम किया और बाद में वह दिल्ली में भाजपा की पत्रिका कमल संदेश के संपादक भी रहे। उन्होंने मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएं दी।

असम में अहोम राजवंश का समाधि स्थल मोइदम विश्व धरोहर में शामिल

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

असम के चराइदेव जिले में स्थित प्राचीन अहोम राजवंश के टीले वाले समाधि-स्थल मोइदम को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

यह घोषणा यहां चल रही यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति की 46वीं बैठक के दौरान शुक्रवार को की गई। असम की मोइदम भारत की 43वीं संपत्ति है, जिसे यूनेस्को की विश्व धरोहरों की सूची में स्थान मिला है। असम की दो और सम्पत्तियों काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और मानस वन्यजीव अभयारण्य को इससे पहले 1985 में प्राकृतिक श्रेणी की विश्व धरो-हरों में शामिल किया गया था। आज जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार असम का मोइदम विशाल वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण है। यह वास्तुशिल्प की दृष्टि से मिस्र में फिरौन के पिरामिडों और चीन में प्राचीन शाही कब्रों की ही तरह विलक्षण धरोहर है। ऐसी धरोहरों को यूनेस्को की सूची में शामिल करने का उद्देश्य प्राकृतिक और मिश्रित संपत्तियों को उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के आधार पर संरक्षित करना और इसे बढ़ावा देना है। इस सूची में 195 देशों की सम्पत्तियां शामिल हैं।

भारत 2021-25 के लिए विश्व धरोहर समिति का सदस्य चुना गया है। वर्ष 1972 में यूनेस्को के विश्व धरोहर सम्मेलन में शुरू होने के बाद पहली बार यह सम्मेलन भारत में आयोजित किया गया है। विश्व धरोहर समिति के 46वां सत्र को 21 जुलाई को नयी दिल्ली के प्रगति मैदान में स्थित भारत मंडपम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया था। सम्मेलन 31 जुलाई तक चलेगा। इस बैठक में 150 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जो यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन के हस्ताक्षरकर्ता हैं और जिन्होंने धरोहरों के संरक्षण के संकल्पों के प्रति उत्तरदायित्व स्वीकार किया है।

मोइदम को यूनेस्कों के विश्व धरोहर में शामिल करने की घो-षणा के बाद संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इससे दुनिया भर में इस प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि 700 साल पुरानी चराइदेव में अहोम राजवंश के मृत लोगों को समाधि देने की इस अनूठी प्रणाली असम और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का एक अद्भुत नमूना है। श्री शेखावत ने कहा कि मोइदम को वैश्विक मान्यता दिलाने का नेतृत्व प्रधानमंत्री ने किया। उन्होंने इस इस सम्पत्ति को 2023 में यूनेस्को की समिति में भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में दर्ज कराया था। उन्होंने कहा कि यह नामांकन मोइदम्स के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करता है। यह विश्व धरोहर सूची में शामिल होने वाला भारत का सांस्कृतिक विरासत स्थल और पूर्वोत्तर भारत का तीसरा समग्र स्थल बन गया है।

मंत्री ने कहा कि इस तरह भारत ने पिछले एक दशक में अपनी 13 सांस्कृतिक धरोहरों को विश्व धरोहरों की यूनेस्को की सूची में शामिल करवाने में सफल हुआ है और इस सूची में सबसे अधिक विश्व धरोहर रखने वाले देशों में छठे स्थान पहुंच गया है। उन्होंने का कि यह वैश्विक मान्यता नए भारत के विश्व मंच पर भारत की विरासत को उजागर करने के अथक प्रयास का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता इन ऐतिहासिक खजानों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और असम सरकार के प्रयासों को रेखांकित करती है। श्री शेखावत ने कहा कि ऐसे स्मारकों के संरक्षण को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन स्थलों का दौरा करके और उनका समर्थन करके हम उनके संरक्षण और भारत के समृद्ध और विविध इतिहास की व्यापक कहानी में योगदान देते हैं।

गौरतलब है कि पूर्वोत्तर भारत में ताई-अहोम द्वारा निर्मित शाही टीला दफन स्थल मोइदम पूर्वी असम में पटकाई पर्वतमाला की तलहटी में स्थित है। इन दफन टीलों को ताई-अहोम द्वारा पवित्र माना जाता है और ये उनकी अनूठी अंत्येष्टि प्रथाओं को दर्शाते हैं। ताई-अहोम लोग 13वीं शताब्दी में असम पहुंचे थे। उन्होंने चराइदेव को अपना पहला शहर और वहां अपने मृत परिजनों के लिए विशिष्ट अंत्येष्टि स्थल के रूप में स्थापित किया। तेरहवीं शताब्दी से 19वीं शताब्दी तक, 600 वर्षों तक ताई-अहोम ने पवित्र भूगोल बनाने के लिए पहाड़ियों, जंगलों और पानी जैसे प्राकृतिक तत्वों का उपयोग करके मोइदम या आत्मा के लिए घर का निर्माण किया। अपने राजाओं को दिव्य मानते हुए, ताई-अहोम ने शाही दफ़न के लिए मोइदम के निर्माण की एक अलग अंत्येष्टि परंपरा विकसित की। इन टीलों को शुरू में लकड़ी से और बाद में पत्थर और जली हुई ईंटों से बनाया गया था, जैसा कि अहोम के पारंपरिक विहित साहित्य, चांगरुंग फुकन में प्रलेखित है। शाही दाह संस्कार की रस्में औपचारिक रूप से आयोजित की गईं, जो ताई-अहोम समाज की पदानुक्रमिक संरचना को दर्शाती हैं। बीसवीं सदी के शुरुआती दौर के खजाने की खोज करने वालों की चुनौतियों के बावजूद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और असम राज्य पुरातत्व विभाग ने चोरादेओ की अखंडता को बहाल करने और संरक्षित करने के लिए सहयोग किया है। केंद्रीय और राज्य दोनों नियमों से सुरक्षा के साथ, इस स्थल को इसकी संरचनात्मक अखंडता और सांस्कृतिक विशिष्टता को बनाए रखने के लिए अच्छी तरह से बनाए रखा गया है। वर्ष 2024 में विश्व धरोहर समिति का 46वां सत्र वर्तमान में दुनिया भर से 27 नामांकनों की जांच कर रहा है, जिसमें 19 सांस्कृतिक, 04 प्राकृतिक, 02 मिश्रित स्थल और मौजूदा सीमाओं में 02 महत्वपूर्ण संशोधन शामिल हैं।

भाजपा संगठन में हुए कई महत्वपूर्ण बदलाव

बिहार और राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष बदले

कई राज्यों के प्रभारी भी बदले गए

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार और राजस्थान में पार्टी अध्यक्षों को बदलने का फैसला लिया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बिहार में दिलीप जायसवाल, जबकि राजस्थान में सांसद मदन राठौड़ को भाजपा प्रमुख बनाने का एलान किया। इसी के साथ भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व में भी बदलाव जल्द होगा। पीएम मोदी ने शीर्ष नेतृत्व के साथ मैराथन बैठक की। जल्द ही पार्टी को नया कार्यकारी अध्यक्ष मिलेगा।

पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने बताया कि राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को राजस्थान का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि बिहार में सम्राट चौधरी के स्थान पर अब डॉ. दिलीप जायसवाल भाजपा प्रमुख होंगे। दोनों पदाधिकारियों की नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। इस संबंध में सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश प्रभारियों और महामंत्रियों के साथ-साथ संगठन के राष्ट्रीय महामंत्री को भी सूचित कर दिया गया है।

बिहार में विधान परिषद सदस्य और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सम्राट चौधरी का स्थान लेंगे। चौधरी पिछले साल मार्च से ही भाजपा की बिहार इकाई का नेतृत्व कर रहे थे। अब करीब 13 महीने बाद बिहार को नया पार्टी प्रमुख मिला है। बदलते राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए यह नियुक्ति बेहद अहम साबित हो सकती है, क्योंकि बिहार में अगले साल अक्तूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव भी कराए जाने हैं। ऐसे में जायसवाल के कंधों पर संगठन और पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं को एकजुट रखते हुए उनके भीतर ऊर्जा का संचार करने की बड़ी जिम्मेदारी भी होगी।

मदन राठौड़ राजस्थान विधानसभा में पांच साल तक डिप्टी चीफ व्हिप का पदभार संभाल चुके हैं। सांसद बनने से पहले मदन राठौड़ सुमेरपुर विधानसभा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसके अलावा वे संगठन में कई अन्य अहम पद भी संभाल चुके हैं। राठौड़ सीपी जोशी का स्थान लेंगे। इसके अलावा भाजपा ने राधामोहन दास को राजस्थान का प्रभारी भी नियुक्त किया है। चंद महीने पहले राजस्थान में मुख्यमंत्री बने भजन लाल शर्मा ने राठौड़ को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि राठौड़ के नेतृत्व में भाजपा राजस्थान में कामयाबी के नए मानक स्थापित करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार पार्टी ने कई राज्यों में अपने प्रभारी भी बदल दिए हैं। हरीश द्विवेदी को असम, अतुल गर्ग को चंडीगढ़, अरविंद मेनन को लक्षद्वीप का प्रभार सौंपा गया है। नड्डा ने अरविंद मेनन को तमिलनाडु का भी प्रभार सौंपा है। इसके अलावा राजदीप रॉय को पार्टी की त्रिपुरा इकाई का प्रभारी पद सौंपा गया है। पार्टी अध्यक्ष ने श्रीमती विजया रहाटकर को राजस्थान और सुधारक रेड्डी को तमिलनाडु का सह प्रभारी नियुक्त किया है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

इन पदाधिकारियों की नियुक्ति के साथ ही नजरें भाजपा के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष पर भी टिकी हैं। सूत्रों के मुताबिक भाजपा को जल्द ही कार्यकारी अध्यक्ष मिलेगा। इसकी घोषणा 31 जुलाई से केरल में हो रही संघ-भाजपा समन्वय बैठक से पहले होगी। चूंकि दो महीने बाद हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं और नए अध्यक्ष का चुनाव दिसंबर में संभावित हैं। ऐसे में नए अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त करने का फैसला किया गया है। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को इसी विषय पर पीएम मोदी की पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और संगठन महासचिव बीएल संतोष के साथ मैराथन बैठक हुई थी। बैठक में तय किया गया कि चूंकि वर्तमान अध्यक्ष के पास दो मंत्रालयों के साथ राज्यसभा में नेता सदन की जिम्मेदारी है, ऐसे में संगठन के कामकाज में बाधा नहीं आने देने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की जाए।

बरेली में तेजराम की मॉब लिंचिंग पर मीडिया की चुप्पी

हिंदू युवक को मुस्लिमों ने पीट-पीट कर मार डाला

छेड़खानी का विरोध किया तो मुस्लिमों ने हत्या कर दी

बरेली, 26 जुलाई (एजेंसियां)। बेरली जिले के गांव गौसगंज में तेजराम नाम के एक युवक की मुस्लिम भीड़ ने मॉब लिंचिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल तेजराम की इलाज के दौरान मौत हो गई। घर की महिलाओं के साथ मुस्लिमों द्वारा की गई अभद्रता का विरोध करने पर तेजराम की सरेआम हत्या कर दी गई। तेजराम की मॉब लिंचिंग की खबर मीडिया से गायब है।

मीडिया का चरित्र यह है कि लिंचिंग के बाद जब आरोपियों के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला तो उसे बढ़ा चढ़ा कर दिखाया जा रहा है। तेजराम की मौत की खबर गूगल में सर्च करने पर नहीं मिल रही। जबकि कुछ साल पहले अखलाक के मारे जाने पर आसमान सिर पर उठा लिया गया था। बरेली के शाही थाना इलाके गांव गौसगंज में मुहर्रम जुलूस के दौरान मुस्लिमों ने हिंदू महिलाओं के साथ बदसलूकी की। उसका विरोध हुआ तो उसे ताजिया रखने के स्थान का विवाद बता दिया गया। गांव के अब्दुल एक हिंदू महिला पर लगातार लेजर लाइट मार रहा था। पूर्व ग्राम प्रधान हीरालाल ने इसका विरोध किया। इस पर अब्दुल और उसके साथियों ने तोड़फोड़ और पथराव शुरू कर दिया। लगभग 60-70 की संख्या में मुस्लिम हीरालाल और आसपास के लोगों के घरों में घुस कर मार पीट करने लगे और महिलाओं के साथ बदसलूकी करने लगे।

हीरालाल के बेटे तेजराम ने बीच बचाव की कोशिश की तो मुस्लिम समुदाय के लोगों ने तेजराम को उठा लिया। तेजराम को मस्जिद में ले जाया गया और लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटा गया। तेजराम को मरा समझ कर बाहर फेंक दिया गया। तेजराम के परिजन उसे बरेली के एक अस्पताल में ले गए। लेकिन वहां उसकी मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस गौसगंज गांव में पहुंची। पुलिस ने हत्या के मामले में 70 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया है। पुलिस ने 35 उपद्रवियों को गांव में छापा मार कर पकड़ा है। 2 आरोपियों को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद पकड़ा। कई लोगों को तलाश जारी है। पुलिस ने राजस्व विभाग से गांव में आरोपितों के निर्माण की नापजोख भी करवाई, इसमें 10 से अधिक निर्माण अवैध मिले।

प्रशासन ने बख्तावर, इशारत, मुकीम, यासीन, यूसुफ, इश्तियाक और अशफाक समेत कई अवैध निर्माण सोमवार को बुलडोजर की मदद से ढहा दिए। कार्रवाई के डर से हिंसा के कई आरोपी अभी फरार हैं। कई अपना घर छोड़ चुके हैं और बाहर के इलाकों में छुपे हुए हैं। अशरफ और आसिफ नाम के दो आरोपियों पर पुलिस ने 25,000 का इनाम भी घोषित किया है।

तेजराम की मॉब लिंचिंग के कारण मौत हो गई। उसकी मौत की खबर को मीडिया में कोई ख़ास जगह नहीं मिली। मीडिया ने भी एक हिंदू व्यक्ति के मरने को तरजीह नहीं दी। जबकि तेजराम की हत्या के आरोपियों के अवैध निर्माण गिराए जाने को खूब मीडिया कवरेज मिली। कब्जा करने वालों के घरों की महिलाओं के रोते हुए विजुअल चलाए गए। भारत में यदि किसी की मॉब लिंचिंग हो जाए, तो मौत पर कितना विरोध हो और कितनी आवाज उठाई जाए, यह धर्म देखकर तय होता है।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण तेजराम है। तेजराम को मात्र अपने पक्ष के लोगों की आवाज उठाने के लिए मार दिया गया है। एक और घटना याद कीजिए, एक तबरेज नाम का व्यक्ति था, जिसकी मौत हो गई थी। आरोप था कि उसकी हत्या की गई। झारखंड में 2019 में हुई इस मौत पर खूब बवाल हुआ था जबकि तबरेज पर चोरी का आरोप था। बाद में सामने आया था कि तबरेज की मौत का कारण हृदयाघात था। ऐसी ही 2015 की एक और घटना में उत्तर प्रदेश के ही चरखी दादरी में अखलाक नाम के एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। तब मीडिया ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अखलाक की मौत का मुद्दा उठा था। मीडिया ने महीने भर तक गांव में डेरा डाल दिया। गांव वालों ने त्रस्त हो कर मीडिया को भगाना चालू कर दिया था। अखलाक की मौत का कारण पिटाई बताया गया था जो कि गौमांस पकाने के आरोप में हुई थी। अखलाक के मामले में करोड़ों का मुआवजा दिया गया। मीडिया कवरेज इसके सालों बाद तक जारी है। भारत पर प्रोपेगेंडा चलाने वाले चैनलों ने इसके ऊपर पूरी सीरीज चलाई। लेकिन तेजराम की मौत पर सन्नाटा छाया है।

करोड़ों की ठगी में सपा का पूर्व विधायक इंदल रावत गिरफ्तार

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी की राजधानी लखनऊ में करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में सपा के पूर्व विधायक इंदल रावत को गिरफ्तार किया गया है। कोर्ट के आदेश पर फर्जी दस्तावेजों से जमीन की रजिस्ट्री कराने के आरोप में पूर्व विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

लखनऊ के गोमतीनगर पुलिस ने मलिहाबाद के पूर्व सपा विधायक इंदल कुमार रावत को धोखाधड़ी कर चार करोड़ रुपए हड़पने के मामले में गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उन पर इसी साल फरवरी में राज इंफ्रा हाउसिंग के एमडी राजेश पांडेय ने कोर्ट के आदेश पर फर्जी दस्तावेजों से जमीन की रजिस्ट्री कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में इंदल कुमार रावत से गोमती नगर थाने में पहले कई घंटे तक पूछताछ की गई, फिर रात में पुलिस अफसरों ने उनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की। इंदल कुमार सपा छोड़ कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो चुके हैं। उनकी गिरफ्तारी की खबर मिलते ही कई समर्थक थाने पहुंचे, लेकिन गिरफ्तारी की वजह का पता चलने पर सब वहां से वापस लौट गए। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम अम्बरीश श्रीवास्तव के आदेश पर गोमती नगर थाने में यह एफआईआर लिखी गई थी। उनके खिलाफ धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, जाली दस्तावेज बनाने और धमकी देने की धारा में मुकदमा दर्ज था। राज इंफ्रा हाउसिंग के एमडी राजेश पांडेय ने आरोप लगाया है कि जानकीपुरम निवासी पूर्व विधायक इंदल रावत ने वर्ष 2014 में बटहा सबौली स्थित अपनी ज़मीन पर छह मंजिल का निर्माण करने के लिए उसके साथ अनुबंध किया था। यह अनुबंध कुछ खामियों की वजह से 23 जून 2023 में पंजीकृत हुआ था।

राजेश ने कहा कि उनकी कंपनी ने जमीन पर निर्माण करने के लिये पूर्व विधायक को जमानत राशि के रूप में दो करोड़ 52 लाख रुपए दिए थे। बाद में पता चला कि इंदल की इस जमीन को लेकर काफी विवाद है। यह जमीन इंदल के नाम भी नहीं है। इस पर उन्होंने इंदल रावत से कहा तो उसने कहा कि दस्तावेजों में सब सही कर लिया जायेगा। कुछ कारण से जमीन उनके नाम नहीं हो पाई थी। यह आश्वासन झूठा साबित होने पर उन्होंने रुपए लौटाने को कहा तो इंदल और उसके गुर्गे उन्हें धमकाने लगे। एसीपी गोमतीनगर अंशू जैन ने बताया कि पूछताछ में इंदल अपने आरोपों पर संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए।

करगिल शहीद स्मृति वाटिका में मना करगिल विजय दिवस

प्रत्येक भारतवासी को वीर जवानों की शौर्य गाथा पर गौरव है : योगी

मुख्यमंत्री ने शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र व पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 1999 में दुश्मन देश पाकिस्तान ने भारत पर करगिल युद्ध थोपा था। पाकिस्तान द्वारा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण करगिल की चोटियों पर छद्म रूप से कब्जा कर भारत के खिलाफ साजिश की गई थी। भारतीय सेना ने इस साजिश का मुंहतोड़ जवाब दिया तथा पाकिस्तान को पराजित कर दुनिया के सामने बेनकाब किया। आज ही के दिन वर्ष 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने करगिल विजय की घोषणा कर पूरी दुनिया को भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का लोहा मनवाया था।

मुख्यमंत्री आज यहां करगिल शहीद स्मृति वाटिका में करगिल विजय दिवस के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण तथा लोकतांत्रिक मूल्यों व आदर्शों पर विश्वास करने वाला देश है। जब यह देश धन-धान्य तथा बल व बुद्धि में सर्वश्रेष्ठ स्थान रखता था, तब भी किसी देश पर बलपूर्वक कब्जा नहीं किया। लेकिन जब कभी किसी दुश्मन ने भारत की सीमाओं का अतिक्रमण करने का दुस्साहस किया, तो भारत के वीर जवानों ने उसे मुंहतोड़ जवाब देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

स्वतंत्रता के पश्चात हुए युद्धों में भारत ने यह साबित करके दिखाया है कि वह युद्ध का पक्षधर नहीं है। लेकिन यदि कोई जबरन युद्ध थोपने का दुस्साहस करेगा, तो हमें मातृभूमि की रक्षा करने का पूर्ण अधिकार है। दुश्मन को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि उसकी आने वाली पीढ़ियां भारत की तरफ टेढ़ी निगाहों से देखने का कुत्सित प्रयास कभी नहीं करेंगी। यह वर्ष 1965, 1971 तथा अन्य युद्धों में भारत के बहादुर जवानों ने करके दिखाया। प्रत्येक भारतवासी बहादुर जवानों की शौर्य गाथा पर गौरव की अनुभूति करता है। सीएम योगी ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें करगिल विजय दिवस के अवसर पर सैनिकों, पूर्व सैनिकों तथा उनके परिजनों को सम्मानित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इनमें शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय के पिता गोपीचंद पांडेय, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी की पत्नी श्रीमती कमला देवी, राइफलमैन सुनील जंग की बहन सुश्री सुनीता, मेजर रितेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश शर्मा आदि सम्मिलित हैं। आज के अवसर पर हम सभी को प्रधानमंत्री के पंचप्रणों के साथ जुड़कर मातृभूमि के प्रति अपने योगदान को सुनिश्चित करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमा सुरक्षा, आंतरिक सुरक्षा तथा प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए सैनिक, अर्ध सैनिक व पुलिस बल के जवान पूरी तत्परता व ईमानदारी से कार्य कर रहे हैं। उन्हें सम्बल देने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार तथा प्रत्येक भारतवासी प्रतिबद्ध है। उन्होंने वीर शहीदों के परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा जिस स्तर पर भी आवश्यकता पड़ेगी, प्रदेश सरकार उनके साथ सदैव खड़ी है। देश के लिए स्वयं का बलिदान देना अतुलनीय कार्य होता है। यह सर्वोच्च त्याग है। लेकिन यदि हम इन शहीद परिवारों का सम्बल बनकर खड़े होंगे तो यह कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

प्रदेश सरकार ने वर्ष 2017 में वीर शहीदों के परिवार का सहयोग करने का निर्णय लिया कि देश की सीमा की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा व कानून व्यवस्था के लिए स्वयं को समर्पित करने वाले वीर जवानों के शहीद होने पर राज्य सरकार 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता करेगी। परिवार के एक सदस्य को शासकीय सेवा में सेवा का अवसर प्रदान किया जाएगा। जिस गांव, कस्बे में शहीद का घर है, वहां पर उनकी स्मृति को जीवंत बनाए रखने के लिए उनके नाम पर किसी संस्था, सड़क आदि का नामकरण किया जाएगा। राज्य सरकार इन सेवाओं के माध्यम से वीर शहीदों की स्मृतियों को नमन करने का कार्य कर रही है।

वर्ष 1999 के पश्चात भारत की सीमा सुरक्षा व आंतरिक सुरक्षा की स्थिति अत्यंत सुदृढ़ हुई है। शांति और सौहार्द का वातावरण देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल की संकल्पनाओं को आगे बढ़ाते हुए स्व के स्थान पर हम देश के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। आजादी के अमृतकाल में भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। अगले तीन वर्षों में देश दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के मार्ग पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में समृद्धि के नए सोपान स्थापित करते हुए आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प चरितार्थ किया जा रहा है। प्रदेश में डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर 06 नोड पर तेजी के साथ विकसित हो रहा है। यह रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। देश ही सर्वोपरि है के भाव के साथ कार्य करने का संकल्प ही भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत के रूप में स्थापित करेगा।

इसके पूर्व, मुख्यमंत्री ने करगिल शहीद स्मृति वाटिका में शहीदों की प्रतिमाओं पर पुष्प व पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में करगिल युद्ध में शहीद हुए कैप्टन मनोज कुमार पांडेय, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानन्द द्विवेदी तथा राइफलमैन सुनील जंग के परिजनों को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम को नगर विकास मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, शहीदों के परिजन, सैनिक तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

अब इंग्लैंड और अमेरिका भी चखेगा काला नमक चावल का स्वाद

लखनऊ, 26 जुलाई (एजेंसियां)। अब इंग्लैंड और अमेरिका भी चखेगा काला नमक चावल का स्वाद। करीब सात दशक बाद इंग्लैंड और पहली बार अमेरिका जाएगा काला नमक चावल। इसके पहले नेपाल, सिंगापुर, जर्मनी, दुबई आदि देशों को भी काला नमक चावल का निर्यात किया जा चुका है।

इंग्लैंड तो काला नमक के स्वाद और सुगंध का मुरीद रह चुका है। बात करीब सात दशक पुरानी है। तब गुलाम भारत में देश भर में अंग्रेजों के बड़े बड़े फॉर्म हाउस हुआ करते थे।

ये इतने बड़े होते थे कि इनके नाम से उस क्षेत्र की पहचान जुड़ जाती थी। मसलन बर्डघाट, कैंपियरगंज आदि। सिद्धार्थनगर भी इसका अपवाद नहीं था। उस समय सिद्धार्थ नगर में अंग्रेजों के फार्म हाउस में काला नमक धान की बड़े पैमाने पर खेती होती थी। अंग्रेज काला नमक के स्वाद और सुगंध से वाकिफ थे। इन खूबियों के कारण इंग्लैंड में काला नमक के दाम भी अच्छे मिल जाते थे। तब जहाज के जहाज चावल इंग्लैंड को जाते थे। करीब सात दशक पहले जमींदारी उन्मूलन के बाद यह सिलसिला क्रमशः कम होता गया। और आजादी मिलने के बाद खत्म हो गया। इस साल पहली बार इंग्लैंड को 5 कुंतल चावल निर्यात किया जाएगा। इसी क्रम में पहली बार अमेरिका को भी 5 कुंतल चावल का निर्यात होगा।

उल्लेखनीय है कि जबसे योगी सरकार ने काला नमक धान को सिद्धार्थ नगर का एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) घोषित किया है तबसे देश और दुनिया में स्वाद, सुगंध में बेमिसाल और पौष्टिकता में परंपरागत चावलों से बेहतर काला नमक धान के चावल का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। जीआई मिलने से इसका दायरा भी बढ़ा है। योगी सरकार ने इसे सिद्धार्थनगर का एक जिला एक उत्पाद ओडीओपी घोषित करने के साथ इसकी खूबियों की जबरदस्त ब्रांडिग भी की। इसके रकबे उपज और मांग में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई।

राज्यसभा में 17 दिसंबर 2021 को दिए गए आंकड़ों के अनुसार 2019/2020 में इसका निर्यात 2 फीसद था। अगले साल यह बढ़कर 4 फीसद हो गया। 2021/2022 में यह 7 फीसद रहा। काला नमक धान को केंद्र में रखकर पिछले दो दशक से काम कर रही गोरखपुर की संस्था पीआरडीएफ (पार्टिसिपेटरी रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन) के चेयरमैन पदमश्री डा आरसी चौधरी के अनुसार पिछले दो वर्षो के दौरान उनकी संस्था ने सिंगापुर को 55 टन और नेपाल को 10 टन काला नमक चावल का निर्यात किया। इन दोनों देशों से अब भी लगातार मांग आ रही है। इसके अलावा कुछ मात्रा में दुबई और जर्मनी को भी इसका निर्यात हुआ है। पीआरडीएफ के अलावा भी कई संस्थाएं काला नमक चावल के निर्यात में लगीं हैं।

दुनिया का एकमात्र प्राकृतिक चावल जिसमें वीटा कैरोटिन के रूप में विटामिन ए उपलब्ध है। अन्य चावलों की तुलना में इसमें प्रोटीन और जिंक की मात्रा अधिक होती है। जिंक दिमाग के लिए और प्रोटीन हर उम्र में शरीर के विकास के लिए जरूरी होता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम (49 से 52%) होता है। इस तरह यह शुगर के रोगियों के लिए भी बाकी चावला की अपेक्षा बेहतर है।

तीन वर्ष में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत : योगी

26 जुलाई, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले तीन वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का मतलब है कि भारत समृद्धि के नए सोपान को स्थापित करते हुए आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर के 6 नोड पर तेजी के साथ कार्य हो रहा है। यहां पर देश-विदेश की रक्षा क्षेत्र से जुड़ी हुई कंपनियां मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित कर रही हैं, जो रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता का एक नया उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आजादी के अमृत काल में प्रवेश किया है।

इसको देखते हुए हमें विकसित भारत की संकल्पनाओं को पूरा करने के लिए स्व से ऊपर उठकर कार्य करने की आवश्यकता है। मेरा और तेरा के भाव को समाप्त करते हुए हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज देश में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण है और जब किसी देश में ऐसा वातावरण बनता है तो उस देश की समृद्धि का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी डॉ महेंद्र सिंह, मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, पवन कुमार चौहान, इंजी.अवनीश कुमार सिंह, सोमेश त्रिवेदी, विधायक नीरज बोरा समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे

संपादकीय

केंद्रीय बजट के हाशिए

अमूमन केंद्रीय बजट की धाक पर राज्य की मिन्नतें या डबल इंजन सरकार के चरित्र में नए पोशाक की अभिलाषा रहती है, लेकिन हिमाचल ने फिर राजनीतिक पाप कर लिए। कम से कम यह तो महसूस नहीं हुआ कि हिमाचल ने अपने चारों सांसदों को केंद्र की गठबंधन सरकार को सौंप दिया है। बजट की सारी शेखियां और उम्मीदें गठबंधन धर्म में शरीक होकर आंध्र और बिहार की तश्तरियों में जो परोस रही हैं, वह कहां सामान्य तौर पर हमें मिलेगा। अचानक आंध्र प्रदेश पुनर्गठन एक्ट की धाराओं ने शहद में भीगना सीख लिया, जबकि पंजाब पुनर्गठन के कानूनी अधिकार आज भी हिमाचल की अर्थव्यवस्था को गौण कर रहे हैं। बजट पूर्व मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा और मुलाकातों के केंद्रबिंदु में रखे गए सारे तर्क पुनः पस्त हो गए। वहां हिमाचल का पानी, हिमाचल की जवानी नहीं, बल्कि पर्यावरण व देश के प्रति वफादारी भी पूरी तरह नजरअंदाज हुई है। यह दीगर है कि कहने को हिमाचल का नाम बजट की आपदा में लिपट कर आ गया, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आश्वासन दिया कि पिछले नुक्सान के नए मजमून दुरुस्त होंगे। सहायता के आश्वासन और भी ढूंढे जा सकते हैं, जहां केंद्रीय योजनाओं में आबंटन होगा। मसलन कृषि, जनजातीय गांव, वैकल्पिक ऊर्जा, आवासीय व्यवस्था और सौ साप्ताहिक हाट में कुछ तो रहा होगा, लेकिन केंद्रीय आश्वासन में पर्यटन जैसा क्षेत्र हिमाचल के लिए खामोश है। जाहिर है गठबंधन के प्रेम में बिहार का पर्यटन जीत रहा है, वरना कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की फाइल पर केंद्र सरकार का हाथ दिखाई देता। सरकार इस परियोजना के भू-अधिग्रहण के लिए केंद्र से 3500 करोड़ की फरियाद कर रही है, लेकिन खामोशियां अटूट बाधाएं बनकर तनी हैं। पर्वतीय राज्यों की आर्थिक विडंबनाओं तथा अति वन भूमि के अनुपयोगी आवरण के कारण जो आवश्यक, उदार व वांछित सहायता मिलती रही है, उस पर अब वित्तायोग की कुंडलियां सख्त होती जा रही हैं। नतीजतन हिमाचल पर कर्ज बोझ का भयावह आंकड़ा एक लाख करोड़ छूने को आतुर है। प्रदेश हरित राज्य बनने की कोशिश में पिछले एक साल से प्रयासरत है, लेकिन केंद्र के मोहल्ले में हमारे ये कदम पहुंच नहीं पा रहे। इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद तथा चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए सस्ती दरों पर ऋण या पर्यावरणीय सुरक्षा के एवज में ग्रांट मिलती तो राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल की आपत्तियों का समाधान भी निकल आता। प्रदेश सौर ऊर्जा के बड़े प्लांट व रूफटॉप सोलर एनर्जी के विकल्प में आगे बढना चाहता है, लेकिन यह हसरत केंद्र की मदद से ही पूरी होगी। जगत प्रकाश नड्डा के विभाग और अनुराग ठाकुर के प्रचार से निकली कई महत्त्वाकांक्षी परियोजनाओं की राह पर अभी अंधेरा ही दिखाई दे रहा है। खास तौर पर ऊना-हमीरपुर रेल परियोजना के ढोलक अब तक के तमाम बजटों की तरह, इस बार भी उदास हैं। दरअसल राष्ट्रीय स्तर पर पर्वतीय राज्यों की भौगोलिक व आर्थिक स्थिति का सही-सही मूल्यांकन करने के लिए एक स्वतंत्र पर्वतीय विकास मंत्रालय की आवश्यकता के पैरोकार ही पैदा नहीं हुए और हम सियासत के किनारे बनकर भी डूबते रहे भ्रम के समुद्र में। कहने को प्रधानमंत्रियों के साथ हमारे दिल के रिश्ते रहे हैं, लेकिन केवल एक बार औद्योगिक पैकेज के अदाकार अटल बिहारी वाजपेयी के अलावा कभी सपने साकार नहीं हुए। एक अदद कनेक्टिविटी या पर्यटन पैकेज से हिमाचल अपने आर्थिक जख्म ठीक कर सकता था, लेकिन इस बार तो कहने को भी कोई आशा नहीं। यह दीगर है कि मध्यमवर्गीय हिमाचल आयकर के नए फार्मूले में कोई सुकून ढूंढ ले या इंटर्नशिप के लिफाफे को देखकर पढ़ा-लिखा बेरोजगार लाभार्थी बन जाए।

डबल इंजन सरकार के चरित्र में नए पोशाक की अभिलाषा रहती है, लेकिन हिमाचल ने फिर राजनीतिक पाप कर लिए। कम से कम यह तो महसूस नहीं हुआ कि हिमाचल ने अपने चारों सांसदों को केंद्र की गठबंधन सरकार को सौंप दिया है। बजट की सारी शेखियां और उम्मीदें गठबंधन धर्म में शरीक होकर आंध्र और बिहार की तश्तरियों में जो परोस रही हैं, वह कहां सामान्य तौर पर हमें मिलेगा। अचानक आंध्र प्रदेश पुनर्गठन एक्ट की धाराओं ने शहद में भीगना सीख लिया, जबकि पंजाब पुनर्गठन के कानूनी अधिकार आज भी हिमाचल की अर्थव्यवस्था को गौण कर रहे हैं। बजट पूर्व मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा और मुलाकातों के केंद्रबिंदु में रखे गए सारे तर्क पुनः पस्त हो गए। वहां हिमाचल का पानी, हिमाचल की जवानी नहीं, बल्कि पर्यावरण व देश के प्रति वफादारी भी पूरी तरह नजरअंदाज हुई है। यह दीगर है कि कहने को हिमाचल का नाम बजट की आपदा में लिपट कर आ गया, जब केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आश्वासन दिया कि पिछले नुक्सान के नए मजमून दुरुस्त होंगे।

दुनिया के सबसे परिपक्व लोकतंत्र भी इस तरह के गहरे संबंध को खत्म करने में असमर्थ रहे हैं

लोकतंत्र और राजनीतिक हिंसा

डा. वरिंदर भाटिया

प्रधानमंत्री जी और विपक्ष के नेताओं ने अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा का उमड़ता प्रभाव पूरे विश्व के लिए चिंताजनक है। आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक पेपर के मुताबिक लोकतंत्र और हिंसा का अपवित्र और गहन संबंध है। यहां तक कि दुनिया के सबसे परिपक्व लोकतंत्र भी इस तरह के गहरे संबंध को खत्म करने में असमर्थ रहे हैं। उदाहरण के लिए 1980 के दशक के उत्तरार्ध और 2000 के दशक के बीच ब्रिटेन, फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड, इटली और जर्मनी जैसे पश्चिमी यूरोप के देशों में चरमपंथी समूहों की ओर से राजनीतिक हिंसा का विस्फोट देखा गया। हाल के वर्षों में, दुनिया ने यूनाइटेड किंगडम (यूके) में ब्रेक्सिट मुद्दे, संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) में ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन और 2020 और 2024 के अमरीकी चुनावों पर राजनीतिक हिंसा की घटनाएं देखी हैं। भारत जैसा दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र भी राजनीतिक हिंसा से कभी अलग नहीं रहा है। जहां तक देशी लोकतंत्र के राजनीतिक कटु सत्य का सवाल है तो भारत में लोकतांत्रिक शासन की जो प्रणाली विकसित हुई है, चाहे कोई माने या न माने, वह अब सेवा की बजाय सत्ता और शक्ति केंद्रित हो गई है। पश्चिम के विकसित देशों में जनप्रतिनिधि लोगों की सेवा करने के लिए चुने जाते हैं, जबकि भारत में लोगों पर शासन करने के लिए जनप्रतिनिधि चुने जाते हैं।

चुनाव जीतने पर मिलने वाली असीमित सत्ता और पैसा समूची राजनीतिक और चुनावी प्रक्रिया को किसी न किसी रूप में भ्रष्ट और हिंसक बना रहे हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार जैसे राज्यों में हिंसक राजनीतिक संघर्ष अक्सर देखने को मिलते हैं। लोकतंत्र की व्यवस्था कमाल की है। आज भी लोकतंत्र शासन व्यवस्था के उपलब्ध तरीकों में से एक बेहतर विकल्प माना जाता है, क्योंकि यह बुनियादी मानवीय मूल्यों के आधार पर पनपता है। लोकतंत्र का मतलब होता है जवाबदेही के साथ समाज के हित में समाज के साथ मिलकर निर्णय लेना और उन्हें लागू करना। वैसे तो देश चलाने के लिए कई तरह की व्यवस्थाओं के विकल्प मौजूद रहे हैं, लेकिन उन सबमें लोकतंत्र को सबसे बेहतर व्यवस्था माना गया है, क्योंकि इस व्यवस्था में अलग-अलग विचारों, मतों, परिस्थितियों को ध्यान में रख कर निर्णय लिए और लागू किए जाते हैं। यह केवल संख्याओं या बहुमत से चलने वाली व्यवस्था नहीं है। बहुमत के निर्णय को लागू करने से पहले यह देखना होता है कि व्यापक समाज के हित में क्या है? कहीं इससे अन्याय तो नहीं हो रहा है? कहीं किसी के साथ भेदभाव या शोषण तो नहीं हो रहा है? याद रहे कि लोकतंत्र में मूल्यों, उसूलों, मानकों का सबसे ज्यादा महत्व होता है। अगर बहुमत वाली व्यवस्था मूल्यों से भटक कर निर्णय लेने लगे, तो परिवार, समाज और देश को बहुत नुकसान पहुंचता है। लोकतांत्रिक समाज ज्यादा गहरा और स्थिर होता है। अगर कभी देश के ऊपर कोई संकट आता है, तब लोकतांत्रिक समाज इससे निपटने का काम केवल सरकार पर नहीं छोड़ देता है, बल्कि लोग खुद भी समाधान खोजने में जुट जाते हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा की मौजूदगी का एक बड़ा कारण संवादहीनता भी है। लोकतंत्र की पहली और सबसे बड़ी जरूरत संवाद है। यह एक ऐसा भावनात्मक तत्व होता है, जो लोगों को जोड़ता है। संवाद से ही एक-दूसरे के प्रति स्वीकार्यता पैदा होती है। जब भी लोकतंत्र को तोडऩा होता है, तब सबसे पहले संवाद को तोड़ा जाता है। कोई भी व्यक्ति जब अपना मत व्यक्त करता है, तब हिंसा से, डर से, भय से, दबाव से उसे अपना मत वापस लेने के लिए मजबूर किया जाता है।

यही राजनीतिक हिंसा का मूल तत्व होता है। आज अमरीकी लोकतंत्र को लेकर हमारी सोच सवालिया निशान लगा रही है। असल में डोनाल्ड ट्रंप पर हमला अमरीका में नफरत की बुनियाद पर बनाए जा रहे अमरीकी समाज की भयानक तस्वीर है। एक ताजा अमरीकन सर्वे में पाया गया कि 10 प्रतिशत लोग बल प्रयोग के जरिए भी ट्रंप को रास्ते से हटाने के पक्षधर हैं, तो 7 प्रतिशत ऐसे लोग भी हैं जो हर ताकत का इस्तेमाल कर ट्रंप को सत्ता में लाने के समर्थक हैं। यह रस्साकशी भी वहां राजनीतिक हिंसा के लिए एक कारक हो सकती है। शिकागो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप, जो शिकागो प्रोजेक्ट ऑन सिक्योरिटी एंड थ्रेट्स के डायरेक्टर भी हैं, ने नेशनल सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि 10 प्रतिशत अमरीकी वयस्क नागरिक, जिनमें से एक-तिहाई के पास बंदूकें हैं, वो इस बात से सहमत हैं कि 'डोनाल्ड ट्रम्प को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए बल का प्रयोग उचित है।' लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा की मौजूदगी किसी भी शासकीय व्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। भारत में हो रही पॉलिटिकल किलिंग्स की संख्या चिंताजनक है। देश में 2017 से 2019 के बीच, यानी महज दो साल के भीतर करीब 230 हत्याएं राजनीतिक कारणों से हुईं। इनमें सबसे अधिक 49 हत्याएं झारखंड में हुईं। इसके बाद 27 हत्याएं पश्चिम बंगाल में हुईं और 26 हत्याएं बिहार में हुईं। ये आंकड़े सरकार ने लोकसभा में रखे थे। केरल में भी राजनीतिक हत्याओं के खूब मामले सामने आए हैं। 2006 से 2021 के बीच 125 पॉलिटिकल मर्डर हुए। इनमें से 30 मर्डर तो 2016 से 2021 के बीच ही हो गए। पश्चिम बंगाल में भी बीते कई सालों से स्थिति चिंताजनक है। पूरे विश्व में राजनीतिक हिंसा को रोकने के लिए राजनेताओं को आगे आना होगा। मीडिया की शिक्षा में 'टू स्टेप फलो मॉडल' नाम की थ्योरी पढ़ाई जाती है। इस थ्योरी में कहा गया है, 'मास मीडिया के मुकाबले लोग ओपिनियन लीडर्स (नेता) की बातों से प्रभावित होते हैं।' इसलिए राजनीतिक हिंसा को रोकने के लिए यह भी कहना जरूरी है कि विश्व के समस्त राजनेता संयम के साथ शब्दों का इस्तेमाल करें। राजनीतिक हिंसा के व्यक्तियों, समुदायों और समाजों पर दूरगामी परिणाम होते हैं।

अमरीका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है और कहा कि राजनीति और लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा का उमड़ता प्रभाव पूरे विश्व के लिए चिंताजनक है। आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के एक पेपर के मुताबिक लोकतंत्र और हिंसा का अपवित्र और गहन संबंध है।

दृष्टि कोण

जब करगिल जंग में बेनकाब हुआ पाकिस्तान...

करगिल के महाज पर आग उगलने में कुख्यात बोफोर्स तोपों की शदीद बमबारी तथा भारतीय सेना द्वारा पाक सेना की बेरहमी से हलाकत से पाकिस्तान की 'नार्दर्न लाइट इन्फैंट्री' का वजूद लगभग खल्लास होने वाला था। उस वक्त पाक जरनैलों ने अपनी आबरू बचाने के लिए वजीरे आजम नवाज शरीफ को अमन का पैरोकार बनाकर अमरीका, ब्रिटेन, चीन व तुर्की जैसे मुल्कों की कदमबोसी करने पर मजबूर कर दिया था। परंतु कारगिल घुसपैठ में किसी भी मुल्क ने पाकिस्तान की हिमायत नहीं की थी। बैरूने मुल्कों से बेआबरू होकर लौटे नवाज शरीफ ने 12 जुलाई 1999 को पाकिस्तान की आवाम से खिताब किया और फरमाया कि 'हम कब तक अपने बच्चों का मुस्तकबिल बेचकर तोपों के गोले बनाते रहेंगे'। मगर दौरान-ए-तकरीर में नवाज शरीफ ने अपनी आवाम को कारगिल मंसूबे की हकीकत से महरूम रखा। कारगिल की जंग में जांवाहक हो रहे पाक सैनिकों को मुजाहीद्दीन करार दे दिया था। कारगिल जंग की हकीकत तथा अपनी नाकामी को छुपाने के लिए परवेज मुशर्रफ ने 12 अक्तूबर 1999 को तख्तापलट को अंजाम देकर पाकिस्तान में फौजी हुकूमत नाफिज कर दी। सेना के आगे नवाज शरीफ ने इक्तदार से अलग होने में ही आफियत समझी। कारगिल में पाक सेना की घुसपैठ करवाकर भारत को दहलाने के मंसूबे के सूत्रधार परवेज मुशर्रफ फरवरी 2023 को कश्मीर हथियाने की अधूरी ख्वाहिश के साथ इस दुनिया से रुखसत हो गए। मरहूम सिपाहसालार के लिए सुखद एहसास यह रहा कि इंतकाल के बाद उनकी मय्यत को पाकिस्तान का कब्रिस्तान नसीब हो गया, मगर जरनैल रहते जिन पाक सैनिकों को कारगिल जंग की आग में झोंक दिया था, वो बदनसीब थे, जिनकी मय्यत को न उनके वतन की मिट्टी नसीब हुई और न ही ताबूतों पर पाकिस्तान का परचम चस्पां हुआ। परवेज मुशर्रफ, अजीज खान, महमूद अहमद व जावेद हसन चारों पाक जरनैल कारगिल के मंसूबे को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम देने वाले प्रमुख चेहरे थे। एलओसी पर घुसपैठ की जिम्मेदारी 'स्पेशल आपरेशन डिवीजन' के सरवराह मेजर जनरल 'अशरफ रशीद' को दी गई थी। कारगिल जंग में पाक सैनिकों की दर्दनाक हलाकत व शर्मनाक शिकस्त से जलील होकर घुसपैठ के अहम किरदार अशरफ रशीद ने सितंबर 1999 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। कारगिल जंग में हलाक हुए पाक सैनिकों की लाशें उठाने का जिम्मा '12 एनएलआई' के कर्नल 'खालिद नजीर' व फ्रंटियर फोर्स के कर्नल 'मुस्तफा' को सौंपा गया था। परंतु जंग में पाक फौज के किरदार पर पर्दा डालने के लिए हलाक हुए पाक सैनिकों की लाशें बरामद करने में पाकिस्तान ने शिद्दत नहीं दिखाई। उन मरहूम पाक सैनिकों के परिवारजन आज भी इंतजार में हैं, लेकिन अपनी जान का नजराना पेश करने वाले दुश्मन सैनिकों को भारतीय सेना ने मैदाने जंग में खिराज-ए-अकीदत पेश करके आदमियत की मिसाल कायम की थी। 29 मई 1999 को कारगिल क्षेत्र में भारतीय सेना के जोरदार हमले में अपने पूरे सैन्य दल के साथ हलाक हुए 'तीन एनएलआई' के कैप्टन 'इनाम उल्लाह' 'तगमा-ए-बसालत' को पाक सेना ने कारगिल जंग में अपना प्रथम शहीद सैन्य अफसर माना था। भारतीय सेना ने इनाम उल्लाह की लाश के अवशेष पाकिस्तान को लौटाए थे। नौ जून 1999 को भारतीय सेना ने कैप्टन 'फरहत हसीब' 'सितारा-ए-जुर्रत' को उसके सैन्य दस्ते के साथ हलाक करके कारगिल के मोर्चे पर ही दफन कर दिया था। 27 जून 1999 को सेना की 'राजपूत रेजिमेंट' ने 'तुर्तुक सेक्टर' में बिलाल पोस्ट पर हमला करके कैप्टन 'तैमूर मलिक' सहित ग्यारह पाक सैनिकों को हलाक कर दिया था। तैमूर का शव प्राप्त करने के लिए उसके परिजनों ने ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग के माध्यम से सिफारिश की थी। शहादत के कई दिनों बाद भारतीय सेना ने तैमूर मलिक 'तगमा-ए-बसालत' का शव पाकिस्तान को सौंपा, तो पाक सेना के तर्जुमान तौकिर जिया ने भारतीय सेना का शुक्रिया अदा किया था। चार जुलाई 1999 को टाइगर हिल के मोर्चे पर कैप्टन अम्मार हुसैन, मेजर अरशद हाशिम व दर्जनों पाक सैनिकों को हलाक करके भारतीय सेना ने वहीं सपुर्द-खाक करके तहज्जुद की नमाज अदा कर दी थी। अम्मार हुसैन के परिवार को सांत्वना देने के लिए पाक सेना ने 'सितारा-ए-जुर्रत' से सरफराज करके रावलपिंडी के चकलाला चौक का नाम 'अम्मार हुसैन चौक' रख दिया है। टाइगर हिल पर ही मारे गए कैप्टन 'करनल शेर खान' का शव भारतीय सेना ने पूरी अकीदत से पाकिस्तान को सौंपा था। 18 जुलाई 1999 को शेर खान की मय्यत जब कराची एयरपोर्ट पर पहुंची तो कराची के कोर कमांडर 'मुजफ्फर उस्मानी' ने शेर खान के ताबूत को खुद कंधा दिया। भारतीय सेना के ब्रिगेडियर 'मोहिंद्र प्रताप सिंह बाजवा' की सिफारिश पर पाक ने शहीद करनल शेर खान को अपने आलातरीन सैन्य एजाज 'निशान-ए-हैदर' से नवाजा था। सैकड़ों पाक सैनिकों को मौत के मुंह में धकेलने के बावजूद पाक सेना कारगिल घुसपैठ में अपने किरदार को नकारती रही है। लेकिन नसीम जेहरा जैसे पाकिस्तान के कई सहाफियों व शाहिद अजीज जैसे पाक जरनैलों ने कारगिल साजिश में मुल्लविश पाक फौज को अपनी किताबों में तफसील से बेनकाब किया है।

कुछ अलग

फर्जी सर्टिफिकेट भंडार

क्षमा कीजिएगा, बुरा लगे तो! पर हर योग्य से अयोग्य जीव आज सरकारी क्षेत्र में जाने को हाथ पांव न होने के बाद भी दिनरात हाथ पांव मार रहा है। क्योंकि गधे से भी गधे का मानना है कि यह करियर मरने के बाद भी परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है। यह करिअर हाथ पर टांग धरे खाने कमाने के असीम से असीम अवसर देता है। और जो पद जमकर खाने कमाने वाला मिल जाए तो पांचों उंगलियां घी में और सिर कड़ाही में। सरकारी क्षेत्र में इन्हीं नौकरी पाने वाले अयोग्यों को खानापूर्ति के लिए कुछ एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया पूरा करने के साथ कुछ अनावश्यक दस्तावेज सबमिट करने ही पड़ते हैं ताकि चयन में पारदर्शिता दिखती रहे। हालांकि एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया हर जीव के लिए अलग-अलग होता है। मसलन, जो कोई नेता जी के सपोर्टर का कैंडिडेट है तो उसके लिए क्राइटेरिया अलग, जो नेता जी का कैंडिडेट है तो उसके लिए क्राइटेरिया अलग और अगर जो कोई केवल और केवल कैंडिडेट है तो उसके लिए तो क्राइटेरिया बिल्कुल ही अलग। जब फर्जी को समाज में हर जगह जमकर मान्यता मिल रही है तो ऐसे में सरकारी नौकरी वैधानिक, सवैंधानिक फर्जी सर्टिफिकेटों से पाने के इच्छुकों को यह सूचना देते हुए हमें प्रसन्नता नहीं, हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि हमने सरकारी नौकरियों में फर्जी सर्टिफिकेटों की महत्ता को ध्यान में रखते हुए हर राज्य में अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए अपना गुणवत्तापूर्ण प्रामाणिक फर्जी सर्टिफिकेट भंडार खोल दिया है जहां से वाजिब दामों में सर्वसाधारण को भी फर्जी सर्टिफिकेट उपलब्ध हो सकेंगे ताकि आने वाले समय में असली सर्टिफिकेटों को दो हजार के नोटों को जनहित में चलन से बाहर किया जा सके। हमारे इस फर्जी सर्टिफिकेट भंडार से कम पैसे वाले भी सरकारी नौकरी पाने के लिए किसी भी तरह का अपनी जरूरत के हिसाब से फर्जी सर्टिफिकेट खरीद सकते हैं। स्मरण रहे, हम फर्जी सर्टिफिकेट खरीदने वालों को लोन की सुविधा भी उपलब्ध करवाते हैं। हे फर्जी सर्टिफिकेटों के जागरूक उपभोक्ताओ! समाज में आज कुछ भी असली नहीं, समाज में सब फर्जी है। अगर असली कुछ है भी तो उसे पूछता ही कौन है? यहां देशभक्ति से लेकर मातृभक्ति तक सब फर्जी है। यहां राइटर फर्जी। यहां फाइटर फर्जी है। यहां संबंध फर्जी है। संबंधों की सुगंध फर्जी है। यहां सद्कर्म फर्जी है। यहां धर्म फर्जी है। यहां नेता फर्जी है। यहां वोटर फर्जी है। यहां सपोर्टर फर्जी है। यहां पोर्टर फर्जी है। यहां ड्राइवर फर्जी है। यहां मोटर फर्जी है। यहां जन सेवा फर्जी है। यहां नंगों को कपड़े सिलने वाला दर्जी फर्जी है। सरकारी नौकरी पा रिटायरमेंट के बाद भी मजे करने वाले अयोग्यों के लिए हमारे प्रामाणिक भंडार में हर किस्म के असली को भी कदम कदम पर मात देने वाले फर्जी सर्टिफिकेट चौबीसों घंटे ऑनलाइन, ऑफलाइन हर समय उपलब्ध हैं। हम अपने असली को भी मात देने वाले फर्जी सर्टिफिकेटों को लेकर सौ नहीं, एक सौ एक प्रतिशत आश्वस्त हैं कि हमारे फर्जी फर्जी सर्टिफिकेटों को ये वे तो ये वे, भगवान भी चैलेंज नहीं कर सकते। हमारे पास आईएएस से लेकर पीउन तक की सरकारी नौकरी पाने के लिए जिन जिन सर्टिफिकेटों की जरूरत पड़ती है, वे सब सहज उपलब्ध हैं। इन्हें उन्हीं हूबहू उन जैसे अधिकारियों द्वारा सत्यापित किया गया है जिन्हें उन्हें असल में किया जाना चाहिए। शहर के सौ सालों से मशहूर शर्मा मिष्ठान भंडार की मिठाइयां खाकर भले ही शहर के हर दूसरे बंदे को शूगर हो रही हो तो होती रहे, पर क्या मजाल जो किसी एक पर भी हमारे फर्जी प्रामाणिक सर्टिफिकेट भंडार से फर्जी सर्टिफिकेट दिखाकर सरकारी नौकरी पाने वाले किसी कर्मचारी पर उसके मरने के बाद भी केस चले।

देश दुनिया से

भारत में तेजी से हो रहा है वित्तीय समावेशन

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग, निवेश, बीमा, डाक एवं पेन्शन क्षेत्र के हितधारकों को शामिल करते हुए वित्तीय समावेशन सूचकांक विकसित किया है। दरअसल, भारत में विभिन्न क्षेत्रों में हो रही अतुलनीय प्रगति को दर्शाने के लिए अब अपने सूचकांक विकसित करने की आवश्यकता महसूस की जाने लगी है क्योंकि वैश्विक स्तर पर वित्तीय एवं आर्थिक क्षेत्र में कार्यरत विदेशी संस्थानों द्वारा विकसित किए गए सूचकांकों के आधार पर किए जाने वाले सर्वे में तो विभिन्न क्षेत्रों में भारत की प्रभावशाली प्रगति की सही तस्वीर पेश नहीं की जा रही है। इन सूचकांकों के आधार पर किए गए कई सर्वे में तो आश्चर्यजनक परिणाम दिखाई देते हैं। जैसे, एक सर्वे में भुखमरी के क्षेत्र में भारत की स्थिति को अफ्रीकी देशों, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, बंगलादेश से भी बदतर बताया गया था। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किए गए वित्तीय समावेशन सूचकांक के आधार पर मार्च 2024 के परिणाम हाल ही में जारी किए गए हैं। इन परिणामों के अनुसार, भारत में वित्तीय समावेशन मार्च 2017 में 43.4, मार्च 2021 में 53.9 एवं मार्च 2023 में 60.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 प्रतिशत हो गया है। यह सूचकांक भारत में वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में हुई अतुलनीय एवं स्थिर प्रगति को दर्शाता है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन के विभिन्न आयामों (नागरिकों की वित्तीय संस्थानों पर बढ़ती पहुंच, वित्तीय उत्पादों का बढ़ता उपयोग एवं वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता) पर देश में वित्तीय समावेशन के संदर्भ में जानकारी को 0 से 100 तक के मान में बताता है। यदि मान कम है तो देश में वित्तीय समावेशन भी कम है और इसके विपरीत यदि मान अधिक है तो देश में वित्तीय समावेशन भी अधिक है। भारत में यह मान मार्च 2024 में बढ़कर 64.2 प्रतिशत हो गया है। उक्त वर्णित तीन आयामों में कई पैरामीटर शामिल हैं, इनका मूल्यांकन 97 संकेतकों के आधार पर किया जाता है। इस कार्यप्रणाली के कारण ही भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विकसित किया गया यह सूचकांक वित्तीय समावेशन का एक व्यापक संकेतक बन गया है। वित्तीय समावेशन सूचकांक प्रत्येक वर्ष के जुलाई माह में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किया जाता है। किसी भी देश में वित्तीय समावेशन के बढ़ने का आशय यह है कि उस देश के नागरिकों की उस देश के बैंकिंग संस्थानों तक पहुंच बढ़ रही है और यह उस देश की अर्थव्यवस्था के औपचारीकरण में मुख्य भूमिका निभाता है। वर्ष 2014 में भारत में प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू किया गया था और इस योजना के अंतर्गत विभिन्न बैंकों में गरीब वर्ग के जमा खाते खोलकर उन्हें वित्तीय समावेशन का हिस्सा बना लिया गया था। आज प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 52 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं एवं इन जमा खातों में लगभग 2.35 लाख करोड़ रुपए की राशि जमा है। केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में प्रधानमंत्री जनधन योजना पूर्ण रूप से सफल रही है और भारत में वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जाने में भी सहायक रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खोले गए जमा खातों को भारत की विशिष्ट पहचान प्रणाली (आधार कार्ड) से जोड़कर, केंद्र सरकार ने देश में वित्तीय लेन देन प्रणाली को सुव्यवस्थित कर लिया है एवं बैंकिंग व्यवहारों में धोखाधड़ी की सम्भावना को कम करने में भी सफलता अर्जित की है। आज भारत की प्रधानमंत्री जनधन योजना को पूरे विश्व में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन योजना के रूप में पहिचान मिली है। देश में प्रधानमंत्री जनधन योजना को आज भी वित्तीय समावेशन के मुख्य उपकरण के रूप में माना जा रहा है और इस योजना के अंतर्गत देश के नागरिकों के खाते विभिन्न बैंकों में उसी उत्साह से लगातार खोले जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में भी भारत के विभिन्न बैंकों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत लगभग 3.3 करोड़ नए जमा खाते खोले गए हैं इससे इस योजना के अंतर्गत खोले गए कुल खातों की संख्या बढ़कर 51.95 करोड़ हो गई है एवं इन जमा खातों में 234,997 करोड़ रुपए की राशि जमा हो गई है।

केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा देश के गरीब वर्ग को दी जाने वाली सहायता/प्रोत्साहन राशि को भी इन खातों में आज सीधे ही जमा कर दिया जाता है, इसे प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के रूप में भी जाना जाता है, जिससे इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार लगभग समाप्त हो गया है क्योंकि इससे अंततः लीकेज कम हुए है और यह सुनिश्चित हुआ है कि योजनाओं का लाभ अंतिम लाभार्थी तक सीधे ही पहुंचे। प्रधानमंत्री जनधन योजना को लागू करने का मुख्य उद्देश्य भारत के दूर दराज के इलाकों में निवासरत नागरिकों को बैंकिंग, बचत और जमा खाते, राशि हस्तांतरण, ऋण, बीमा और पेंशन जैसी वित्तीय सेवाओं को उपलब्ध कराना था।

आप का नजरिया

अब संघ वर्जित नहीं

अब सरकारी कर्मचारी भी आरएसएस के सदस्य बन सकेंगे। अभी तक इस पर पाबंदी थी। 30 नवंबर, 1966 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी को एक ही श्रेणी में रखकर पाबंदी लगाई थी। यानी इतना कट्टरपंथी और सांप्रदायिक हिंसावादी करार दिया गया था। ऐसे ही ऑफिस मेमोरेंडम (एमओ) 1970 और 1980 में भी जारी किए गए थे। तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ही थीं। करीब 58 साल के बाद इन एमओ की समीक्षा की गई और आरएसएस का नाम हटा दिया गया। संघ पर से पाबंदी हटा दी गई। नतीजतन किसी भी स्तर का सरकारी कर्मचारी अब घोषित तौर पर संघ का सदस्य बन सकता है। सार्वजनिक रूप से संघ की शाखाओं में भी शामिल हो सकेंगे। संघ के समारोहों और अभियानों में भी शिरकत कर सकेंगे। संघ पर पाबंदी नहीं रही, लेकिन संघ की सोच और विचारधारा के सरकारी कर्मचारी छिप-छिप कर शाखाओं में तो जाते थे। ऐसा हमारा पुराना अनुभव रहा है। संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वैच्छिक राष्ट्रवादी, सामाजिक संगठन है, जिसके 5.85 लाख सदस्य बताए जाते हैं। देश भर में संघ की 60,000 से अधिक शाखाएं हररोज लगती हैं। संघ राष्ट्रवादी, हिंदूवादी है, लेकिन अतिवादी नहीं हो सकता। यह एहसास देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार पटेल को हुआ, जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में आरएसएस पर पाबंदी थोप दी थी। 1948 में पाबंदी और 1949 में पश्चाताप... नतीजतन पाबंदी हटा ली गई। ऐसा ही एहसास तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को हुआ, जिन्होंने भारत-चीन युद्ध के बाद पहले गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी के राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर संघ को आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में पूरे देश को आपातकाल में झोंक दिया था, लिहाजा संघ कैसे बच सकता था? वह पाबंदी 1977 में जनता पार्टी की सरकार के दौरान हटाई गई। 1992 में अयोध्या विवाद की हिंसा के मद्देनजर तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने भी संघ पर पाबंदी चस्पा की, लेकिन 4 जून, 1993 को उसे वापस भी ले लिया। आरएसएस पर प्रतिबंध लगते रहे हैं और उसे अतिवादी, उग्रवादी भी समझा जाता रहा है, लेकिन उसका राष्ट्रवाद कइयों की समझ से परे है। संघ सनातनवादी सोच का भी है, लेकिन मुसलमान को भी एक ही डीएनए की प्रजाति मानता है, लिहाजा वह तिरस्कृत नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल सत्ता में रहने के बाद संघ की वर्जनाओं को समाप्त किया है, सरकारी कर्मचारियों के प्रवेश के रास्ते खोले हैं, लिहाजा इस निर्णय पर भी सवाल किए जा रहे हैं। संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं। नाराज संघ को मनाने की कोशिश बताया जा रहा है। कांग्रेस समेत विपक्ष ने इस निर्णय को 'संविधान के खिलाफ' करार दिया है और सरकारी दफ्तरों, संस्थानों पर संघ के कब्जे की परोक्ष कोशिश माना है। आरएसएस का मानना है कि नया फैसला और पाबंदियों से मुक्ति भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ही मजबूत करेगी। संघ की स्थापना 1925 में की गई थी, लिहाजा यह संघ का शताब्दी-वर्ष है। इतने लंबे दौर में संघ ने खुद को जिंदा और प्रासंगिक रखा है, यह संघ का अनुशासन और संगठन ही है।

आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला, लाओस में बोले जयशंकर

वियनतियाने (लाओस) , 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के साथ मिलकर भारत के राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि आसियान भारत की एक्ट ईस्ट नीति और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है। बता दें, फिलहाल जयशंकर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) की बैठकों में भाग लेने के लिए लाओस की राजधानी में मौजूद हैं। उन्होंने आसियान-भारत के विदेश मंत्रियों की बैठक में कहा कि आसियान के साथ मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग देश की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह है प्राथमिकता उन्होंने आगे कहा, देश के लिए, आसियान उसकी एक्ट इंडिया नीति और उसके हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण की आधारशिला है, जो उसके बाद इसी पर आधारित है। आसियान के साथ मौजूदा राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग सबसे पहली प्राथमिकता है। साथ ही लोगों के बीच संपर्क भी बना हुआ है, जिसे हम लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। हर दिन नया आयाम हासिल कर रहे उन्होंने कहा कि यह उत्साहजनक है कि भारत-आसियान साझेदारी हर दिन नया आयाम हासिल कर रही है। जयशंकर की यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा था कि लाओस की यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष भारत की एक्ट ईस्ट नीति का एक दशक पूरा हो रहा है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में नौवें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में की थी। यह है आसियान के सदस्य आसियान के 10 सदस्य देश इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड, ब्रुनेई, वियतनाम, लाओस, म्यांमार और कंबोडिया हैं। जयशंकर ने न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की और शिक्षा, कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशांत द्वीप समूह और क्रिकेट पर चर्चा की। क्या है एक्ट ईस्ट नीति भारत की 'लुक ईस्ट' नीति 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने शुरू की थी, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में 'एक्ट ईस्ट' नीति में बदल दिया। इसके तहत भारत ने एशिया के दूसरे देशों में आर्थिक विकास के अवसर खोजने पर जोर दिया।

दक्षिण एशियाई देशों जैसे थाइलैंड, वियतनाम, म्यांमार, वियतनाम, सिंगापुर, फिलीपिंस और कंबोडिया जैसे देशों के साथ संबंध प्रगाढ़ करने की इस नीति को चीन के साथ संतुलन बनाए रखने की नीति के तौर पर भी देखा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

जंगल की आग ने कनाडा के पर्यटक शहर को किया तबाह, इलाके की लगभग 50 फीसदी इमारतें बर्बाद

ओटावा। पश्चिमी कनाडा के पर्यटक शहर जैस्पर भीषण जंगल की आग के कारण तबाह हो गए। अधिकारियों ने बताया कि इससे 50 प्रतिशत से अधिक इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। हालांकि अग्निशमन विभाग के कर्मचारी ज्यादा से ज्यादा इमारतों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जैस्पर अल्बर्टा क्षेत्र में पहाड़ी नेशनल पार्क के बीच में स्थित है। यहां शहर और पार्क में हर साल 2 मिलियन से अधिक पर्यटक आते हैं। सोमवार को इस क्षेत्र को आनन-फानन में खाली करा दिया गया। अधिकारियों का मानना है कि शहर में 10,000 लोग और पार्क में 15,000 से ज्यादा पर्यटक मौजूद थे। दरअसल वर्तमान में अल्बर्टा में 176 जंगल में आग लगी हुई है, जिनमें से 50 से ज्यादा पर काबू नहीं किया जा सका है। इनमें से लगभग 10 आग ब्रिटिश कोलंबिया की सीमा के नजदीक हैं। जहां 423 जंगल में आग लगी हुई है, दर्जनों लोगों को निकालने के आदेश और अलर्ट जारी किए गए हैं। प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने अल्बर्टा के जंगलों में लगी आग पर चर्चा करने के लिए घटना प्रतिक्रिया समूह की बैठक बुलाई। संघीय सरकार ने अप्रैल में बताया था कि उच्च तापमान और सूखे जंगलों के कारण यह वर्ष कनाडा में वन्य आग के लिए विनाशकारी हो सकता है। वहीं पार्क्स कनाडा के अनुसार तो जैस्पर में आग बिजली गिरने तथा तेज हवाओं के कारण लगी थी। अल्बर्टा के सार्वजनिक सुरक्षा और आपातकालीन सेवा मंत्री माइक एलिस ने बताया कि आग की लपटें 100 मीटर ऊंची थीं। वहीं तेज हवा के झौंकों ने आग को 30 मिनट से भी कम समय में 5 किमी तक फैला दिया था। मेयर रिचर्ड आयरलैंड ने बताया कि शहर अब आग के प्रभाव से निपटने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, कल रात की जंगली आग ने हमारे छोटे से एकजुट पर्वतीय समुदाय को तबाह कर दिया है। हमारे लोगों को जो क्षति पहुंची, उसको बयां नहीं किया जा सकता। बचावकर्मियों के लिए चिंता यह है कि क्या आग से ट्रांस माउंटेन तेल पाइपलाइन को नुकसान पहुंच सकता है, जो एडमोंटन से वैंकूवर तक रोजाना 890,000 बैरल तेल ले जा सकती है। पाइपलाइन ऑपरेटर ट्रांस माउंटेन ने बताया इस समय हमारे बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने का कोई संकेत नहीं है। पाइपलाइनें सुरक्षित रूप से काम कर रही हैं।

पीटीआई नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक करेंगे देशभर में प्रदर्शन, महंगाई को लेकर धरने पर बैठने की तैयारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख इमरान खान तहरीक-ए-इंसाफ और पार्टी के नेताओं की रिहाई के लिए समर्थक देशभर में विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। इसे देखते हुए पाकिस्तान के अधिकारियों ने समर्थकों से निपटने की तैयारी कर ली। पीटीआई के अलावा जमात-ए-इस्लामी ने बिजली और अन्य वस्तुओं बढ़ती उच्च लागत को लेकर इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने की घोषणा की। पीटीआई समर्थक 71 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पीटीआई के अन्य नेताओं की रिहाई के लिए प्रदर्शन करेंगे। पिछले साल इमरान कान की हुई थी गिरफ्तारी पाकिस्तान चुनाव आयोग द्वारा दायर पहले तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान खान को पांच अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को जमानत दे दी गई थी, लेकिन उन्हें रिहा नहीं किया गया। पीटीआई के अनुसार, समर्थक इस्लामाबाद के नेशनल प्रेस क्लब के सामने प्रदर्शन करेंगे और जमात-ए-इस्लामी संसद भवन के सामने प्रसिद्ध एफ चौक पर धरना देने की योजना बनाई है।

त्वचा के रंग और लिंग को लेकर कमला हैरिस पर हमला करना सही नहीं निक्की हेली की नसीहत

वॉशिंगटन । रिपब्लिकन पार्टी की वरिष्ठ नेता निक्की हेली ने अपनी पार्टी के नेताओं को नसीहत दी है कि उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के त्वचा के रंग और उनके लिंग के आधार पर उन पर हमले करना सही नहीं है। निक्की हेली ने कहा कि निजी हमलों के बजाय कमला हैरिस को नीतियों के मुद्दे पर घेरा जाना चाहिए। निक्की हेली ने कहा कि कमला हैरिस पर निजी हमलों से मदद नहीं मिलेगी। हम एक उदारवादी सीनेटर के बारे में बात कर रहे हैं, जिन्होंने बहुत कुछ नहीं किया है। आपको इस बारे में बात करने की जरूरत नहीं है कि वह कैसी दिखती हैं या उनका लिंग क्या है। अमेरिकी लोग कहीं ज्यादा समझदार हैं। कमला हैरिस फलस्तीन के समर्थन में हो रहे विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करती हैं।

जेडी वैंस ने कमला हैरिस को कहा नि:संतान बिल्ली, बच्चे न होने पर उठाए सवाल, सोशल मीडिया पर हुआ हंगामा

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में नवंबर में होने वाले चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जेडी वैंस अपनी एक टिप्पणी को लेकर विवादों में फंस गए हैं। दरअसल जेडी वैंस ने डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस समेत डेमोक्रेट पार्टी की कई अन्य महिला नेताओं को निसंतान बिल्ली महिला बता दिया, जिस पर विवाद हो गया है। सोशल मीडिया पर यूजर्स वैंस के बयान को लैंगिक भेदभाव और रिपब्लिकन मानसिकता बता रहे हैं, जिसका आधुनिक युग में कोई स्थान नहीं है।

जेडी वैंस की किस टिप्पणी पर हुआ विवाद - उल्लेखनीय है कि जेडी वैंस का यह पुराना बयान है और साल 2021 में एक टीवी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने यह बयान दिया था। अब जेडी वैंस के बयान की वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल है और लोग इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जेडी वैंस ने अपने बयान में कहा कि जो लोग संतान पैदा नहीं करते हैं, खास तौर पर निसंतान बिल्लियां, वे दुखी हैं और देश में उनकी कोई सीधी हिस्सेदारी नहीं है। वैंस साल 2021 में ओहायो स्टेट से अमेरिकी सीनेट के उम्मीदवार थे। जेडी वैंस ने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका को निसंतान महिलाओं के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, जो अपने जीवन, और अपने द्वारा चुने गए विकल्पों से दुखी हैं, इसलिए वे देश के बाकी हिस्सों को भी दुखी बनाना चाहते हैं। जेडी वैंस ने कहा कि यह एक बुनियादी तथ्य है- आप कमला हैरिस, पीट बुटिगेग आदि को देखें तो पता चलता है कि डेमोक्रेट पार्टी का पूरा भविष्य निसंतान लोगों के हाथ में ही है। ऐसे में हम अपने देश को उन लोगों के हाथ में कैसे सौंप सकते हैं, जिनकी इस देश में सीधे हिस्सेदारी ही नहीं है। बता दें कि कमला हैरिस की तरह ही बुटिगेग भी निसंतान हैं, लेकिन जिस साल जेडी वैंस ने यह बयान दिया था, उसी साल बुटिगेग ने दो बच्चों को गोद लिया था। वहीं कमला हैरिस के भी दो सौतेल बच्चे हैं, जो उनके पति की पहली पत्नी की संतान हैं।

जेडी वैंस की हो रही आलोचना - जो बाइडन के नाम वापस लेने के बाद कमला हैरिस डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं। अगर वह डोनाल्ड ट्रंप को हराकर अमेरिका की राष्ट्रपति चुनी जाती हैं तो यह पहली बार होगा कि अमेरिका में एक महिला और एक अफ्रीकी-एशियाई मूल की महिला वहां की राष्ट्रपति बनेगी। जेडी वैंस के बयान पर मशहूर अभिनेत्री जेनिफर एनिस्टन ने भी नाराजगी जताई और एक पोस्ट में लिखा कि जेडी वैंस पर निशाना साधा। सोशल मीडिया पर भी कई यूजर्स ने वैंस के बयान पर नाराजगी जताई।

गाजा की मानवीय आपदा पर मैं चुप नहीं रहूंगी, नेतन्याहू से मुलाकात के बाद कमला हैरिस ने दिए अहम संकेत

वॉशिंगटन । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, लेकिन वह ये कैसे करता है, यह मायने रखता है। उन्होंने गाजा में मानवीय आपदा पर चिंता जाहिर की, जिसमें बड़ी संख्या में आम नागरिकों की मौत हो रही है। कमला हैरिस ने साफ कहा कि गाजा में लोगों की परेशानियों से वह मुंह नहीं फेर सकतीं। हमास एक क्रूर आतंकी संगठन कमला हैरिस ने कहा कि मैंने यह कई बार कहा है, लेकिन इसे दोहराना जरूरी है। इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है, लेकिन वह ये कैसे करता है, यह मायने रखता है। हमास एक क्रूर आतंकवादी संगठन है। 7 अक्टूबर को हमास ने 44 अमेरिकियों सहित 1,200 निर्दोष लोगों की हत्या करके इस युद्ध की शुरुआत की। हमास ने यौन हिंसा की और 250 लोगों को बंधक बनाया, जिनमें अमेरिकी नागरिक भी शामिल हैं। गाजा में अभी भी अमेरिकी नागरिक बंधक हैं। 50 लाख लोग भुखमरी के कगार पर नेतन्याहू के साथ अपनी बैठक को लेकर कमला हैरिस ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ गाजा में आम नागरिकों की मौतों पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। हैरिस ने कहा कि मैंने वहां की भयावह मानवीय स्थिति के बारे में अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। 20 लाख से ज्यादा लोग गंभीर खाद्यान्न संकट का सामना कर रहे हैं, और पचास लाख लोग भुखमरी के कगार पर हैं। पिछले नौ महीनों में गाजा में जो कुछ हुआ है, वह विनाशकारी है। कमला हैरिस ने कहा कि मृत बच्चों और हताश, भूखे लोगों की तस्वीरें, जो सुरक्षा के लिए इधर से उधर भाग रहे हैं, लोगों को कभी-कभी दूसरी, तीसरी या चौथी बार विस्थापित होना पड़ रहा है। हम इन त्रासदियों के सामने आंखें नहीं फेर सकते और मैं इसे लेकर चुप नहीं रहूंगी। युद्ध विराम के समझौते पर चल रही बातचीत हैरिस ने कहा कि युद्ध विराम और बंधक समझौते के लिए एक समझौता हुआ है।

साझा लोकतांत्रिक मूल्य भारत मालदीव के विशेष संबंधों का आधार भारतीय उच्चायोग का बयान

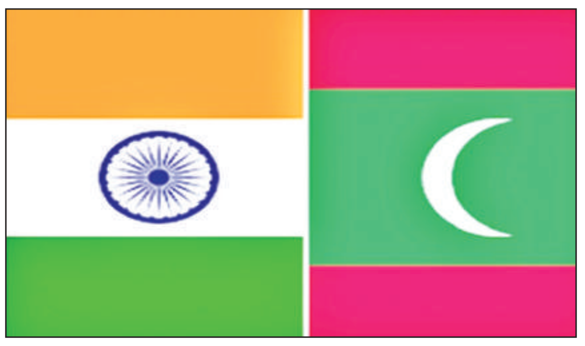

माले, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय उच्चायोग ने कहा कि भारत और मालदीव के विशेष संबंधों का आधार दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्य हैं। मालदीव के साथ भारत संसदीय संबंधों को भी मजबूत करना चाहता हूं। भारतीय उच्चायुक्त मुनु महावर ने मालदीव संसद के स्पीकर अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने मुलाकात के दौरान भारत और मालदीव के संबंधों को मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इससे पहले महावर ने मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय सहयोग की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान दोनों देशों ने हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और स्थिरता के साथ काम करने पर सहमति जताई थी।

पिछले साल नवंबर में मालदीव में चीन की तरफ झुकाव वाले मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत-मालदीव के बीच तनाव हो गया था। इस दौरान मुइज्जू ने भारत से विमान प्लेटफार्म का संचालन करने वाले 90 भारतीय सैनिकों को वापस लेने के लिए कहा था। इसके बाद 10 मई को भारत ने अपने सैनिकों को वापस बुला लिया था। इसके बदले भारत ने मालदीव को डोर्नियर एयरलाइन और दो हेलीकॉप्टर समेत कुछ नागरिक कर्मी भेजे थे। बता दें कि मालदीव के राष्ट्रपति ने हाल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था।

भारत ने की मालदीव के बजट में की कटौती

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल के 770 करोड़ रुपये के मुकाबले इस साल मालदीव के विकास सहायता मद में सिर्फ 400 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। यह पिछली बार के मुकाबले सिर्फ 52 फीसदी है यानी मालदीव की मदद में 48 फीसदी कटौती कर दी गई। मालदीव और भारत के बीच राजनयिक संबंध इस साल जनवरी की शुरुआत में तनावपूर्ण हो गए थे। दोनों देशों के बीच विवाद उस समय पैदा हुआ, जब मालदीव के कुछ सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के दौरान अपमानजनक टिप्पणी की। हालांकि, बाद में इन सांसदों को निलंबित भी किया गया।

बराक और मिशेल ओबामा ने किया राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के लिए कमला हैरिस का समर्थन, कहा- आप पर गर्व है

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ने कमला हैरिस की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया। लगभग एक मिनट लंबे वीडियो में दोनों ने कमला हैरिस के बीच एक निजी फोन कॉल का भी जिक्र किया। ओबामा ने हैरिस से कहा कि मैंने और मिशेल ने आपको यह बताने के लिए फोन किया कि हम आपका समर्थन करने, आपको इस चुनाव में जीत दिलाने और ओवल ऑफिस में लाने के लिए हर संभव प्रयास करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं।

पूर्व प्रथम महिला ने हैरिस से कहा कि मुझे आप पर गर्व है। यह ऐतिहासिक होने जा रहा है। फोन पर बात करते हुए हैरिस ने समर्थन और उनकी लंबी दोस्ती के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि आप दोनों का धन्यवाद। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। हम इसके साथ कुछ बेहतर करने जा रहे हैं। चुनाव अभियान में लगी टीम ने कहा कि यह वाकई की गई कॉल थी। यह कोई पहले निर्धारित कार्यक्रम नहीं था। दरअसल, राष्ट्रपति जो बाइडन के रेस से बाहर होने के एक सप्ताह से भी कम समय में हैरिस की बढ़ती लोकप्रियता से चुनाव रोमांचक होता जा रहा है। इससे रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ उनकी चुनौती मजबूत होगी। ओबामा अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति थे और वे डेमोक्रेटिक पार्टी में सबसे लोकप्रिय व्यक्तियों में से एक हैं।

भारत को नाटो सदस्यों की तरह शीर्ष सहयोगी का दर्जा देने की मांग, अमेरिकी कांग्रेस में पेश हुआ अहम बिल

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी कांग्रेस में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें भारत को अमेरिका का शीर्ष सहयोगी का दर्जा देने की मांग की गई है। यह बिल अमेरिकी सांसद मार्को रुबियो ने पेश किया है। बिल में मांग की गई है कि अमेरिका अपने सहयोगियों जापान, इजराइल, कोरिया और नाटो सहयोगी देशों की तरह ही भारत को भी अपना शीर्ष सहयोगी माने और उसे अहम तकनीक का ट्रांसफर करे, भारत की क्षेत्रीय संप्रभुता के लिए बढ़ते खतरे के बीच उसे अपना समर्थन दे और पाकिस्तान से आयातित आतंकवाद के खिलाफ उसके खिलाफ कार्रवाई करे।

चीन की काट के लिए भारत का सहयोग जारी रखें

अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो ने प्रस्तावित बिल यूएस इंडिया डिफेंस कॉपरेशन एक्ट में कहा है कि वामपंथी चीन लगातार हिंद प्रशांत महासागर इलाके में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है और हमारे क्षेत्रीय सहयोगियों की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए खतरा पैदा कर रहा है। ऐसे में अमेरिका के लिए अहम है कि वह चीन की रणनीति की काट के लिए अपना सहयोग जारी रखे और भारत के साथ ही क्षेत्र के अन्य देशों को ये बताए कि वे अकेले नहीं हैं। हालांकि अमेरिका में जल्द ही राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं और ऐसे समय में जब अमेरिकी कांग्रेस में दोनों पार्टियों के सांसदों में मतभेद चल रहे हैं तो इस बिल के पारित होने की संभावना कम ही है, लेकिन अमेरिका में भारत को मिल रहे समर्थन को देखते हुए नई सरकार के गठन के बाद इस बिल के फिर से कांग्रेस में पेश होने की उम्मीद है।

भारत के साथ सैन्य, कूटनीतिक रिश्ते मजबूत किए जाने चाहिए

बिल में कहा गया है कि अमेरिका-भारत की साझेदारी चीन के प्रभाव को कम करने के लिए जरूरी है। ऐसे में कूटनीतिक रणनीति, अर्थव्यवस्था, सैन्य साझेदारी के स्तर पर नई दिल्ली के साथ रिश्ते मजबूत किए जाने चाहिए। बिल में भारत को अमेरिका द्वारा अहम रक्षा तकनीक साझा करने की भी मांग की गई है। गौरतलब है कि बिल में ये भी कहा गया है कि भारत को रूस से हथियार खरीदने की थोड़ी छूट मिलनी चाहिए क्योंकि अभी भारतीय सेना रक्षा उपकरणों की आपूर्ति के लिए रूस पर निर्भर है। बिल में प्रस्तावित किया गया है कि अमेरिका के करीबी सहयोगियों जापान, इजराइल और दक्षिण कोरिया के साथ ही नाटो सदस्यों जैसे भारत को भी रणनीतिक सहयोगी का दर्जा दिया जाए। भारत के साथ सैन्य सहयोग बढ़ाया जाए। बिल में पाकिस्तान के छद्म आतंकवाद का मुद्दा भी उठाया गया है ।

अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, ड्रग तस्करी की दुनिया का गॉडफादर कहे जाने वाले गुजमैन का बेटा गिरफ्तार

वॉशिंगटन, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

मेक्सिको के कुख्यात ड्रग माफिया और सिनालोआ कार्टेल के सह-संस्थापक इस्माइल एल मेयो जाम्बाडा को अमेरिकी संघीय एजेंटों ने टेक्सास के एल पासो में गिरफ्तार कर लिया है। उसके साथ ड्रग तस्करी की दुनिया का गॉडफादर कहे जाने वाले एल चैपो गुजमैन के बेटे जोआक्विन गुजमैन लोपेज को भी गिरफ्तार किया है। जाम्बाडा पर फेंटानाइल के निर्माण तथा तस्करी और अन्य ड्रग्स (कोकीन, हेरोइन, मेथामफेटामाइन) की तस्करी के आरोप हैं। उसकी गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी सरकार ने 125 करोड़ रुपये का इनाम घोषित किया था।

अमेरिकी न्याय विभाग ने बताया कि दुनिया के सबसे हिंसक और शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्करी संगठनों में से एक सिनालोआ कार्टेल के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जाम्बाडा और एल चैपो के बेटे जोआक्विन गुजमैन लोपेज पर कार्टेल के आपराधिक ऑपरेशनों, विशेष रूप से फेंटानाइल के निर्माण और तस्करी के लिए कई आरोप लगाए गए हैं।

साथ मिलकर करते थे अपराध - 76 वर्षीय जाम्बाडा और एल चैपो गुजमैन साथ मिलकर अपराध करते थे। हालांकि, बाद में गुजमैन को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। फरवरी में, जाम्बाडा पर अमेरिकी अभियोजकों ने फेंटानिल बनाने और तस्करी करने की साजिश का आरोप लगाया था। यह पदार्थ हेरोइन से भी अधिक खतरनाक हैं और अमेरिकी ओपिओइड संकट के लिए इसे ही जिम्मेदार ठहराया गया है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड ने कहा कि ये दोनों व्यक्ति दुनिया के सबसे हिंसक और शक्तिशाली मादक पदार्थ तस्करी संगठनों में से एक का नेतृत्व करते हैं। एल मेयो और गुजमैन लोपेज सिनालोआ कार्टेल के नेताओं और सहयोगियों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्हें न्याय विभाग संयुक्त राज्य अमेरिका में जवाबदेह ठहरा रहा है। न्याय विभाग के अधिकारी ने बताया कि जाम्बाडा और गुजमैन लोपेज किसी यात्रा से वापस आ रहे थे। उन्हें प्लेन से उतरते समय ही गिरफ्तार कर लिया गया।

सिनालोआ कार्टेल क्या है - सिनालोआ मेक्सिको का एक उत्तर-पश्चिमी प्रांत है और इसी पर सिनालोआ कार्टेल का नाम पड़ा है। गुजमैन के आदेश पर इस कार्टेल ने कई प्रतिद्वंदी ड्रग तस्करी समूहों का सफाया किया और अमेरिका को ड्रग भेजने वाला सबसे बड़ा नेटवर्क बन गया।

अमेरीकी संसद में जुलाई 2018 में पेश की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक ये कार्टेल सालाना तीन अरब डॉलर तक कमाई करता है। अमेरिका में चल रहे मुकदमे के मुताबिक ये इस समय दुनिया में ड्रग तस्करी करने वाला सबसे बड़ा समूह है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस गैंग का प्रभाव कम से कम पचास देशों में है। हालांकि हाल के वर्षों में इस कार्टेल को कई प्रतिद्वंदी गैंगों से चुनौती भी मिली है और सवाल उठा है कि क्या अब कार्टेल का प्रभाव कम हो रहा है।

कौन हैं एल चैपो गुजमैन - ख्वाकीन गुजमैन का जन्म 1957 में एक किसान परिवार में हुआ था। वो अफीम और गांजे की खेतों पर काम करते थे और यहीं से उन्होंने ड्रग तस्करी के गुर सीखे। इसके बाद वो द गॉडफादर के नाम से चर्चित और शक्तिशाली ग्वाडालाजारा कार्टेल के प्रमुख मिगेल एंजेल फेलिक्स गैलार्डो के चेले बने और तस्करी की बारीकियां सीखीं।

पांच फुट छह इंट लंबे गूसमैन को शॉर्टी भी कहा जाता है। वो 1980 के दशक में उत्तर-पश्चिमी मेक्सिको में प्रभावशाली सिनालोआ कार्टेल के शीर्ष तक पहुंच गए। ये अमेरिका को ड्रग तस्करी करने वाला सबसे बड़ा समूह बन गया और साल 2009 में फोर्ब्स पत्रिका ने दुनिया के सबसे अमीर लोगों की सूची में 701वें नंबर पर गजमैन को शामिल किया। उस समय उनकी कुल संपत्तियां करीब एक अरब डॉलर की थीं।

साल 1993 में एक प्रतिद्वंदी गैंग ने उन पर हमला किया था, लेकिन वो इसमें बाल-बाल बच गए थे। हालांकि इसी साल उन्हें एक व्यापक अभियान के बाद ग्वाटेमाला से गिरफ्तार किया गया था।

इस दौरान वो अति सुरक्षा वाली जेलों में रहे। साल 2001 में एक सुरक्षागार्ड की मदद से वो जेल से फरार हो गए। गुजमैन को दोबारा पकड़ने के लिए कई देशों में अभियान चलते रहे, लेकिन वो साल 2014 तक फरार रहे। फरवरी 2014 में उन्हें फिर से गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत की झोली में पदक डालने को मेरठ की तीन बेटियां तैयार, पारुल बनाएंगी ये रिकॉर्ड

मेरठ, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक खेल शुरू हो चुके हैं। भारत से भी भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की अगुवाई में भारतीय खिलाड़ियों का दल पेरिस पहुंच चुका है। मेरठ से भी तीन महिला खिलाड़ी भाला फेंक में अन्नू रानी, पैदल चाल और मिक्स रिले वॉक इवेंट में प्रियंका गोस्वामी और 5000 मीटर दौड़ व 3000 मीटर स्टीपल चेज में पारुल चौधरी प्रतिभाग कर रही हैं।

खिलाड़ी पेरिस पहुंच चुके हैं। ऐसे में खेल शुरू होने से पहले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर भारतीय खिलाड़ी छाए हुए हैं। खिलाड़ियों को सुपर हीरो के किरदार में पेश किया जा रहा है। मेरठ के इकलौता गांव की पारुल चौधरी को सोशल मीडिया पर सुपर वुमन बताकर उनका पोस्टर तैयार कर शेयर किया जा रहा है। खुद खिलाड़ियों ने भी अपने सोशल मीडिया एकाउंट में इन पोस्टर को शेयर किया है।

इनमें भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा सुपर मैन के किरदार में दिखाई दे रहे हैं। अन्य खिलाड़ी भी किसी न किसी सुपर हीरो के रूप में दिखाई दे रहे हैं। खुद खिलाड़ियों ने अपने पोस्टर को अपने सोशल मीडिया एकाउंटस से शेयर किया है। खिलाड़ी पेरिस पहुंचने के बाद अपनी फोटो सोशल मीडिया के माध्यम से शेयर कर रहे हैं। यहां मेरठ के खिलाड़ियों के परिजनों को भी सभी खिलाड़ियों से पदक की उम्मीद है। 27 जुलाई को भारत और न्यूजीलैंड के बीच हॉकी मैच होना है जो कि काफी रोमांचक रहेगा।

इसके बाद एक अगस्त से एथलेटिक्स इवेंट शुरू होंगे, जिसमें मेरठ के खिलाड़ी भी नजर आएंगे। पैदल चाल में एक अगस्त को हिस्सा लेंगी प्रियंका गोस्वामी पेरिस ओलंपिक खेलों में एथलेटिक्स इवेंट एक अगस्त से शुरू होंगे। मेरठ से प्रतिभाग कर रहीं एथलीट प्रियंका गोस्वामी एक अगस्त को 20 किमी पैदल चाल इवेंट में प्रतिभाग करेंगी।, 2 अगस्त को पारुल चौधरी 5000 मीटर दौड़ के पहले राउंड में रात 9:40 पर भाग लेंगी।, 4 अगस्त को पारुल 3000 मीटर स्टीपल चेज के पहले राउंड में दोपहर 1:35 मिनट पर इवेंट में भाग लेंगी।, 5 अगस्त को 5000 मीटर दौड़ का फाइनल राउंड होगा।, 6 अगस्त को 3000 मीटर स्टीपल चेज का सेमीफाइनल , 7 अगस्त को सुबह 11 बजे स्टीपल चेज का फाइनल होगा। 7 अगस्त को ही सुबह 11 बजे प्रियंका गोस्वामी वॉक मिक्स रिले इवेंट में प्रतिभाग करेंगी। दोपहर 1:55 पर अन्नू रानी भाला फेंक के पहले राउंड में प्रतिभाग करेंगी। 10 अगस्त को भाला फेंक का फाइनल राउंड होगा।

न्यूज ब्रीफ

शोएब मलिक ने भारतीय टीम से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की अपील की

लाहौर । भारतीय क्रिकेट टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनएं नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम के मुकाबलों को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने की मांग करेगा। शाहिद अफरीदी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान दौरे पर आने की अपील की है। माना जा रहा है कि दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही सरकार टीम को सुरक्षा कारणों से पाक जाने की अनुमति नहीं देगी। इसी को लेकर पाक खिलाड़ी निराश हैं और भारतीय टीम से दौरे पर आने को कह रहे हैं। अब पूर्व पाक कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की अपील करते हुए कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिये। मलिक ने कहा कि पाक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भाग लिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम की बारी है। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी परेशानियां हैं, उसे निजी तौर पर हल करना चाहिए। राजनीति को खेल से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पाकिस्तान में नहीं खेले हैं तो उनके लिए यह अच्छा मौका होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम यहां जरूर आएगी। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय टीम को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। आईसीसी की वार्षिक बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और प्रारूप पर कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ था। इसमें आगे बताया गया कि पीसीबी ने आईसीसी पर भारत को राजी करने की जिम्मेदारी छोड़ दी है। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में रखे हैं, जहां चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल और फाइनल भी खेले जाएंगे।

लतीफ ने पंड्या की उपेक्षा पर नाराजगी जतायी

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने श्रीलंकाई दौरे के लिए हार्दिक पंड्या को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नहीं बनाये जाने के फैसले को गलत बताया है। लतीफ ने कहा कि जिस प्रकार का तर्क चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने दिया है। वह केवल बहाने बाजी भर है। अगरकर ने कहा था कि पंड्या को खराब फिटनेस के कारण कप्तानी की जिम्मेदारी नहीं दी है। अगरकर के इस फैसले से लतीफ को निराशा हुई है। उन्होंने कहा है कि फिटनेस का बहाना देकर हार्दिक को कप्तानी नहीं दी गई। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'उन्होंने पंड्या को सर्टिफिकेट दे दिया है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं। उनकी फिटनेस को लेकर अब भी कई सवाल हैं पर अगर देखा जाये तो ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो फिट नहीं हैं लेकिन इसके बाद भी भी वे बहुत अच्छे कप्तान बने हैं। मुझे लगता है कि यह एक बहाना है क्योंकि नये कप्तान सूर्यकुमार यादव का नाम पहले दावेदारी में नहीं था। अगरकर ने कहा था कि फिटनेस एक बड़ी चुनौती थी और हम ऐसा कोई ऐसा खिलाड़ी चाहते थे जो अधिकतर उपलब्ध रहे।' लफीफ से पहले कई और पूर्व क्रिकेटरों ने भी पंड्या की उपेक्षा पर सवाल उठाये थे और कहा था की उन्हें जानबूझकर अलग रखा गया है।

जुबिन से मिली सीख का लाभ उठाएंगे हमारे खिलाड़ी : जयसूर्या

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के अंतरिम कोच सनथ जयसूर्या ने कहा है कि राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस निदेशक जुबिन भरूचा से मिली सीख से उनकी टीम भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। साथ ही कहा कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से भी उनकी टीम को लाभ होगा। रोहित और विराट ने टी20 विश्वकप के बाद संन्यास ले लिया था। भारत और मेजबान श्रीलंका के बीच टी20 सीरीज 27 जुलाई से शुरू होगी। जयसूर्या ने कहा कि टीम के लिए जुबिन के साथ छह दिन का कैंप रखा गया था। जयसूर्या ने कहा, 'हमने एलपीएल के तुरंत बाद ही ये कैंप शुरू कर दिया था। इस दौरान अधिकतर खिलाड़ी एलपीएल में खेल रहे थे पर इसके बाद भी उन्हें जुबिन के पास भेजा गया। साथ ही कहा कि. हमने उनके साथ लगभग छह दिन काम किया। लीगमें खेलने बाद अन्य क्रिकेटर भी उनके साथ जुड़े और उनके अनुभवों से खिलाड़ियों को लाभ भी हुआ है। ' जयसूर्या ने कहा कि भरूचा के साथ सत्र काफी गंभीर रहा और खिलाड़ियों को काफी कुछ सीखने को मिला। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'हमारी तैयारी अच्छी है। टी20 सीरीज शुरू होने से पहले कैंडी में हमारे पास दो दिन और हैं।

सीन नदी पर हुआ पेरिस ओलंपिक का भव्य उद्घाटन

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में शुक्रवार को सीन नदी पर फव्वारो की बौछारों के बीच ओलंपिक खेलों के भव्य उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान नावों पर विभिन्न देशों के खिलाड़ी रंग-बिरंगी पेशाकों में अपने राष्ट्रीय ध्वज को लहराते हुये देखे गए।

यह ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार उद्घाटन समारोह किसी स्टेडियम के बजाय किसी नदी में आयोजित किया गया। आज यहां ओलंपिक खेलों का आयोजन आधुनिक तरीके से और एक अलग अंदाज में हुआ। इस दौरान सीन नदी के किनारे कलाकर अपने हुनर का प्रदर्शन तथा संगीतकार अपने वाद्ययंत्रों के सुरों से लोगों का ध्यान आकर्षित करते दिखे। समारोह के समय लाखों की संख्या में दर्शक एथलीटों की हौसलाअफजाई कर रहे थे।

फ्रांसीसी थिएटर निर्देशक और अभिनेता थॉमस जॉली की देखरेख में आयोजित इस पहले अनोखे समारोह में सभी राष्ट्रों की पारंपरिक परेड सीन नदी में करीब 100 नावों पर 10 हजार से अधिक एथलीटों ने यात्रा की इस दौरान नाव नोट्रे डेम, पोंट डेस आर्ट्स, पोंट नेफ और अन्य सहित पेरिस के कुछ प्रतिष्ठित स्थलों से गुजरी। फ्लोटिंग परेड जार्डिन डेस प्लांटेस के बगल में ऑस्टरलिट्ज़ पुल से होते हुये ट्रोकैडेरो में समाप्त हुई। यहां ओलंपिक प्रोटोकॉल के अनुसार शेष कार्यक्रम और अंतिम शो का प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम तीन घंटे से अधिक समय तक चला। नदी के किनारे फ्रांस की सांस्कृतिक विरासत को बड़े-बड़े पोस्टरों के जरिए दर्शाया गया।समारोह के दौरान भारतीय दल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और अपने पांचवें ओलंपिक में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल पेरिस ओलंपिक 2024 परेड में दल की अगुवाई की। इस दौरान भारतीय दल पुरुष एवं महिला खिलाड़ी तरुण ताहिलियानी द्वारा डिजायन किये गये पारम्परिक वस्त्र पहने हुये देखे गये। पुरष वर्ग के खिलाड़ी कुर्ता पजामा के साथ तिरंगी बन्ड़ी पहने हुए हाथ में तिरंगा लहरा रहे थे। वहीं दल की महिला सदस्य तिरंगी बनारसी साड़ी में देखी गई। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस अवसर पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, पेरिस ओलंपिक शुरू होने के साथ ही भारतीय दल को मेरी शुभकामनाएं। हर खिलाड़ी भारत का गौरव है। पेरिस ओलंपिक में वे सभी चमकें और खेल भावना की सच्ची भावना को साकार करें, अपने असाधारण प्रदर्शन से हमें प्रेरित करें।

इस बीच प्राप्त रिपोर्टो के अनुसार पेरिस ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह से कुछ घंटे पहले फ्रांस में हाई स्पीड रेल नेटवर्क कई जगह हुई आगजनी के कारण ट्रेन यातायात बुरी तरह प्रभावित रहा। फ्रांस के प्रधानमंत्री गैब्रिएल अटल ने बताया है कि रेलवे लाइनों को क्षतिग्रस्त करने के मकसद से सुनियोजित हमले किये है। फ्रांस की सरकारी रेल कंपनी एनएनसीएफ ने बताया इस उपद्रव और आगजनी के कारण ढाई आठ लाख लोग प्रभावित हुए हैं।

दूसरे दौर में जोकोविच और नडाल की हो सकती है भिड़ंत, एंडी मरे का बड़ा फैसला, खेलेंगे सिर्फ युगल

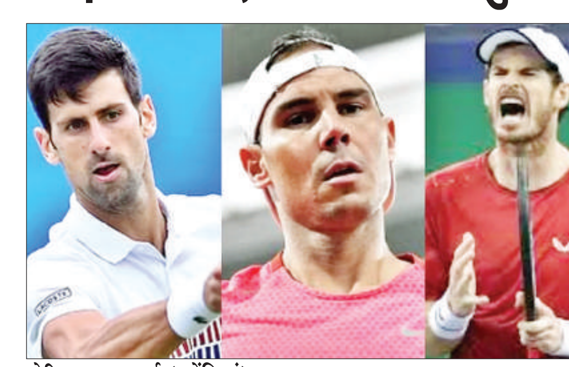

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

जोकोविच अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के खिलाफ करेंगे जबकि नडाल का सामना हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स से होगा। इन मैचों में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी दूसरे दौर में एक दूसरे का सामना करेंगे।

पेरिस ओलंपिक का आगाज 26 जुलाई को होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच पुरुष एकल के दूसरे दौर में राफेल नडाल से भिड़ सकते हैं। वहीं, दो बार के ओलंपिक टेनिस स्वर्ण पदक विजेता एंडी मरे ने पेरिस खेलों की एकल स्पर्धा से हटने का फैसला किया और वह डैन इवांस के साथ केवल युगल प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

मैथ्यू एबडेन के खिलाफ पहला मैच खेलेंगे जोकोविच

जारी किए गए ड्रॉ के अनुसार जोकोविच अपने अभियान की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के खिलाफ करेंगे जबकि नडाल का सामना हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स से होगा। इन मैचों में जीत दर्ज करने वाले खिलाड़ी दूसरे दौर में एक दूसरे का सामना करेंगे।

एंडी मरे ने किया बड़ा एलान

वहीं, इस टूर्नामेंट के बाद संन्यास का एलान कर चुके एंडी मरे ने एकल स्पर्धा में भाग नहीं लेने का फैसला किया है। ब्रिटेन के दिग्गज खिलाड़ी ने कहा, मैंने डैन के साथ युगल स्पर्धा पर ध्यान लगाने के लिए एकल से हटने का फैसला किया है। हमारा अभ्यास शानदार रहा है और हम एक दूसरे के साथ अच्छा खेल रहे हैं।

दो स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी एंडी मरे

मरे के हटने की घोषणा ओलंपिक टेनिस स्पर्धा के ड्रा से कुछ देर पहले ही हुई। मरे ने लंदन 2012 और रियो डि जिनेरियो 2016 की एकल स्पर्धा स्वर्ण पदक जीते थे जिससे वह दो स्वर्ण पदक जीतने वाले एकमात्र टेनिस खिलाड़ी हैं।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

मुम्बई, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट इस सीरीज के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बना सकते है जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए तोड़ना असंभव की तरह रहेगा। विराट इस सीरीज में 27,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं।

विराट के नाम अभी 53.55 की औसत से 26,884 रन हैं। ऐसे में अगर वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 116 रन बनाते हैं तो उनके तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27 हजार रन हो जाएंगे। यह वो आंकड़ा है, जो अब तक केवल तीन खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 34357, कुमार संगकारा 28016 और रिकी पोंटिंग 27483 ही हासिल कर पाये हैं।

आज के दौर के क्रिकेटरों की बात करें तो विराट के अलावा एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने 20,000 रन बनाए हों। वर्तमान समय के क्रिकेटरों में विराट कोहली के बाद जो रूट 19,355 रनों के साथ दूसरे और रोहित 19,077 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। रूट 33 साल के हैं जबकि रोहित की उम्र 37 साल है। अब अगर ये दोनों खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक खेलें तो जो रूट के लिए तो यह संभव है कि वे 27 हजार रन बना लें। रोहित के लिए भी ये काफी कठिन है। रोहित ने अब तक कुल 480 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 43.25 की औसत से 19,077 रन बनाए हैं। उन्हें 27 हजार रन का आंकड़ा हासिल करने के लिए 7923 रन और बनाने होंगे। रोहित को 27 हजार रन तक पहुंचने में करीब चार साल लगेंगे। उनके 40 साल की उम्र तक खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में वह इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच सकते।

फलस्तीन ओलंपिक टीम का पेरिस पहुंचने पर शानदार स्वागत, तोहफों और तालियों से किया गया वेलकम

पेरिस, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

फलस्तीन के ओलंपिक दल का यहां पहुंचने पर लोगों ने तालियों और तोहफों के साथ स्वागत किया और तोहफों में खाने का सामान और गुलाब के फूल शामिल थे। पेरिस हवाई अड्डे से बाहर निकलकर फलस्तीन के खिलाड़ियों ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अब तक 39000 फलस्तीनियों की जान ले चुके इजराइल-हमास युद्ध के बीच उनकी मौजूदगी संकेत की तरह होगी।

खिलाड़ियों, फ्रांस के समर्थकों और राजनीतिज्ञों ने यूरोपीय देशों से फलस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। कइयों ने ओलंपिक में इजराइली खिलाड़ियों के खेलने पर नाराजगी जताई है जिन्होंने इजराइल पर युद्धापराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप लगाए हैं। सउदी अरब में जन्मे 24 वर्ष के फलस्तीनी तैराक याजान अल बवाब ने कहा, फ्रांस फलस्तीन को एक राष्ट्र नहीं मानता इसलिये मैं यहां फलस्तीन का झंडा लहराने आया हूं। हमारे साथ इंसान की तरह बर्ताव नहीं होता इसलिए हम यहां खेलने आए हैं ताकि लोग हमें बराबरी का समझे।

खेल महाकुंभ ओलिंपिक गेम्स की शुरुआत होने जा रही है। चार साल में एक बार होने वाले गेम्स इस बार फ्रांस की राजधानी पेरिस में होंगे। पेरिस ओलिंपिक में 32 खेलों के 329 स्वर्ण पदक दांव पर लगे हैं। इस बार 206 एसोसिएशन और देशों के 10,500 एथलीट्स हिस्सा ले रहे हैं। भारत के 117 खिलाड़ी 16 खेलों में पदक के लिए दांव लगाते दिखेंगे। पेरिस की सीन नदी पर ओपनिंग सेरेमनी होगी। इसमें सभी देश और एथलीट्स हिस्सा लेंगे। 129 साल के ओलिंपिक इतिहास में ओपनिंग सेरेमनी पहली बार स्टेडियम के अंदर नहीं, बाहर होगी। परेड छह किमी. लंबी होगी। सेरेमनी में 120 से ज्यादा देशों के नेता और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल होंगे। फ्रांस ने 2024 ओलिंपिक का स्लोगन गेम्स वाइड ओपन रखा है। 27 जुलाई से मेडल इवेंट शुरू हो जाएंगे। पेरिस ओलिंपिक में ब्रेकडांस इवेंट का डेब्यू होगा, यह इस बार के गेम्स में शामिल इकलौता नया खेल है।

ये स्टार शटलर जीतेंगे पदक..., दीपिका के पिता और बैडमिंटन लीजेंड प्रकाश पादुकोण की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 26 जुलाई (एजेंसियां) ।

दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और शीर्ष शटलर पीवी सिंधू के मेंटर प्रकाश पादुकोण का मानना है कि भारत के पास पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में तीन पदक जीतने का मजबूत मौका है और इनमें सिंधू के लिए पदकों की हैट्रिक भी शामिल है। भारत ने सात सदस्यीय बैडमिंटन टीम भेजी है जिसमें सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी और दो ओलंपिक पदक विजेता सिंधू शामिल हैं।

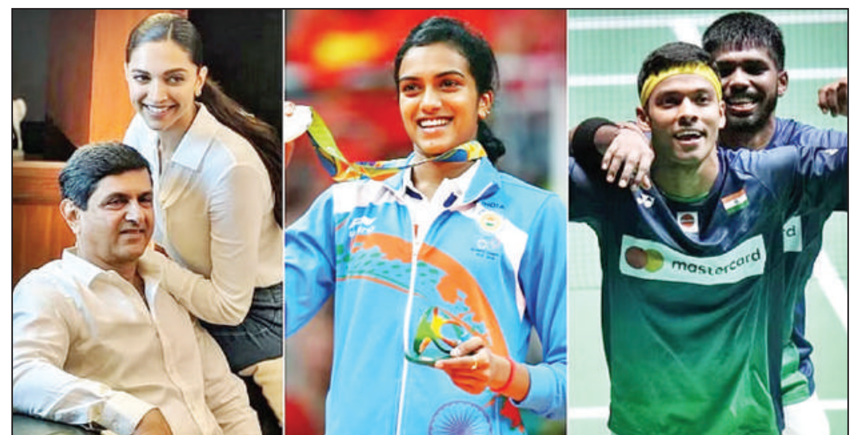

पादुकोण ने कहा कि सिंधू पेरिस में अपने लगातार तीसरे ओलंपिक पदक के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं और उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

उन्होंने कहा, हम अच्छे प्रैक्टिस की कोशिश कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं। सिंधू ने ओलंपिक के लिए अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है। हालांकि, इस स्तर पर कुछ निश्चित या प्रतिबद्ध नहीं हो सकता है। उनकी तैयारियां अच्छी चल रही हैं और वह अभ्यास सत्र में अच्छा खेल रही हैं। इसलिए तैयारियों के मामले में सब कुछ बहुत अच्छा रहा है।

अनुभवी शटलर, पूर्व ऑल-इंग्लैंड चैंपियन और अपने सुनहरे दिनों में विश्व के शीर्ष खिलाड़ी रहे प्रकाश ने बताया कि वह कोर्ट पर सिंधू की रणनीति में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उन्होंने उनके मार्गदर्शन में बहुत सुधार भी किया है। प्रकाश ने कहा, मैं कोर्ट पर रणनीति सुधारने पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। इस पर कि सिंधू को कब किस स्ट्रोक का उपयोग करना है और दिमाग के साथ कैसे खेलना है। लगभग नौ महीने पहले वह लगातार कोचिंग परिवर्तन के कारण आत्मविश्वास में थोड़ा कमजोर पड़ गई थीं और यह पहचानने में सक्षम नहीं थीं कि उनके साथ क्या गलत हो रहा था।

प्रकाश ने कहा, हमने उनकी मानसिक मजबूती और रणनीति पर काम किया है और सुनिश्चित किया है कि वह सही स्ट्रोक का बेहतर इस्तेमाल करें। हमने गलतियों में कटौती करने और प्रतिशत बैडमिंटन खेलने की कोशिश की है। यह जानते हुए कि कब विपक्षी खिलाड़ी पर आक्रमण करना है या कब बचाव करना है और सुरक्षित खेलना है। हर चीज पर ध्यान दिया जा रहा है, लेकिन अभी तक यह पता नहीं लगाया जाना बाकी है कि क्या वह ओलंपिक के दौरान उस फॉर्म को दोहरा सकती हैं।

सिंधू के इस साल अब तक कोई खिताब जीतने में नाकाम रहने के बावजूद प्रकाश को लगता है कि मुश्किल परिस्थितियों में चमकने की उनकी क्षमता और ओलंपिक में भारत की सबसे सफल महिला खिलाड़ी होना उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करेगी। सिंधू दो ओलंपिक पदक, 2016 में रियो में एक रजत और टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला खिलाड़ी हैं।

यूनिवर्सल म्यूजिक स्टॉक को लगा बड़ा झटका स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू में आई गिरावट

नई दिल्ली,26 जुलाई (एजेंसियां)।

यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप को एक बड़ा झटका लगा है। कंपनी के शेयर में 24 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनी ने खुलाया किया कि उनके स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन सेवाओं से रेवेन्यू उम्मीद से काफी कम आया है। यह गिरावट ग्रुप के बाजार मूल्य में 16 बिलियन डॉलर (भारतीय मुद्रा के हिसाब से करीब 1600 करोड़) की गिरावट को दर्शाती है, जिसमें टेलर स्विफ्ट, ड्रेक, एडेल और बिली इलिश जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

क्या है इस गिरावट का कारण - इस गिरावट का कारण इसकी स्ट्रीमिंग और सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू के औसत परिणाम हैं। कंपनी की दूसरी तिमाही की सदस्यता आय में विदेशी मुद्रा (एफएक्स) को छोड़कर साल-दर-साल 6.9 फीसदी की वृद्धि हुई। यह पहली तिमाही में 12.5 प्रतिशत से कम है। तीसरी तिमाही में स्ट्रीमिंग राजस्व में 3.9 फीसदी की कमी देखने को मिली, जो दर्ज 10.3 प्रतिशत की वृद्धि से काफी रिवर्स है। इस कमी के लिए मुख्य विज्ञापन-आधारित प्लेटफॉर्म भागीदारों में वृद्धि में मंदी और सौदे के नवीनीकरण के समय से संबंधित कुछ प्लेटफॉर्म पर कमी को जिम्मेदार ठहराया गया।

मेटा के साथ समाप्त की साझेदारी - मई में यूएमजी ने मेटा प्लेटफॉर्म्स के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर दी थी, जो कि फेसबुक के लिए प्रीमियम संगीत वीडियो का लाइसेंस दे रहा था। यूएमजी को नए लाइसेंसिंग समझौते को लेकर टिक टॉक के साथ हाई-प्रोफाइल लड़ाई के दौरान एक महीने के रेवेन्यू का भी नुकसान हुआ। यूएमजी के उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी बॉयड मुइर ने कहा कि सब्सक्रिप्शन वृद्धि में साल-दर-साल गिरावट आंशिक रूप से उसके भागीदारों द्वारा मूल्य वृद्धि के समय के कारण थी।

यूएमजी के साझेदारों में शामिल हैं ये कंपनियां - यूएमजी के साझेदारों में स्पॉटिफाई (एसपीओटी), अमेजन म्यूजिक (एएमजेडएन) और एप्पल म्यूजिक (एएपीएल) जैसी ऑडियो स्ट्रीमिंग दिग्गज कंपनियां शामिल हैं। मुइर ने कहा, इस तिमाही में हमारे सब्सक्रिप्शन रेवेन्यू ग्रोथ को प्रभावित करने वाला दूसरा कारक कुछ प्लेटफॉर्म पर सब्सक्राइबर ग्रोथ में मंदी है।

न्यूज ब्रीफ

इंडिगो पर अमेरिकी कस्टम विभाग ने लगाया जुर्माना, विमान में देरी से इस्तांबुल में घंटों फंसे यात्री

नई दिल्ली। अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा विभाग ने आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान में देरी के लिए इंडिगो एयरलाइंस पर 5,832.60 डॉलर (488333.27 रुपये) का जुर्माना लगाया है। प्राधिकरण ने नियत तारीख (गैर-इंटरलाइनेबल टैक्स) के बाद आव्रजन उपयोगकर्ता शुल्क के भुगतान के लिए जुर्माना लगाया है। कंपनी जुर्माने में छूट हासिल करने की कोशिश कर रही है। कंपनी ने एक नियामकीय फाइलिंग में इसकी जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि इसके वित्तीय, संचालन या अन्य गतिविधियों पर इसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं पड़ा। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के शेयर बीएसई पर 1.22 फीसदी की तेजी के साथ 4,430.50 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए। इंडिगो को अमेरिकी प्राधिकरण से जुर्माने के बारे में 24 जुलाई को सूचना मिली थी इस्तांबुल में फंसे इंडिगो के 200 यात्री एक अलग घटनाक्रम में, एयरलाइन को 200 यात्रियों को इस्तांबुल हवाई अड्डे पर इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने इसकी ऑनलाइन आलोचना की। दरअसल, दिल्ली के लिए इंडिगो की उड़ान को 12 घंटे के लिए स्थगित कर दिया गया था। विमान में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को देर तक इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने उड़ान में देरी की आलोचना की देरी से चल रही उड़ान 6ई 12 के एक यात्री हृदय मदान ने एक्स पर एक पोस्ट में अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, इंडिगो एयरलाइंस की बिल्कुल दयनीय सेवा। मैं और मेरी पत्नी मिलान से इस्तांबुल इंडिगो-तुर्की एयरलाइंस के साथकोडशेयर बुकिंग के जरिए लौट रहे हैं। 6ई12 से आगे दिल्ली के लिए हमें जाना है। हम इस्तांबुल में दोपहर 3 बजे उतरे और अब हमारी कनेक्टिंग फ्लाइट में देरी हो गई है। एक अन्य यात्री गोविंद कनकन ने लिखा, इस्तांबुल से दिल्ली जाने वाले यात्रियों के लिए इस्तांबुल हवाई अड्डे पर दयनीय स्थिति। तुर्की इंडिगो 6ई-12 की उड़ान में अब छह घंटे से अधिक की देरी हुई है और ऑपरेटर लापरवाह है। हवाई अड्डे पर यात्रियों को दिया जाने वाला भोजन बासी है। इंडिगो ने बयान जारी कर खेद जताया इंडिगो ने एक बयान जारी कर यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया। बयान में कहा गया है, यात्रियों को देरी के बारे में सूचित किया गया, जलपान परोसा गया और हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए आवश्यक व्यवस्था तुरंत की गई।

जल्द लांच हो सकता है शाओमी 14 टी प्रो फोन, फोन के कुछ फीचर्स हो गए पहले ही लीक

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी शाओमी जल्द ही शाओमी 14 टी प्रो लांच कर सकती है। हालांकि कंपनी की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन फोन के कुछ फीचर्स पहले ही लीक हो गए हैं। एक नए लीक से फोन कैमरे के बारे में पता चला है। एक टिपस्टर के मुताबिक शाओमी 14 टी प्रो में 50-मेगापिक्सल प्राइमरी सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया जाएगा। पिछली रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फोन का टेलीफोटो कैमरा लेइका के साथ पेश किया सकता है। इसके अलावा, ऐसा कहा जा रहा है कि शाओमी 14 टी प्रो में रेडमी के 70 अल्ट्रा की तरह स्पेसिफिकेशन मिल सकते हैं, जिसे हो सकता है अगले महीने लॉन्च किया जाए।

एनबीए ने वार्नर ब्रदर्स के साथ तोड़ी डील, डिस्कवरी और एचबीओ मैक्स को भी लगा झटका

नई दिल्ली। वार्नर ब्रदर्स एक बार फिर से सुर्खियों में बना हुआ है। एनबीए द्वारा तीन बड़े राइट्स डील की घोषणा के बाद वार्नर ब्रदर्स के शेयर काफी नीचे आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो एनबीए ने वार्नर ब्रदर्स के साथ डील ब्रेक कर लिया है जिसके वजह से वह पेशेवर बास्केटबॉल से बाहर हो गया है। आइए जानते हैं पूरी खबर क्या है। एनबीए ने तोड़ी डील वार्नर ब्रदर्स के शेयर बाजार के खुलने के बाद लगभग आठ प्रतिशत गिरे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इसकी वजह एनबीए द्वारा वार्नर ब्रदर्स के प्रतिद्वंदी कंपनी के साथ डील कर लेना है। एनबीए के इस सौदे की वजह से वार्नर ब्रदर्स को काफी नुकसान उठाना पर सकता है। सूत्रों के मुताबिक अब वार्नर ब्रदर्स के डिस्कवरी को व्यावसायिक बास्केटबॉल से बाहर रख दिया गया है। वार्नर ब्रदर्स के शेयर हुए सस्ते मैक्वेरी इक्विटी रिसर्च के टिम नोलन के मुताबिक वार्नर ब्रदर्स को भविष्य में काफी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि, वार्नर ब्रदर्स के शेयर निकट भविष्य में कुछ भी अच्छा नहीं कर पाएंगे। वैसे भी वार्नर ब्रदर्स के शेयर पहले से ही सस्ते हैं और अब उनका मूल्य भी काफी कम हो गया है। इसमें निवेश करना घाटे का सौदा हो सकता है। वार्नर ब्रदर्स करेंगे करवाई एनबीए ने वार्नर ब्रदर्स की प्रतिद्वंदी कंपनी के साथ सौदा कर लिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हम तुम्हारे .....

को आदरपूर्वक प्रणाम करता हूं। मैं उन शहीदों को नमन करता हूं, जिन्होंने करगिल में मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। करगिल विजय दिवस बताता है कि देश की रक्षा के लिए जान की बाजी लगाने वालों के नाम अमिट रहते हैं। यह देश उनके लिए कृतज्ञ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि करगिल में हमने केवल युद्ध नहीं जीता था। वह सत्य की भी जीत थी। उस समय भारत शांति के लिए कार्य कर रहा था, लेकिन पाकिस्तान ने विश्वासघात किया। पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी। पाकिस्तान ने अपने इतिहास से कुछ नहीं सीखा। पाकिस्तान आतंकवाद और छद्म युद्ध के सहारे खुद को प्रासंगिक प्रयास कर रहा है।

पीएम ने कहा कि आज मैं उस मंच से बोल रहा हूं। यहां से आतंकवाद के आकाओं को मेरी आवाज सीधे सुनाई दे रही है। मैं उन्हें कह देना चाहता हूं कि उनके नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। साथियों लद्दाख हो या फिर जम्मू कश्मीर विकास के सामने आ रही हर चुनौती को भारत परास्त करके ही रहेगा। पीएम मोदी ने कहा, कुछ ही दिन बाद 370 को निरस्त हुए पांच वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। आज जम्मू कश्मीर नए सपनों की बात कर रहा है। आज जम्मू कश्मीर जी-20 जैसे सम्मेलन आयोजित कर रहा है। दशकों के बाद कश्मीर में सिनेमाघर खुले हैं। तीन दशकों के बाद श्रीनगर में ताजिया निकला है। जम्मू कश्मीर तेजी से शांति और सौहार्द के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, लद्दाख के लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ें। इज ऑफ लिविंग बढ़े इसके लिए सरकार प्रयास कर रही है। लद्दाख के बजट को छह हजार करोड़ दिया गया है। करीब छह गुणा बजट में बढ़ोतरी की गई है। लद्दाख में बिजली, पानी और सड़क की सुविधाओं को विकसित किया जा रहा है। जल जीवन मिशन की वजह से अब लद्दाख में 90 प्रतिशत घरों में पाइप से पीने का पानी पहुंच रहा है। शिक्षा के लिए सिंधु केंद्रीय विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है। जोजिला टनल का काम भी जारी है। आज की परिस्थिति अलग है। आज हमारी सेना को हथियारों के साथ ही कार्यशैली में बदलाव करने की जरूरत है। बीते दस वर्षों में हमने रक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए कई कदम उठाए हैं। रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के लिए 25 प्रतिशत प्राइवेट क्षेत्र के लिए रखा गया है। कभी भारत की पहचान हथियार मंगाने के तौर पर थी लेकिन अब एक्सपोर्टर के तौर पर अपनी नई पहचान बना रहा है।

सेना ने तय किया है कि पांच हजार चीजें बाहर से नहीं मंगाई जाएंगी। हमारी सेना ने बीते वर्षों में कई साहसिक निर्णय लिए हैं। इसका एक उदाहरण अग्निपथ योजना भी है। प्रधानमंत्री मोदी वर्चुअल माध्यम से शिंकून ला सुरंग परियोजना का पहला विस्फोट किया। यह सुरंग लद्दाख को हर मौसम में संपर्क प्रदान करेगी। इस सुरंग परियोजना में 4.1 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब टनल भी शामिल है, जिसका निर्माण निमू-पदुम-दारचा रोड पर लगभग 15,800 फुट की ऊंचाई पर किया जाएगा। इससे लेह को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान की जा सकेगी। यह दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी। शिंकून ला सुरंग न केवल हमारे सशस्त्र बलों और उपकरणों की तेज व कुशल आवाजाही सुनिश्चित करेगी, बल्कि लद्दाख में आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बढ़ावा देगी।

अग्निपथ पर....

105 साल का हो चुका होगा। क्या तर्क दे रहे हैं? मेरे लिए दल नहीं देश सर्वोपरि है। हम राजनीति के लिए नहीं राष्ट्रनीति के लिए काम करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सेना ने बीते वर्षों में कई साहसिक निर्णय लिए हैं। इसका एक उदाहरण अग्निपथ योजना भी है। अग्निपथ का लक्ष्य सेना को युवा बनाना, निरंतर योग्य बनाना है। सेना को लोगों ने राजनीति का अखाड़ा बनाया। सेनाओं को घोटालों से कमजोर किया। पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक भारत की सेना की उम्र युवा होने पर चर्चा होती रही। लेकिन इस पर कोई समाधान नहीं किया गया। पहले कुछ लोगों का मानना था, सिर्फ नेताओं को सलाम करना। लेकिन हमारे लिए सेना का 140 करोड़ लोगों की आस्था, देश की सुरक्षा की गारंटी।

अग्निपथ का लक्ष्य सेनाओं को युद्ध के लिए योग्य बनाए रखना है। विपक्ष भ्रम फैला रहा है कि सरकार इस योजना से पेंशन के पैसे बचा रही है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि सेना पेंशन का पैसा बचाने के लिए ये योजना लेकर आई है। लेकिन आज भर्ती हुए सैनिक को तीस साल बाद पेंशन मिलनी है। तब मोदी की उम्र 105 साल होगी। क्या तब भी मोदी सरकार होगी। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग देश के युवाओं को गुमराह कर रहे हैं। उनका इतिहास साक्षी है कि उन्हें सैनिकों की कोई परवाह नहीं है। ये वही लोग हैं, जिन्होंने 500 करोड़ की मामूली रकम दिखाकर ओआरओपी पर झूठ बोला। ये हमारी सरकार है, जिसने आरोप लागू किया। पूर्व सैनिकों को 1.25 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा दिए गए। पीएम मोदी ने कहा कि हम राजनीति के लिए नहीं, राष्ट्रनीति के लिए काम करते हैं। हमारे लिए राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। हमारे लिए 140 करोड़ लोगों की शांति सबसे पहले है।

पीएम मोदी ने कहा कि दुर्भाग्य से राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इतने संवेदनशील विषय को कुछ लोगों ने राजनीति का विषय बना दिया है। कुछ लोग सेना के इस रिफार्म पर भी अपने व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए झूठ की राजनीति कर रहे हैं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने सेनाओं में हजारों-करोड़ के घोटाले करके हमारी सेनाओं को कमजोर किया। ये वही लोग हैं, जो चाहते थे कि एयरफोर्स को कभी आधुनिक फाइटर जेट न मिल पाएं। ये वही लोग हैं, जिन्होंने तेजस फाइटर प्लेन को भी डिब्बे में बंद करने की तैयारी कर ली थी।

युद्ध नायकों....

वीर माताओं और युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों के रिश्तेदारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। करगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों के सैनिकों ने सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में कठोर मौसम की स्थिति में लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप द्रास, करगिल और बटालिक सेक्टरों में दुश्मन को हार का सामना करना पड़ा था।

करगिल विजय दिवस भारत के सैन्य इतिहास में एक गौरवशाली दिन है। करगिल वह क्षेत्र है, जहां भारत और पाकिस्तानी सेना ने युद्ध किया और पड़ोसी मुल्क के कब्जे से करगिल द्रास क्षेत्र को आजाद कराया। इस दिन भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ विजय गाथा लिखी। भारत-पाकिस्तान की इस सैन्य जंग को इतिहास में विजय के प्रतीक के तौर पर मनाया जाता है और हर साल करगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन, भारत वीर सैनिकों के साहस और बलिदान को याद करता है जिन्होंने देश की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा की। करगिल विजय दिवस 26 जुलाई को मनाया जाता है।

1999 में भारत और पाकिस्तानी सेना के बीच करगिल युद्ध हुआ था। करगिल युद्ध में भारतीय सेना की विजय का प्रतीक है। करगिल युद्ध मई से जुलाई 1999 के बीच भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं के बीच लड़ा गया था। यह युद्ध जम्मू-कश्मीर राज्य के करगिल जिले में हुआ। 1999 की शुरुआत में, पाकिस्तानी सैनिकों ने गुप्त रूप से नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की और करगिल की ऊंची चोटियों पर कब्जा कर लिया था।

... तो मुस्लिम दुकानदार....

कांवड़ियों की शिकायतों के बाद दिए गए थे, जिसमें कांवड़ियों ने यात्रा के दौरान परोसे जाने वाले भोजन की पवित्रता पर चिंता जताई थी।

धार्मिक प्रथाओं के अनुरूप खाने की तैयारी को लेकर शिकायतें मिली थीं। जिसके बाद कांवड़ मार्गों पर दुकानदारों से नाम पट्टिका लगाने संबंधी आदेश दिए गए थे। गौरतलब है कि कांवड़ यात्रा, एक वार्षिक तीर्थयात्रा है जहाँ भगवान शिव के भक्त, जिन्हें कांवड़ियों के रूप में जाना जाता है, गंगा नदी से पवित्र जल लाने के लिए यात्रा करते हैं। कांवड़ यात्रा में हर साल लाखों लोग भाग लेते हैं।

सरकार के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर हुई थी, जिस पर एकतरफा सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के आदेश पर रोक लगा दी थी। अब राज्य सरकार का हलफनामा मिलने के बाद भी अदालत ने आदेश पर रोक जारी रखने का फैसला किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि निर्देश के पीछे का उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान पारदर्शिता कायम करना और यात्रा के दौरान उपभोक्ताओं/कांवड़ियों को उनके द्वारा खाए जाने वाले भोजन के बारे में जानकारी देना था। ये निर्देश कांवड़ियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर दिए गए ताकि वे गलती से कुछ ऐसा न खाएं, जो उनकी आस्थाओं के खिलाफ हो। उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि राज्य सरकार ने खाद्य विक्रेताओं के व्यापार या व्यवसाय पर कोई प्रतिबंध या निषेध नहीं लगाया है (मांसाहारी भोजन बेचने पर प्रतिबंध को छोड़कर), और वे अपना व्यवसाय सामान्य रूप से करने के लिए स्वतंत्र हैं। हलफनामे में कहा गया है, मालिकों के नाम और पहचान प्रदर्शित करने की आवश्यकता पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कांवड़ियों के बीच किसी भी संभावित भ्रम से बचने के लिए एक अतिरिक्त उपाय मात्र है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल किए गए अपने जवाब में यूपी सरकार ने कहा है कि राज्य ने खाद्य विक्रेताओं के व्यापार या व्यवसाय पर कोई प्रतिबंध या निषेध नहीं लगाया है (मांसाहारी भोजन बेचने पर प्रतिबंध को छोड़कर), और वे अपना व्यवसाय सामान्य रूप से करने के लिए स्वतंत्र हैं। सरकार ने कहा है कि मालिकों के नाम और पहचान प्रदर्शित करने की आवश्यकता पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कांवड़ियों के बीच किसी भी संभावित भ्रम से बचने के लिए एक अतिरिक्त उपाय मात्र है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने नेमप्लेट विवाद में दाखिल याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा है कि प्रेस विज्ञप्ति पूरी तरह से कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण समापन को सुनिश्चित करने के लिए जनहित में जारी की गई थी, जिसमें सालाना 4.07 करोड़ से अधिक कांवड़िया भाग लेते हैं। उसका कहना है कि वह किसी भी धर्म के लोगों की धार्मिक भावनाओं की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार ने कहा, हमारे संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने के नाते, प्रत्येक व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं की रक्षा करता है, चाहे उसका धर्म कुछ भी हो। राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा कदम उठाता है कि सभी धर्मों के त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाएं।

मुस्लिम वोटर ....

हुए कहा, यह मैं ऑन रिकार्ड कह रहा हूं और यह अत्यंत गंभीर मामला है। अगर मेरी बात गलत साबित होती है तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद से लोगों ने हिंदुओं पर अत्याचार किया है। झारखंड पुलिस कार्रवाई करने में असमर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि पूरे मालदा, मुर्शिदाबाद, अररिया, कटिहार, किशनगंज से आए लोगों ने हिंदुओं पर अत्याचार किया है। उन्होंने कहा कि वे भारत सरकार से इस मामले में हस्तक्षेप करने और इन इलाकों को यूनियन टेरिटरी मानने की मांग करते हैं।

क्यों नहीं ...

द्वारा पारित विधेयकों को राज्यपाल द्वारा मंजूरी न दिए जाने से जुड़ा है। राज्य सरकारों का आरोप है कि राज्यपाल इन विधेयकों पर अपनी सहमति नहीं दे रहे हैं, जिससे जनता को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से लाए गए अहम विधायी उपायों में देरी हो रही है। राज्य सरकारों की याचिका पर ही सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल कार्यालयों और केंद्र को नोटिस जारी किया है।

अग्निवीरों को पुलिस....

मजबूत जवान के रूप में अपनी सेवा देने के लिए आगे बढ़ रहे हैं। दुर्भाग्य है कि कुछ राजनीतिक दलों के लिए स्वयं की राजनीति देश से बड़ी हो गई है। वो देश की कीमत पर राजनीति करना चाहते हैं। वह हर रिफॉर्म और प्रगति वाले कार्य में टांग अड़ाने, गुमराह करने और बयानबाजी करने जैसे कृत्य करते रहते हैं। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर लगातार युवाओं को गुमराह कर रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि आज अग्निवीर में युवा उत्साह के साथ भर्ती हो रहे हैं। इसके बाद उन्हें पैरा मिलिट्री और सिविल पुलिस में समायोजित करने की व्यवस्था की जा रही है। यूपी सरकार ने भी कहा है कि अग्निवीर की योजना जैसे-जैसे आगे बढ़ती है और जब ये युवा अपनी सेवा के बाद वापस आएंगे तो हम यूपी पुलिस और पीएसी बल में इनके समायोजन की सुविधा और वेटेज देंगे। अग्निवीरों के रूप में ट्रेन्ड और अनुशासित युवा हमें मिलेंगे। इसके लिए हमारी सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेना में रिफॉर्म के इस अभियान को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सर्वोपरि मानते हुए हमें आगे बढ़ाना चाहिए।

फिर खालिस्तानी.....

कहा हैं कि केंद्र सरकार ने एक चुने हुए सांसद को जेल में बंद कर रखा। यह अभिव्यक्ति की आज़ादी के खिलाफ है। आप फिर से याद करते चलें मोना सिख (जो बाल न बढाई और पगड़ी न पहने) अमृतपाल सिंह अचानक सिखों का गुरु बन बैठा। अचानक जरनैल सिंह भिंडरावाले की तरह उपक्रम करने लगा। अमृतपाल सिंह उन औकात में पहुंच गया कि उसने सिखों को कृषि कानूनों के विरोध के नाम पर मोदी सरकार के खिलाफ भड़काया। अमृतपाल सिंह खुद को जरनैल सिंह भिंडरांवाले से प्रेरित बताने लगा और उसी की तरह वेशभूषा रखने लगा। भिंडरांवाले के गांव में अमृतपाल ने रैली भी की। उस रैली में उसने कहा कि देश के सिख गुलाम हैं और उन्हें आज़ादी के लिए लड़ने की जरूरत है। 24 फरवरी 2023 को अमृतपाल सिंह के समर्थकों ने अजनाला में पुलिस थाने पर हमला बोल दिया और लवप्रीत सिंह नामक शख्स को छुड़ा लिया। बाद में उसे गिरफ्तार किया गया और अभी वह असम के डिब्रूगढ़ जेल में बंद है।

देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड अनालिसिस विंग (रॉ) के स्पेशल सेक्रेटरी रहे जीबीसीएस सिद्धू ने कहा था कि तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व ने हिंदुओं को भयभीत करने के लिए जरनैल सिंह भिंडरांवाले को खड़ा किया था। कांग्रेस की मंशा थी कि देश की अखंडता को लेकर लोगों में भय पैदा हो। जीबीएस सिद्धू का कहना था कि खालिस्तान का मुद्दा अस्तित्व में ही नहीं था, इसे कांग्रेस द्वारा लाया गया। कांग्रेस ने उसे एक ऊंचे दर्जे का संत बनाने की कोशिश की। खुद कमलनाथ ने यह बात कही थी कि कांग्रेस पार्टी जरनैल सिंह भिंडरांवाले को पैसे भेजती थी। लेकिन कांग्रेस अपनी करनी का खुद शिकार बन गई। अब वह फिर से अपनी गलती दो-हरा रही है। कांग्रेस पार्टी फिर से पंजाब में सत्ता पाने और पूरे देश को आग में झोंकने के लिए अमृतपाल सिंह में अपना सत्ता-संत देख रही है। उसे भिंडरावाले बना रही है। आप ध्यान से समझिए, संसद में खालिस्तानी अमतृतपाल सिंह की रिहाई की कांग्रेसी सांसद मांग करते हैं और राहुल गांधी सिख किसान नेताओं के साथ संसद में बंद कमरे में वार्ता करते हैं। राहुल गांधी विदेश जाकर कह चुके हैं कि पूरे देश में केरोसिन तेल छिड़का हुआ है, बस एक छोटी सी चिंगारी और सब कुछ जल उठेगा।

लड़ाकू विमानों के ....

सरकार की ओर से बकाया भुगतान न करने पर अमेरिकी कंपनी ने पाकिस्तान सेना को डिलीवर किए जाने वाले अन्य जरूरी उपकरणों पर भी फिलहाल रोक लगा दी है।

पाकिस्तान एयर फोर्स की ओर से लड़ाकू विमान एफ-16 की देखरेख के लिए कराची स्थित मिराज रिबिल्ड फैक्ट्री ने सरकार को एक चिट्ठी लिखी है। इस गोपनीय चिट्ठी में पाकिस्तान एयर फोर्स के लड़ाकू विमान एफ-16 के इंजन में आ रही जरूरत के स्पेयर पार्ट्स की कमी का जिक्र किया गया है। चिट्ठी में इस बात का उल्लेख है कि अमेरिकी कंपनी प्राइट एंड विटनी के साथ पाकिस्तान का करार है। इस करार के तहत लड़ाकू विमान के रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी से लेकर जहाज के उत्पादन अमेरिका की इसी कंपनी की है। बीते कुछ समय से पाकिस्तान के लड़ाकू विमान की मरम्मत और उत्पादन के लिए जब इस कंपनी से संपर्क किया गया तो उसने पाकिस्तान में अपने आवश्यक स्पेयर पार्ट्स को और अन्य जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने से मना कर दिया। यही नहीं जिन आवश्यक स्पेयर पार्ट्स की वजह से जहाज के उत्पादन की जरूरतें पूरी होती थीं, वह भी बकाया भुगतान न होने के चलते कंपनी ने रोक दिया है।

अमेरिकी कंपनी ने पाकिस्तान से अपना पुराना बकाया करीब तीन लाख अमेरिकी डॉलर तुरंत भुगतान करने को कहा है। लेकिन यह भुगतान नहीं कर पाया। कंपनी द्वारा काम रोक देने से पाकिस्तान वायुसेना पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। पाकिस्तान एयरोनॉटिकल के तकनीकी निदेशालय ने लचर वित्तीय परिसंपत्तियों के बावजूद भी पाकिस्तान सरकार को आगे लिखा है कि उनकी इस जरूरत को हर हाल में पूरा किया जाए। सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड स्ट्रेटजी ऑफ एशिया पेसिफिक के उपनिदेशक डॉ. अखिल सिंह कहते हैं कि पाकिस्तान के रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार गिरती चली जा रही है। वहां महंगाई चरम पर है। विदेश से लिया गया कर्ज पाकिस्तान चुकाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में पाकिस्तान के सामने यह चुनौतियां तो हैं ही कि आखिर वह अपने बकाए का भुगतान कैसे करे।

भारतीय सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर हरमोहिंदर सिंह कहते हैं कि बकाया भुगतान न करने की यह स्थिति पाकिस्तान की पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले भी पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त बेज्जती होती रही है। वह कहते हैं कि दुनिया के अलग-अलग देश में चल रही पाकिस्तान की एंबेसी में कर्मचारियों के भुगतान से लेकर वहां के वाहनों के लिए भुगतान की लगातार चिट्ठियां पाकिस्तान को लिखी जाती रही हैं।

इसलिए अगर अमेरिका की इस कंपनी ने पाकिस्तान को अपने बकाया भुगतान की चिट्ठी लिखी है तो इसमें कुछ भी नया नहीं है। लेकिन ब्रिगेडियर हरमोहिंदर कहते हैं जो सबसे महत्वपूर्ण और पाकिस्तान के लिए झटके वाली बात है वह यह है कि उक्त कंपनी ने उन जरूरी उपकरणों की आपूर्ति ठप कर दी है। ऐसी दशा में पाकिस्तान की सेना कमजोर स्थिति में तो पहुंच ही चुकी होगी।

अगस्त में कब मनाई जाएगी एकादशी? जानें तिथि और शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म मानने वालों के लिए एकादशी भगवान विष्णु की पूजा का सबसे शुभ दिन होता है। इस दिन का भक्तों के लिए बहुत बड़ा आध्यात्मिक महत्व है। एकादशी शुक्ल पक्ष और कृष्ण पक्ष के दौरान आती है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा की जाती है, जिससे जीवन की सभी समस्याओं का हल होता है। इस आर्टिकल में आपको बताते हैं कि अगस्त महीने में एकादशी किस डेट को पड़ेगी।

पुत्रदा एकादशी तिथि व शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग की मानें तो सावन माह में पुत्रदा एकादशी 15 अगस्त को सुबह 10 बजकर 26 मिनट से शुरू होकर 16 अगस्त को सुबह 9 बजकर 39 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि को ध्यान में रखते हुए 16 अगस्त, 2024 को पुत्रदा एकादशी को मनाई जाएगी।

अजा एकादशी तिथि व शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचाग की मानें तो अजा एकादशी तिथि 29 अगस्त 2024 दिन गुरुवार को रात्रि 01 बजकर 18 मिनट पर शुरू होकर 30 अगस्त 2024 दिन शुक्रवार रात्रि 01 बजकर 37 मिनट पर समाप्ति होगी। 29 अगस्त के दिन अजा एकादशी मनाई जाएगी।

एकादशी में भगवान विष्णु के इस मंत्र का करें जाप

ॐ भूरिदा भूरि देहिनो, मा दभ्रं भूर्या भर। भूरि घेदिन्द्र दित्ससि।

ॐ भूरिदा त्यसि श्रुत: पुरूत्रा शूर वृत्रहन्। आ नो भजस्व राधसि।

ॐ ह्रीं कार्तविर्यार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते।।

दन्ताभये चक्र दरो दधानं, कराग्रगस्वर्णघटं त्रिनेत्रम्। धृताब्जया लिंगितमब्धिपुत्रया लक्ष्मी (मां लक्ष्मी की पूजा के नियम) गणेशं कनकाभमीडे।।

2 अगस्त को रखा जाएगा सावन शिवरात्रि का व्रत, पूजा सामग्री में शामिल करें यह विशेष चीजें

सावन माह का हर दिन अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में सावन शिवरात्रि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए एक खास दिन होता है। मान्यताओं के अनुसार, शिवरात्रि के दिन व्रत करके शिवजी की पूजा करने से जीवन में चल रही समस्याओं से मुक्ति मिलती है। कहा जाता है कि श्रावण मास में पड़ने वाली शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा करने से वे जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं। इस दिन शिवजी की पूजा करने से अविवाहितों को मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति होती है।

सावन शिवरात्रि व्रत

वैदिक पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि में शिवरात्रि व्रत शुक्रवार, 2 अगस्त को रखा जाने वाला है। इस दिन पूजा के लिए शुभ मुहूर्त दोपहर 12:15 से 3 अगस्त को 1:00 बजे तक रहेगा।

उदया तिथि के अनुसार, सावन शिवरात्रि का व्रत 2 अगस्त 2024 को रखा जाएगा। इस दिन पूजा सामग्री में दूध, जल, रोली, चन्दन, बेल पात्र, दूर्वा, घी का दीपक, दूप, मौसमी फल, फूल, मोली यानी कलावा, इत्र और चढ़ावा शामिल करें।

सावन शिवरात्रि पूजा विधि

सावन शिवरात्रि के दिन सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य देव को जल अर्पित करना चाहिए।

एक लोटे में दूध, जल, चावल, शक्कर और जल मिलाकर, पूजा सामग्री इकट्ठी कर किसी शिव मंदिर जाएं।

सबसे पहले भगवान शिव के आगे हाथ जोड़े और उनसे अपनी पूजा स्वीकार करने के लिए प्रार्थना करें।

भगवान शिव को चंदन लगाएं, इत्र अर्पित करें। इसके बाद भगवान गणेश को दूर्वा चढ़ाएं।

भगवान शिव, गणेश जी, कार्तिकेय जी, माता पार्वती और नंदी जी पर फूल अर्पित करें।

देवी पार्वती को कुमकुम का तिलक करें। भगवान गणेश और कार्तिकेय जी को भी कुमकुम का तिलक करें।

भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय जी पर मौली भी अर्पित करें। शिव जी के सामने फल समर्पित करें।

ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप करते हुए भगवान शिव पर जल की धारा अर्पित करें। धूप-दीप जलाएं।

भगवान शिव की आरती करें और भगवान से हाथ जोड़कर पूजा में जो भी भूल हुई हो उसके लिए क्षमा मांगे।

सावन शिवरात्रि व्रत पारण

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन शिवरात्रि का व्रत 2 अगस्त को किया जाएगा। वहीं, पारण अगले दिन यानी शनिवार 3 अगस्त को किया जाएगा। पारण के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 6:17 से दोपहर 3:45 तक रहेगा।

सावन में कब पड़ रही है हरियाली तीज? विधि-विधान से करें शिव शक्ति की पूजा

वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहे इसके लिए महिलाएं हरियाली तीज का व्रत रखती हैं। हरियाली तीज का व्रत पति की लंबी उम्र के लिए भी रखा जाता है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित होता है। इस दिन शिव-शक्ति की विधि-विधान से पूजा की जाती है, ताकि उनका आशीर्वाद दांपत्य जीवन पर बना रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड में हरियाली तीज को धूमधाम से मनाया जाता है। इसे सावन तीज भी कहते हैं।

हरियाली तीज तिथि 2024

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस साल हरियाली तीज 7 अगस्त 2024 बुधवार को मनाई जाने वाली है। सावन के महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 6 अगस्त 2024 को रात 7:52 से शुरू होगी। इस तिथि का समापन 7 अगस्त 2024 को रात 10:05 पर होगा।

हरियाली तीज के दिन सुबह 6:00 बजे से लेकर 9:00 के बीच पूजा की जा सकती है। इसके बाद 12:00 बजे से लेकर 12:30 तक पूजा के लिए शुभ मुहूर्त है। वहीं, शाम के समय 4:30 से लेकर 6:00 बजे तक पूजा की जा सकती है।

हरियाली तीज पूजा विधि

हरियाली तीज के दिन सुहागिन महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होकर अपने मायके की ओर से आए कपड़े और श्रृंगार के समान का इस्तेमाल करती हैं।

इसके बाद शुभ मुहूर्त में शिव-शक्ति के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें।

सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें, इसके बाद माता पार्वती को सोलह श्रृंगार की सामग्री अर्पित करें।

इसके साथ ही देवी पार्वती को साड़ी, अक्षत, दीप, धूप, गंध आदि चढ़ाएं। वहीं, भगवान शिव को भांग, धतूरा, बेलपत्र, सफेद फूल, गंध, धूप आदि समर्पित करें।

इसके बाद हरियाली तीज की कथा सुनें और आरती करें। पूजा समाप्त होने के बाद सभी में प्रसाद और पंचामृत बांट दें।

हरियाली तीज का महत्व

बता दें कि सावन माह में ही देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या की थी और निर्जला व्रत किया था। इसके बाद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन माता पार्वती ने कठोर तप और निर्जला व्रत से शिव जी को प्रसन्न कर लिया था। शिव जी ने इसी दिन उन्हें दर्शन दिए थे और देवी पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से हरियाली तीज के दिन व्रत रखा जाने लगा।

रक्षाबंधन, जन्माष्टमी समेत अगस्त माह में मनाए जाएंगे यह प्रमुख व्रत-त्योहार

सावन का महीना 22 जुलाई से शुरू हो चुका है। यह 19 अगस्त तक चलेगा। सावन के महीने में कई मुख्य त्योहार मनाए जाते हैं। मुख्य रूप से सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दौरान भक्त कई प्रकार के कार्य करते हैं, जिससे शिव जी को प्रसन्न किया जा सके। वहीं सावन के हर मंगलवार को मंगला गौरी व्रत किया जाता है, जो कि देवी पार्वती को समर्पित होता है। इस महीने रक्षाबंधन, नागपंचमी, हरियाली तीज जैसे त्योहार मनाए जाते हैं।

अगस्त 2024 व्रत-त्योहार लिस्ट

अंग्रेजी कैलेंडर का आठवां महीना यानी अगस्त मास जल्द ही शुरू होने वाला है। धार्मिक दृष्टि से अगस्त का पूरा महीना व्रत-त्योहार से पूर्ण है। इस तरह अगस्त का महीना महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानते हैं कि अगस्त में पड़ने वाले व्रत-त्योहार कौन से हैं।

27 जुलाई, शनिवार – कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
29 जुलाई, सोमवार – दूसरा सावन सोमवार व्रत
30 जुलाई, मंगलवार – दूसरा मंगला गौरी व्रत
31 जुलाई, बुधवार – कामिका एकादशी
05 अगस्त, सोमवार – तीसरा सावन सोमवार व्रत
06 अगस्त, मंगलवार – तीसरा मंगला गौरी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी
08 अगस्त, गुरुवार – विनायक चतुर्थी
09 अगस्त, शुक्रवार – नाग पंचमी
12 अगस्त, सोमवार – चौथा सावन सोमवार व्रत
13 अगस्त, मंगलवार – चौथा मंगला गौरी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी
16 अगस्त, शुक्रवार – पुत्रदा एकादशी
19 अगस्त, सोमवार – रक्षा बंधन, पांचवां सावन सोमवार व्रत, सावन समाप्त
22 अगस्त, गुरुवार – कजरी तीज
26 अगस्त, सोमवार – जन्माष्टमी
29 अगस्त, गुरुवार – अजा एकादशी
31 अगस्त, शनिवार – प्रदोष व्रत

वाणी की मधुरता भी तय करती है आपकी सफलता

जानें क्या कहते हैं आचार्य चाणक्य

अगर आपको कड़ी मेहनत के बावजूद सफलता नहीं मिल रही है तो आपको चाणक्य नीति के कुछ नियमों को जानने की जरूरत है। अगर आप इन नियमों का पालन करेंगे तो आपको जल्द ही जीवन में सफलता मिलेगी और आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। चाणक्य नीति के अनुसार व्यक्ति के गुण उसकी सफलता निर्धारित करते हैं, इसके विपरीत व्यक्ति की गलतियां उसकी असफलता का कारण बनती हैं। जिसकी गलतियां अधिक होंगी वह सफल नहीं होगा।

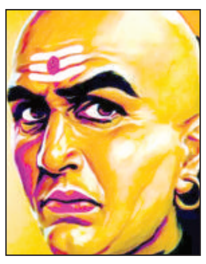

असफलता कुछ नया सिखाती है

असफलता जीवन का एक हिस्सा है और चाणक्य गलतियों से सीखने के महत्व पर जोर देते हैं। अपनी गलतियों का विश्लेषण करें, उनके द्वारा सिखाए गए पाठों को पहचानें और मजबूत और समझदार बनने के लिए उनका उपयोग करें। इससे लोग कुछ नया सीख सकते हैं।

आलस्य से बड़ा कोई शत्रु नहीं

ऐसा माना जाता है कि मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु आलस्य है। चाणक्य कहते हैं कि आलसी या जिन लोगों में महत्वाकांक्षा की कमी होती है ऐसे लोगों से हमेशा बाख कर रहना चाहिए। ऐसे लोगों में प्रेरणा की कमी होती है और इसीलिए ऐसे लोग आपकी प्रगति में बाधक बन सकते हैं और आपको कभी ऊँचाइयों पर पहुंचने नहीं देना चाहते हैं।

स्वयं की देखरेख करें

जीवन में तनाव को प्रबंधित करने के लिए शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से अपना ख्याल रखना महत्वपूर्ण है। चाणक्य के अनुसार व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा होगा तभी वह आगे कुछ कर पाएगा। इसीलिए उन्होंने व्यायाम, ध्यान और पर्याप्त आराम की वकालत की।

अच्छी वाणी से भी मिलती है सफलता

अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे और लोगों से प्यार से बात करेंगे तो आपको सफलता जरूर मिलेगी। यदि आपकी वाणी खराब है तो आप कभी सफल नहीं होंगे, फिर चाहे आप कितनी भी मेहनत कर लें। अगर आप अच्छा बोलते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं तो आपको सफलता हासिल करने से कोई नहीं रोक सकता। लेकिन सफल होने के लिए यह बहुत जरूरी है कि लोगों में धैर्य हो।

शिवलिंग पर क्यों नहीं चढ़ाए जाते तुलसी के पत्ते

भगवान विष्णु के श्राप से जुड़ा है रहस्य, जानिए पौराणिक कथा

इन दिनों सावन का महीना चल रहा है। मंदिरों में भी से भक्तों का तांता लगा हुआ है और भगवान शिव के विशेष अनुष्ठान किए जा रहे हैं। हिंदू मान्यता के अनुसार भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए जलाभिषेक किया जाता है और उन पर बेलपत्र भी चढ़ाया जाता है, लेकिन कुछ चीज ऐसी भी है, जिसे भगवान शिव पर चढ़ाना वर्जित माना गया है। इसके बारे में आपके यहां बताते हैं। दरअसल, पूजा के दौरान भगवान शिव को तुलसी के पत्ते नहीं चढ़ाए जाते हैं। इसको लेकर अलग-अलग पौराणिक कथा भी जुड़ी है, जिसके बारे में हम आपको बताते हैं।

पहली कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, एक समय जालंधर नाम का राक्षस हुआ करता था। उसकी पत्नी का नाम वृंदा था। जालंधर वृंदा पर बहुत अत्याचार करता था, जिसके कारण भगवान शिव ने श्री हरि को जालंधर को सबक सिखाने के लिए कहा। इसके बाद भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण कर वृंदा के प्रबंध धर्म को भंग कर दिया।

वृंदा को जब इस बार में पता चला तो वह क्रोधित हो गई और उसने भगवान विष्णु को पत्थर बनने का श्राप दे दिया। इस समय भगवान विष्णु ने वृंदा से कहा कि वह उसे जालंधर के अत्याचारों से बचा रहे थे और उन्होंने वृद्धा को श्राप दिया कि तुम लकड़ी की बन जाओ। कालांतर में वृंदा तुलसी बन गई। तुलसी को भगवान विष्णु का श्राप था और इसी श्राप के कारण तुलसी भगवान शिव की पूजा में नहीं चढ़ाई जाती।

दूसरी कथा

एक अन्य कथा के अनुसार जालंधर की पत्नी वृंदा पतिव्रता थी और इस कारण जालंधर अधिक शक्तिशाली हो गया था। ऐसे में जालंधर का अंत करने के लिए भगवान विष्णु ने उसी का रूप धारण किया और वृंदा का पतिव्रत धर्म भंग कर दिया।

जब वृंदा को इसकी जानकारी लगी, तो उसने खुद को आग के हवाले कर दिया। जिस जगह पर वृंदा ने खुद को आग लगाई, वहां तुलसी का पौधा उग गया। वृंदा ने तुलसी को शिव भगवान की पूजा में शामिल न करने का भी श्राप दिया था।

ये वस्तुएं भी है वर्जित

भगवान शिव को कनेर और लाल रंग के फूल भी पूजा में नहीं चढ़ाए जाते। इसके अलावा केतकी का फूल भी शिव पूजा में वर्जित माना गया है।

टॉलीवुड में काम करना समृद्ध अनुभव रहा: प्रिशा सिंह

प्रिशा सिंह, अल्लू सिरीश अभिनीत आगामी तेलुगु फिल्म बडी में मुख्य भूमिका में टॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। सैम एंटोन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अभिनेत्री एक एयर होस्टेस की भूमिका निभा रही हैं।इस अवसर को पाने के बारे में बात करते हुए प्रिशा कहती हैं कि उनके पोर्टफोलियो की तस्वीरें देखने के बाद फिल्म निर्माताओं ने उन्हें चुना। जब यह भूमिका उनके पास आई तो अभिनेत्री को शुरू में थोड़ी हैरानी हुई। मुझे पूरा भरोसा नहीं था कि मैं यह भूमिका निभा पाऊंगी या नहीं, क्योंकि इस भूमिका के लिए अलग व्यक्तित्व और व्यवहार पैटर्न की आवश्यकता थी। इसलिए मुझे थोड़ी तैयारी करनी पड़ी - बहुत सारी एयर होस्टेस, उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनके चलने और बात करने के तरीके आदि को देखना पड़ा। निर्देशक ने भी मुझे कुछ संदर्भ दिए और इन सबसे मुझे किरदार को अच्छी तरह समझने में मदद मिली, प्रिशा ने बताया।

अभिनेत्री का कहना है कि टॉलीवुड में काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है। वह प्रभावशाली भूमिकाएँ करने के लिए उत्सुक हैं, जो उन्हें अभिनय कौशल दिखाने का अवसर प्रदान करें।प्रिशा को वन्यजीव फोटोग्राफी के प्रति अपने जुनून के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर वाइल्ड लाइफ एक्सपीडिशन से कई तस्वीरें शेयर की हैं। वह एक वन्यजीव उत्साही हैं, जिन्हें सफारी पर जाना और पलों को कैद करना बहुत पसंद है और अब तक वह कुछ वन्यजीव अभियानों में जा चुकी हैं। प्रिशा कहती हैं, मुझे अपने जुनून के लिए वनस्पतियों और जीवों को कैद करना और सफारी करना पसंद है। मेरे लिए, फोटोग्राफी का मतलब सिर्फ़ जानवरों और वन्यजीवों को कैद करना नहीं है, बल्कि पलों और भावनाओं को उनके शुद्धतम रूप में कैद करना है। जब मैं उन कैप्चर को देखती हूँ, तो मुझे पुरानी यादें ताज़ा हो जाती हैं और मुझे संतुष्टि और गहन अनुभव का एहसास होता है। जंगल के साथ अपनी मुलाकात के ज़रिए, प्रिशा ने प्राकृतिक दुनिया के अजूबों के लिए गहरी प्रशंसा भी प्रेरित की।

वह कहती हैं, हर कैप्चर में बताने के लिए एक दिलचस्प कहानी होती है, उन्होंने आगे कहा कि वन्यजीव फोटोग्राफी ने उनके अभिनय कौशल को भी निखारा है। इसने मुझे कैमरे को और बेहतर तरीके से अपनाने के लिए प्रेरित किया।

रक्षित अटलूरी की फिल्म ऑपरेशन रावण के दमदार पोस्टर के साथ रिलीज डेट की घोषणा

आगामी फिल्म ऑपरेशन रावण में रक्षित अतलुरी और राधिका सरथ कुमार मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण ध्यान अतलुरी ने नए जमाने की सस्पेंस थ्रिलर के रूप में किया है और इसका निर्देशन वेंकट सत्या ने किया है। संगीर्थना विपिन नायिका की भूमिका निभा रही हैं।यह फिल्म एक द्विभाषी साइको थ्रिलर है।

निर्माताओं ने आज घोषणा की है कि फिल्म ऑपरेशन रावण, जिसने अपने सभी कार्यक्रम पूरे कर लिए हैं, 2 अगस्त को तेलुगु और तमिल में दुनिया भर में भव्य रूप से रिलीज़ होगी।

ऑपरेशन रावण की रिलीज डेट की घोषणा के दौरान जारी किए गए पोस्टर का शीर्षक था ए साइको स्टोरी। हीरो रक्षित अतलुरी के साथ एक्शन सीक्वेंस वाला यह पोस्टर दिलचस्पी जगा रहा है। राधिका सरथ कुमार, चरण राज और तमिल अभिनेता विद्या सागर फिल्म ऑपरेशन रावण में अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहे हैं। फिल्म की टीम इसकी सफलता को लेकर आश्वस्त है।

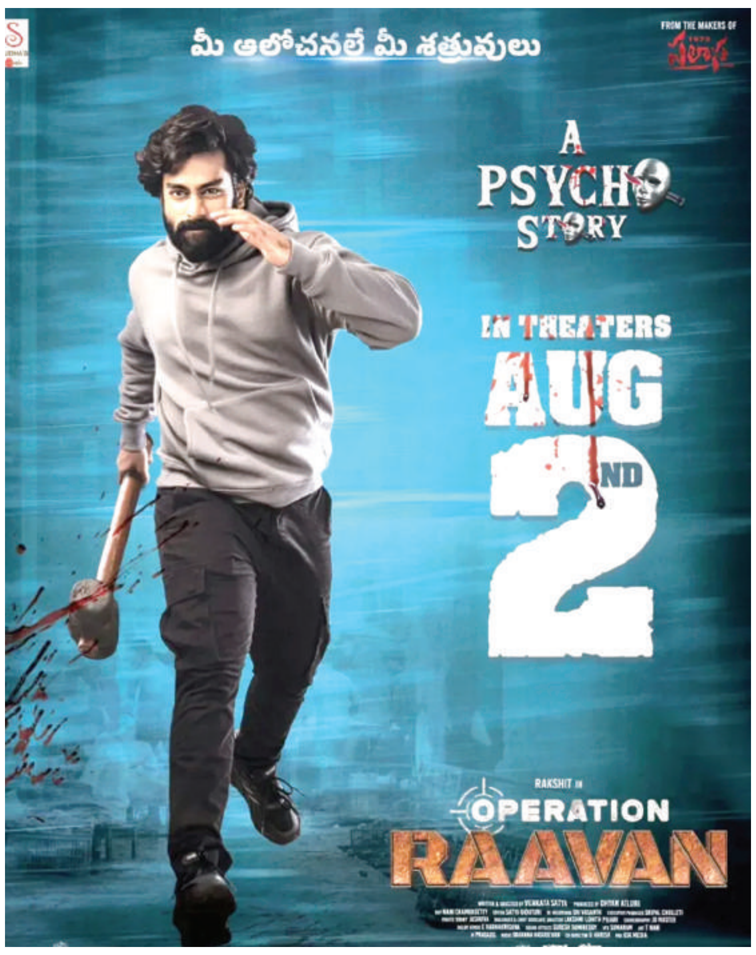

किरण अब्बावरम की पैन-इंडिया फिल्म केए का टीजर रिलीज

दमदार संगीत और विजुअल्स ने खींचा ध्यान

साउथ अभिनेता किरण अब्बवरम की आगामी पैन-इंडिया फिल्म केए का टीजर आज रिलीज हो गया है। टीजर में दमदार संगीत और आकर्षक विजुअल्स दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं। फिल्म का निर्देशन सुजीत और संदीप की जोड़ी द्वारा किया गया है, जिन्होंने इससे पहले भी कई सफल फिल्मों का निर्देशन किया है। फिल्म का निर्माण चिन्टा गोपाल कृष्णा रेड्डी द्वारा श्री चक्रास एंटरटेनमेंट्स के बैनर तले किया गया है। टीजर में किरण द्वारा निभाए गए एक डाकिया के इर्द-गिर्द एक अनूठी कहानी दिखाई गई है, जिसकी एक अजीब आदत है - वह दूसरों के लिए लिखे गए पत्रों को पढ़ता है। यह दिखने में हानिरहित लगने वाला काम संदिग्ध और तीव्र गतिविधियों की एक श्रृंखला की ओर ले जाता है, जो दर्शकों को मोहित कर देता है और उन्हें और अधिक देखने की इच्छा होती है।तकनीकी रूप से टीजर प्रभावशाली है, जो एक आकर्षक फ़िल्म होने का वादा करता है। किरण के किरदार पर ध्यान केंद्रित करना स्पष्ट है, जो उसकी यात्रा के लिए रहस्य और प्रत्याशा की भावना पैदा करता है।निर्देशक सुजीत और संदीप ने कुशलता से दर्शकों को बांधे रखा है, जिससे वे फ़िल्म के रहस्यों को जानने के लिए उत्सुक हैं। चिंता गोपाल कृष्ण रेड्डी के प्रोडक्शन वेंचर, केए में किरण की पत्नी, रायस्या गोरक भी भागीदार के रूप में हैं।सैम सीएस द्वारा फ़िल्म का बैकग्राउंड स्कोर पूरी तरह से कथा को पूरक बनाता है, जो सस्पेंस भरे माहौल को बढ़ाता है। केए के लिए योजनाबद्ध अखिल भारतीय रिलीज़ से पता चलता है कि फ़िल्म व्यापक दर्शकों तक पहुँचने की महत्वाकांक्षा रखती है।अपने आकर्षक आधार, सम्मोहक दृश्यों और दमदार अभिनय के साथ, केए किरण अब्बावरम के लिए एक आशाजनक परियोजना बनने के लिए तैयार है, जो संभावित रूप से उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगी।

सलमान और शाहरुख खान ने बीच पार्टी में देखी करण अर्जुन

29 साल बाद मिली फुर्सत

'करण अर्जुन' बॉलीवुड की उन आइकॉनिक फिल्मों में से एक है जिसे देखकर फैंस कभी भी बोर नहीं होते हैं। 29 साल बीत जाने के बाद भी लोगों के सिर पर सलमान और शाहरुख खान की इस फिल्म का सुरूर सिर चढ़कर बोलता है। मुझको राणा जी माफ करना गाना तो अब भी हर पार्टी की शान माना जाता है। राणा जी के डांस के बिना हर शादी अधूरी सी लगती है। ये बात खुद शाहरुख और सलमान खान भी जानते हैं। यही वजह है जो सालों बीत जाने के बाद भी शाहरुख खान और सलमान इस फिल्म को भुला नहीं पाए हैं। सोशल मीडिया पर सलमान खान और शाहरुख खान का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सलमान और शाहरुख खान एक साथ करण अर्जुन देखते नजर आ रहे हैं। जी हां, सही सुना आपने, सोशल मीडिया पर सलमान और शाहरुख खान का एक वीडियो फैंस का ध्यान खींच रहा है। इस वीडियो में सलमान और शाहरुख खान पार्टी करते नजर आ रहे हैं। पार्टी के दौरान सलमान और शाहरुख खान टीवी देखते नजर आए। फैंस उस समय चौंक गए जब टीवी पर उनको करण अर्जुन का एक सीन दिखाई दिया। इस सीन में ये बंधन तो प्यार का बंधन है... गाना चल रहा था। इसी बीच कैमरा पलटा तो सामने सलमान और शाहरुख खान दिखाई दिए। अपनी सुपरहिट फिल्म देखते समय सलमान और शाहरुख खान ने एक दूसरे के गले में हाथ भी डाला।

वनराज की नाक में दम करने के लिए डिंपल ने ली स्पेशल ट्रेनिंग

सीरियल अनुपमा में वनराज ने डिंपल का जीना हराम कर दिया है। शादी होने के बाद भी वनराज डिंपल को चैन से नहीं जीने दे रहा है। हाल तो ये हो गया है कि वनराज ने रोज तपिश को ही जलील करना शुरू कर दिया है। वनराज की इन हरकतों ने डिंपल और तपिश को काफी परेशान कर दिया है। इसी बीच डिंपल ने वनराज को बर्बाद करने की ट्रेनिंग लेनी शुरू कर दी है।सोशल मीडिया पर डिंपल का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो तोषु से अपने दुश्मन को बर्बाद करने की ट्रेनिंग लेती नजर आ रही है। वीडियो में तोषु रिक्शा चलाता नजर आ रहा है। तोषु को रिक्शा चलाते देखकर डिंपल ने उससे पूछा कि वो क्या कर रहा है। जवाब में तोषु डिंपल को बताता है कि समय ने उसे बर्बाद किया है। ऐसे में अब वो समय को ही बर्बाद करेगा।तोषु की बात सुनकर डिंपल का मुंह खुला का खुला रह गया। अब तोषु और डिंपल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर धमाल मचा रहा है। लोग तोषु और डिंपल की जमकर मजाक बना रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि तोषु और डिंपल के रहते वनराज को बर्बाद करने की कोई जरूरत नहीं है। ये काम करने के लिए तो उसके निकम्मे बच्चे ही काफी हैं। गौरतलब है कि इस समय सीरियल अनुपमा की कहानी में काफी कुछ चल रहा है।

ऐश्वर्या राय और अपने तलाक की खबरें सुनकर खराब हुआ अभिषेक बच्चन का दिमाग

पर्सनल लाइफ की उड़ी धज्जियां

बॉलीवुड के जानेमाने कपल ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन बीते काफी समय से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। दावा किया जा रहा है कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। अफवाहों का बाजार उस समय और भी ज्यादा गर्म हो गया जब अनंत अंबानी की शादी में ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन अलग अलग नजर आए। पूरा बच्चन परिवार इस शादी में ऐश्वर्या राय बच्चन को नजरअंदाज करता दिखा। जिसके बाद फैंस को यकीन हो गया कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन अलग हो गए हैं।

हालांकि अब तक भी ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने इस खबर पर कोई बयान नहीं दिया है। इसी बीच ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को लेकर एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। ताजा मिल रही जानकारी की मानें तो तलाक की उड़ रही इस खबर ने ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन को परेशान कर दिया है। खास तौर से अभिषेक बच्चन को इस खबर का लीक होना रास नहीं आ रहा है।बॉलीवुड लाइफ को मिली जानकारी की मानें तो अभिषेक बच्चन तलाक की उड़ रही अफवाहों से जरा भी खुश नही हैं। अभिषेक बच्चन और उनका परिवार इस खबर को छिपाकर रखना चाहता है।हालांकि मीडिया के होते हुए अभिषेक बच्चन के लिए ये काम करना आसान नहीं है।

सोशल मीडिया पर इस समय हर कोई ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन के बारे में ही बात कर रहा है। बीते दिन ही सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की शादी की अनदेखी तस्वीरें वायरल हो रही थीं। गौरतलब है कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन ने कभी भी अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में फैंस से बात नहीं की है। लोगों को आज भी नहीं पता कि ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की जिंदगी कैसी चल रही है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। हालाँकि प्यार में निराशा हाथ लग सकती है लेकिन हिम्मत मत हारिए क्योंकि आखिर में जीत सच्चे प्यार की ही होती है। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आपको चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज आपका दुःख बर्फ़ की तरह पिघल जाएगा। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। आज ऐसे बर्ताव करें जैसे कि आप 'सुपर-स्टार' हैं, लेकिन सिर्फ़ उन चीज़ों की ही प्रशंसा करें जो उसके क़ाबिल हैं। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवनसाथी के मामलों में ज़रूरत से ज़्यादा दखल देना उसकी झुंझलाहट का कारण बन सकता है। गुस्से को फिर से भड़कने से रोकने के लिए उसकी इजाज़त लें, तो आसानी से इस परेशानी को हल किया जा सकता है। ज़ाहिर तौर पर रोमांस के लिए पर्याप्त मौक़े हैं– लेकिन ऐसा बहुत कम समय के लिए है। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। हो सकता है कि आप अपने परिवार के लोगों की सभी बातों से सहमत न हों, लेकिन आपको उनके तजुर्बे से सीखने की कोशिश करनी चाहिए। किसी छोटी-मोटी बात को लेकर भी आपके प्रिय से आपकी नोंक-झोंक हो सकती है। अपनी बौद्धिक क्षमताओं का इस्तेमाल अपने हित में करें। इसकी मदद से आप पेशेवर योजनाओं और नए विचारों को पूरा कर सकते हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। तब तक कोई वादा न करें, जब तक कि आप पूरी तरह उसे पूरा करने में सक्षम न हों। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका प्रोत्साहन निश्चित तौर पर बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम का आह्लाद महसूस करने के लिए आप किसी नए व्यक्ति से मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। मातहतों को कड़ी मेहनत के लिए प्रेरित करना सकारात्मक परिणाम देगा। आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन में शारीरिक सुख के नज़रिए से कुछ ख़ूबसूरत परिवर्तन हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें। दूसरों की दख़लअन्दाज़ी गतिरोध पैदा कर सकती है। अपने काम में ऐसे लोगों की मदद लें, जिनकी सोच आपसे मेल खाती हो। सही वक़्त पर उनकी मदद अहम और फ़ायदेमंद होगी। ख़ास तौर पर मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन से जुड़े लोगों के लिए बढ़िया दिन है। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिज़ूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। दोस्तों के साथ कुछ करते वक़्त अपने हितों को अनदेखा न करें – हो सकता है कि वे आपकी ज़रूरतों को ज़्यादा गंभीरता से न लें। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रहा है और तरक़्क़ी साफ़ नज़र आ रही है। आज काफ़ी दिमाग़ी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ शतरंज खेल सकते हैं, वर्ग-पहेली हल कर सकते हैं, कोई कविता-कहानी लिख सकते हैं या भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। अपने दिन की योजना सावधानी से तय करें। ऐसे लोगों से बात करें, जो आपकी मदद कर सकते हैं। रोमांस आनन्ददायी और काफ़ी रोमांचक रहेगा। किसी भी तरह की साझीदारी करने से पहले उसके बारे में अपनी अंदरूनी भावना की बात ज़रूर सुनें। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आस-पास के लोगों का सहयोग आपको सुखद अनुभूति देगा। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें। आपको दोनों पर ही बराबर ध्यान देने की ज़रूरत है। हर रोज़ प्रेम में पड़ने की अपनी आदत को बदलिए। काम में धीमी प्रगति हल्का-सा मानसिक तनाव दे सकती है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अतिरिक्त आय के लिए अपने सृजनात्मक विचारों का सहारा लें। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। याद रखें कि प्यार ही प्यार को पैदा करता है। ख़ुशी के लिए नए संबंध की प्रतीक्षा करें। करिअर से जुड़े फ़ैसले ख़ुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। जिसके साथ आप रहते हैं, उससे वाद-विवाद करने से बचें। यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से बातचीत करके सुलझाएँ। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है। अगर आप व्यवसाय में किसी नये भागीदार को जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, तो यह ज़रूरी होगा कि उससे कोई भी वादा करने से पहले आप सभी तथ्य अच्छी तरह जाँच लें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 27 जुलाई 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : श्रावण , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 09:21 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 01:00 तक
योग : धृति रात्रि 10:43 तक
करण : विष्टि प्रातः 10:25 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 01:00 तक
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:41 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 03:06 रात्रि 04:19

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

समर्थन मूल्य पर बाजरा खरीद के मुद्दे को लेकर राजस्थान विधानसभा में हंगामा

जयपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर बाजरे की खरीद के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में जोरदार हंगामा हुआ और सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों ने एक-दूसरे पर निशाना साधा। सदन में मौजूद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी मामले में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि राज्य सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बाजरे की खरीद पर विचार करेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल में किसानों के साथ धोखा हुआ और एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं की गई।

प्रश्नकाल के दौरान निर्दलीय विधायक ऋतु बनावत ने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार की एमएसपी पर बाजरा खरीदने की कोई योजना है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने लिखित जवाब में बताया कि राज्य में वर्ष 2022-23 में 59,18,718 टन एवं 2023-24 में 43,82,760 टन बाजरे का उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि खरीफ खरीद सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के दौरान राज्य में एमएसपी पर बाजरा की खरीद का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया। बाजरे का लक्ष्य निर्धारित नहीं होने से खरीद नहीं हुई। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में आने वाली खरीफ फसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। गोदारा ने कहा कि यह गंभीर मसला है और हमारी सरकार किसानों के लिए हमेशा तत्पर रही है। उनके जवाब से असंतुष्ट कांग्रेस विधायकों ने नारेबाजी व हंगामा शुरू कर दिया। दोनों पक्ष के विधायक बोलने लगे।

गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए तत्पर है। हमारी सरकार के समय में गेहूं के समर्थन मूल्य पर 125 रुपये प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस देने, किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 650 करोड़ रुपये देने, पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी करने एवं कृषि कनेक्शन जारी करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लम्बे समय से राज्य में एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं की गई लेकिन हमारी सरकार इस पर गंभीरता से विचार करेगी। सदन में शोर-शराबा पर नाराजगी जताते हुए अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि हंगामा करने वालों को सदन से बाहर निकालने का प्रस्ताव सदन में लाया जाए। बाद में अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री शर्मा को शून्यकाल में सदन को संबोधित करने की अनुमति दी।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सदन में सवाल पूछने वालों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे जवाब भी सुनें। उन्होंने कहा, प्रश्न पूछा कि बाजरे की खरीद कितनी हुई। बाजरे की फसल अभी आने वाली है। सरकार बनने के बाद शायद यह बाजरे की पहली फसल होनी चाहिए लेकिन इस पर भी विचार करना चाहिए कि पांच साल में हमने उसकी कितनी खरीदारी की। उन्होंने कहा, मंत्री कह रहे हैं कि हमने आगामी बाजरे की फसल के लिए केंद्र सरकार को पत्र भी लिखा है। मुख्यमंत्री ने कहा, पिछली सरकार के समय हमें कई जगह धरना देना पड़ा क्योंकि हरियाणा, गुजरात, मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश के किसान को बाजरे का 2300 रुपये मूल्य प्रति क्विंटल मिला और हमारे किसान का बाजरा 1400-1500 रुपये में बिका था। अगर आप यह (प्रश्न) कह रहे हैं तो किसान के साथ धोखा किसने किया यह भी सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने कहा, मंत्री जी का जवाब पूरी तरह स्पष्ट था। हमारी सरकार जो कुछ कहेगी वह करके दिखाएगी यह हम विश्वास दिलाते हैं। शर्मा ने कहा कि हम किसानों को लाभान्वित करने का पूरा प्रयास करेंगे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, हम चाहते हैं कि हमने जो विशिष्ट प्रश्न उठाया है, उसका जवाब हमें मिले। घुमा फिरा के जवाब उसका नहीं दिया जाए।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाजरे को श्री अन्न कहा है। आपके खुद के घोषणा पत्र में था कि बाजरे की खरीद समर्थन मूल्य पर करेंगे। लेकिन खरीद नहीं हो रही। सदन में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हम तो चाहते हैं कि मंत्री का जवाब यह आए कि हमारे घोषणा पत्र में है और हम अबकी बार बाजरे की खरीद शुरू करेंगे। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सदन को निर्देश दिया कि कोई भी विधायक प्रदर्शन करते हुए आसन के समक्ष न आए। उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री से कहा कि वे इस मामले का संज्ञान लें और जरूरत पड़ने पर ऐसे सदस्यों को बाहर निकालने का प्रस्ताव लेकर आएं। सदन में बाद में कार्यवाही नियमित रूप से चलती रही।

बंडारू दत्तात्रेय ने करगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर चंडीमंदिर सैन्य स्टेशन में आयोजित एक भव्य पुष्पांजलि समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। इस समारोह में उन सैनिकों की वीरता और बलिदान को सम्मानित किया गया, जिन्होंने करगिल युद्ध में भाग लिया और देश की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दे दी।

श्री दत्तात्रेय ने सैनिकों की बहादुरी और समर्पण को याद रखने के महत्व पर बल देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी से उनके वीरतापूर्ण कार्यों से प्रेरणा लेने और देश के सम्मान और सुरक्षा के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने वीर बलिदानी सैनिकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए वीर स्मृति स्थल की विजिटर बुक में भी अपना संदेश अंकित किया।

इस समारोह में सेना की पश्चिमी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल मोहित वाधवा के साथ-साथ स्टेशन के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, जेस-ीओ और सैनिक भी मौजूद थे। इस अवसर पर करगिल युद्ध के दिग्गज और उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे, जिन्होंने करगिल के नायकों की विरासत के प्रति अपना सम्मान और प्रतिबद्धता दिखाई।

करगिल विजय दिवस हर साल 26 जुलाई को 1999 के करगिल युद्ध (ऑपरेशन विजय) में पाकिस्तान पर भारतीय सशस्त्र बलों की ऐतिहासिक जीत को चिन्हित करने और कर्तव्य की राह पर सर्वोच्च बलिदान देने वाले हमारे बहादुरों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है। राष्ट्र अपने सैनिकों के दृढ़ संकल्प और अद्वितीय साहस का सम्मान करता है।

बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों ने बिजली घर का किया घेराव

सिरसा, 26 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिला में बिजली की कटौती से लोग बेहद परेशान हैं। बिजली कटौती के कारण छोटे उद्योग धंधे बिल्कुल बंद होने के कागार पर पहुंच गए हैं जिससे रोजमर्रा की कमाकर खाने वाले बेहद परेशान है।

सिरसा हालांकि बिजली मंत्री रणजीत सिंह का गृह जिला है बावजूद इसके बिजली की कमी लोगों को खूब सता रही है। शुक्रवार को बिजली कटों से परेशान रघुआना के निवासियों ने पंजुआना सब डिवीजन का घेराव कर डाला। घरेलू बिजली सप्लाई में घंटों के कटों से परेशान किसान एसडीओ ऑफिस के मुख्य द्वार पर ही दरी बिछाकर बैठ गए और बिजली निगम के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। तभी एसडीओ निशित कुमार किसानों के बीच समस्या सुनने पहुंचे तो गुस्साए किसानों ने सबके सामने एसडीओ पर ही आम जन के साथ बदसलूकी के आरोप लगाए और निगम के भ्रष्ट अधिकारियों की पोल खोलने लगे। बिजली घर में धरना पर बैठे लोगों की एसडीओ निशित कुमार द्वारा समस्या के संबंध में ज्ञापन लेकर समाधान का भरोसा दिलाने पर लोगों ने धरना समाप्त किया।

इस मौके पर मौजूद बीकेई प्रदेशाध्यक्ष लखविंदर सिंह औलख ने कहा कि बिजली मंत्री रणजीत सिंह के गृह जिले सिरसा में लोगों को बिजली की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। हैरानी की बात तो ये है कि बिजली मंत्री ग्रामीण क्षेत्र के बारे में भली भांति जानते हुए भी इस पर मौन है। उन्होंने बताया कि गांव रघ-ुआना की ढाणियों की पंजुआना सब डिवीजन में पड़ते पन्नीवाला मोटा बिजली घर से छतरियां एपी लाइन जाती है, जिससे ढाणियों में रहते कई ग्रामीणों को बिजली सप्लाई दी जाती है, जिसका कट रात 12 बजे से सुबह तीन बजे तक और दूसरे शेड्यूल में सुबह चार बजे से सात बजे तक लगाया जाता है। जिसकी वजह से सारा दिन खेतों में थके हारे किसान व मजदूर गर्मी से बेहाल चैन की नींद भी नहीं सो पाते हैं। सुबह चार बजे से सात बजे वाले कट में बच्चों को स्कूल भेजने के लिए व घरेलू कामों जैसे दूध बिलौना, स्कूली बच्चों के कपड़े प्रेस करना सारे काम रुक जाते हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि विद्युत कटों के सिस्टम को नहीं सुधारा गया तो वे ओर तेज आंदोलन का उठाने को मजबूर होंगे।

वरिष्ठ सहायक 30 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

भरतपुर, 26 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने डीग के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक को 30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ब्यूरो के आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि परिवादी ने ब्यूरो के जयपुर मुख्यालय में शिकायत की उसके और उसकी पत्नी के पक्ष में जांच करने के लिये मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कार्यालय में वरिष्ठ सहायक देवेंद्र सिंह जांच समिति के नाम से 40 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। सूत्रों ने बताया कि बाद मे इसका सौदा 30 हजार रुपये में तय हुआ। सूत्रों ने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में गठित दल ने देवेंद्र सिंह को परिवादी से 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

पाकिस्तान से आए भाई-बहन को 20 साल बाद मिली भारत की नागरिकता

15 साल से अजमेर में रह रहे थे

अजमेर,26 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर जिले में रहने वाले तीन पाकिस्तानी भाई-बहन को शुक्रवार को भारत की नागरिकता प्राप्त हुई। उसके बाद उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उनके चेहरे पर नागरिकता मिलने की खुशी साफ देखी गई। अजमेर एडीएम सिटी गजेंद्र सिंह राठौड़ ने तीनों भाई बहन को भारत का नागरिकता प्रमाण पत्र सौंपा।

बता दें कि प्रमाण पत्र मिलने के बाद अपनी मां के साथ तीनों भाई-बहन ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया। यह तीनों भाई-बहन अपनी मां रमा देवी के साथ पिछले 15 साल से अजमेर में रह रहे थे। राजस्थान के जयपुर निवासी रमा देवी ने 45 साल पूर्व पाकिस्तान निवासी स्वर्गीय हंसराज से शादी की थी। नागरिकता प्राप्त करने वाले तीनों भाई-बहन सिंधी समाज से हैं।

नागरिकता प्राप्त करने वाले दिनेश सोनी ने बताया कि उनके बड़े भाई को साल 2019 में भारतीय नागरिकता प्राप्त हुई थी और आज उनकी बहन नीलकमल सोनी भाई महेश सोनी को भी भारत की नागरिकता प्राप्त हुई है, जिसको लेकर पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं, एडीएम सिटी गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि गृह मंत्रालय द्वारा आज तीन भाई-बहन को भारत की नागरिकता का प्रमाण पत्र सौंपा है।

उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से व्यक्तिगत तौर पर नागरिकता प्राप्त होती है। इससे पूर्व इनके माता-पिता को भारत की नागरिकता प्राप्त हुई थी और 2019 में इनके बड़े भाई को भारत की नागरिकता प्राप्त हुई थी। इन भाई-बहन के पिता मूल रूप से पाकिस्तान के थे। लेकिन एक निश्चित अवधि पूरी करने के बाद 15 साल भारत में रहने के बाद आज उनको भारत की नागरिकता मिलने के साथ ही वोट डालने सहित तमाम अधिकार इनको मिले हैं।

पुलिस टीम पर पथराव करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बदमाश को पकड़ने पहुंची टीम पर किया था हमला

अलवर,26 जुलाई (एजेंसियां)। अलवर की वैशाली नगर थाना पुलिस ने पिछले दिनों पुलिस पर हमला कर एक बदमाश को छुड़ा ले जाने वाले एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस पर दो हजार का इनाम भी घोषित किया था। बदमाश का नाम महमूद बताया गया है। पुलिस के अनुसार इस बदमाश ने पिछले दिनों फिरोज को पकड़ने मन्नाका गांव पहुंची पुलिस टीम पर पथराव करके फिरोज को वहां से भगा दिया था और तभी से यह भी फरार चल रहा था। पुलिस ने फिरोज को महाराष्ट्र में एक होटल से गिरफ्तार कर लिया था। फिरोज की गिरफ्तारी के बाद पुलिस महमूद को तलाश कर रही थी और अंततः उसे भी गिरफ्तार कर लिया।

मिनी ट्रक में जा रहा 567 किलो अवैध गांजा जब्त

नाकाबंदी के दौरान कार्रवाई, 5 आरोपी गिरफ्तार

सवाई माधोपुर,26 जुलाई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर जिले की रवाजंना डूंगर थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ आज एक बड़ी कार्रवाई की अंजाम दिया। पुलिस ने लालसोट-कोटा मेगा हाईवे स्थित रवाजंना चौड़ चौराहा पर नाकाबंदी कर एक मिनी ट्रक को पकड़ा।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने मिनी ट्रक से 567 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया है, जिसकी बाजार में लाखों की कीमत है। पुलिस ने मिनी ट्रक के साथ एक स्विफ्ट कार भी जब्त की है। इस दौरान पुलिस ने ट्रक चालक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। रवांजना डुंगर थानाधिकारी यदुवीर सिंह ने बताया कि -ढड उत्तरप्रदेश पुलिस से अवैध गांजे की बड़ी खेप आंध्रप्रदेश की तरफ से आने की सूचना मिली थी, जिस पर रवाजंना चौड़ चौराहे पर नाकाबंदी करवाई गई थी।

नाकाबंदी के दौरान पुलिस को यूपी -ढड के बताए हुलिए की एक टाटा पिकअप मिनी ट्रक आती हुई दिखाई दी। पुलिस ने मिनी ट्रक रुकवाकर उसकी जांच की तो मिनी ट्रक में पौधों की आड़ में बड़ी मात्रा में गांजा छिपाकर ले जाया जा रहा था। मिनी ट्रक से करीब 567 किलो गांजा जब्त हुआ है। इस मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लगातार बारिश से रूपारेल हुई लबालब

आसपास के गांवों में पानी भरने से बाहरी इलाकों के साथ संपर्क टूटा

अलवर,26 जुलाई (एजेंसियां)। सरिस्का में लगातार हो रही बारिश के चलते रूपारेल नदी में खूब पानी आ रहा है, इससे सारंगपुर, बलदेवपुरा आदि गांवों में भी पानी भर गया है। सरिस्का में इन दिनों अच्छी बारिश से वन्य जीवों पर भी खासा असर पड़ा है और वे स्वछंद विचरण कर रहे हैं। सरिस्का में इन दिनों पर्यटकों का आना-जाना भी बंद है। इधर लगातार हो रही बारिश से रूपारेल नदी में भी पानी की अच्छी आवक हो रही है। जिसके चलते गांवों में पानी भरने से आसपास के कई गांवों का बाहरी इलाकों से संपर्क टूट गया है। इसी परेशानी के चलते गांवों के लोग सड़क को पाटने के लिए छोटा बांध बनाने की मांग भी करने लगे हैं।

सरपंच इंदरमल मीणा ने बताया कि रूपारेल में बरसों बाद अच्छा पानी आया है लेकिन पानी भरने से करीब आधा दर्जन गांवों का संपर्क टूट गया है, सरकार को इस बारे में कोई कदम उठाना चाहिए।

सम्राट की कुर्सी दिलीप जायसवाल के लिए सदमा!

बिहार भाजपा के अध्यक्ष बने, छोड़ना पड़ेगा मंत्रीपद

पटना (एजेंसियां)।

यह सुख की खबर है या दु:ख की, यह फैसला डॉ. दिलीप जायसवाल वास्तविक रूप से जाहिर नहीं कर सकते हैं। लंबे समय से राजनीति कर रहे हैं। पहली बार बिहार सरकार के मंत्री बने। लेकिन, छह महीने बाद ही वह कुर्सी अब किसी भी समय जा सकती है। संगठन की जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जाहिर कर रहे हैं, लेकिन उन्हें यह पता है कि जिस तरह मंत्री बनाए जाने के कारण सम्राट चौधरी की कुर्सी छिन गई– उनकी भी छिनेगी। उन्होंने संगठन को मजबूती को अपनी प्राथमिकता बताते हुए बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी को खुशी–खुशी स्वीकार कर लिया है, लेकिन यह पक्का है कि उनके समर्थकों की खुशी पहले के मुकाबले घट गई है।

कहने के लिए उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह का करीबी कह सकते हैं। कहने के लिए उन्हें भाजपा के कोर वोट बैंक वैश्य

समाज का प्रमुख चेहरा कह सकते हैं। कहने के लिए बिहार की जातीय जनगणना में उन्हें 11वें और 12वें नंबर पर रही जातियों (तेली– 2.81%+बनिया–2.31%) के वोट बैंक का दावेदार कह सकते हैं। लेकिन, इन अच्छी बातों के बीच याद यह रखा जाएगा कि डॉ. दिलीप जायसवाल ने पिछले महीने अपनी ही राज्य सरकार में भ्रष्टाचार को लेकर सवाल खड़ा किया था। खुद मंत्री रहते हुए अपने ही विभाग के भ्रष्टाचार की पोल खोलने के बाद से कहा जा रहा था कि उनपर कोई बंदिश लग सकती है। तो, क्या यह बंदिश है? क्योंकि, भाजपा के प्रावधानों के हिसाब से कभी भी केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को भी राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद छोड़ना पड़ सकता है तो डॉ. दिलीप जायसवाल का यहां टिके रहना कहां संभव है!

सम्राट चौधरी मंत्री बनने के बाद छह महीने इसलिए टिक गए, क्योंकि बीच में लोकसभा चुनाव था। लोकसभा चुनाव के बीच भाजपा संगठन में उलटफेर नहीं करना चाहती थी, इसलिए वह कायम रह गए। कुशवाहा वोट बैंक पर उनके रहने से कोई सकारात्मक असर नहीं पड़ा, यह लोकसभा चुनाव में साफ दिख गया। यहां तक सम्राट चौधरी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा को भी उनकी काराकाट सीट पर जीत सुनिश्चित नहीं करा सके। इसके अलावा कुशवाहा वोटरों में सेंधमारी में महागठबंधन के कई नेता कामयाब भी रहे और राष्ट्रीय जनता दल ने ऐसे नेताओं को इज्जत भी बख्शी। ऐसे में सम्राट की कुर्सी छह महीने रह गई, वही काफी है।

चाणक्य इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिकल राइट्स एंड रिसर्च के अध्यक्ष सुनील कुमार सिन्हा कहते हैं– ''दूसरी पार्टी से आकर बिहार में भाजपा अध्यक्ष बने सम्राट चौधरी के मुकाबले भाजपा के कैडर डॉ. दिलीप जायसवाल की पार्टी में स्वीकार्यता ज्यादा होगी, इसमें कोई शक नहीं। सम्राट को लेकर पार्टी के पुराने नेता कई बार असहजता दिखा चुके थे। लंबे समय तक पार्टी के ओहदों पर रहे दिग्गज नेता सम्राट के आसपास आम तौर पर नहीं रहना चाहते थे। उन्हें इस बदलाव से राहत मिली होगी। लेकिन, जहां तक मंत्री पद और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के मौजूदा पद का सवाल है तो डॉ. दिलीप जायसवाल को फायदे से ज्यादा नुकसान होगा। फायदा तभी हो सकता है, जब वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अपनी इस नई जिम्मेदारी का लाभ पार्टी को व्यापक पैमाने पर दिला सकें। इससे पहले डॉ. संजय जायसवाल इस तरह का फायदा दिलाकर भी केंद्र में मंत्रीपद का इंतजार करते रह गए हैं, फिर भी डॉ. दिलीप जायसवाल खुद को अपवाद मानकर बढ़ सकते हैं।'' दूसरी तरफ मंत्रीपद की बात करें तो इसमें सरकारी ताकत तो रहती ही है, समर्थकों का कई काम आसानी से कराना संभव भी होता है। जहां तक बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का सवाल है तो सत्ताधारी दल की कमान संभालने के बाद पार्टी की परंपरा के तहत सभी मंत्रियों से ऊपर हैं– इसमें कोई शक नहीं। बस, देखना है कि वह कितनी सहजता से काम करते और करा पाते हैं।

आइसक्रीम खाते ही मौत: स्कूल में छात्र गर्मी से था परेशान

लंच में आइसक्रीम खाते ही सीने में दर्द, नहीं बची जान

पटना (एजेंसियां)।

उमस भरी गर्मी में सरकारी स्कूलों के अंदर पंखे नहीं हैं। गर्मी से परेशान बच्चे कुछ–न–कुछ रास्ता ढूंढ़ते हैं। ऐसा ही पूर्वी चंपारण के अरेराज में राजकीय मध्य विद्यालय (बालक) के छात्र रवि राज के साथ हुआ। गर्मी से परेशान होकर लंच ब्रेक में उसने आइसक्रीम का सहारा लिया। आइसक्रीम खाते ही उसके सीने में तेज दर्द हुआ। पास में ही प्राइ–वेट नर्सिंग होम में ले जाया गया, लेकिन जान नहीं बची। छठी के छात्र की इस तरह मौत के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या उसे हार्ट अटैक आया, हार्ट फेल्योर हुआ या आइसक्रीम के कारण यह घटना हुई? मौत के कारण का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो सकेगा।

पूरा मामलाअरेराज बीआरसी के पास स्थित राजकीय मध्य विद्यालय का है। मृतक छात्र की पहचान सोनेलाल साह के 11 वर्षीय पुत्र रवि राज के रूप में हुई है। इस घटना को भीषण गर्मी का प्रभाव माना जा रहा है, लेकिन घटना के संबंध मे मिली जानकारी के अनुसार उक्त छात्र के सीने मे एकाएक दर्द शुरू हो गया और वह छात्र छटपटाने लगा। यह घटना स्कूल में टिफिन ब्रेक के दौरान हुई, जब बच्चे ने आइसक्रीम खरीद कर खाया। एकाएक उसके सीने में दर्द की सूचना मिलते ही एचएम उक्त छात्र को एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया। घटना के बाद पूरे परिवार में शोक की लहर है।

बताया जाता है कि टिफिन के दौरान उक्त छात्र ने स्कूल के पास बिक रही आइसक्रीम खरीदकर खायी थी। घटना के बाद आइसक्रीम वाला भी वहां से गायब हो गया, हालांकि उससे लेकर खाने वाले बाकी बच्चों को ऐसा कुछ नहीं हुआ। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग मे हड़कंप मच गया। इसकी सूचना शिक्षा विभाग के वरीय पदाधिकारियों को जैसे ही मिली, पूरा विभाग सकते मे आ गया। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर प्रभारी एचएम ने स्कूल में छुट्टी कर दी। इस घटना की पुष्टि अरेराज के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुधा कुमारी ने भी की। पिछले कई दिनों से जिले में लगातार भीषण गर्मी पड़ रही है और हवा का चलना भी बंद है। इस समस्या से स्कूली छात्रों को भारी कठिनाई हो रही है। उमस भरी गर्मी से प्राइमरी कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे बहुत ज्यादा परेशान हैं।

तनिष्क शोरूम में लूट, कर्मचारी कह रहे 20 करोड़, पुलिस दो–तीन करोड़ जोड़ रही

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के मुख्यमंत्री अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस पर लगातार दबाव बना रहे हैं, लेकिन पुलिसिया सिस्टम की नाक के नीचे अपराधी लगातार बड़ी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इस बार पूर्णिया तनिष्क शोरूम में हथियार के बल पर चार से छह अपराधियों ने करोड़ों की लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना शुक्रवार को दिन के 12 बजे के आसपास हुई है। ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूम में घटना को अंजाम देने के बाद चारों अपराधी बाइक से फोर्ड कंपनी की ओर भाग गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भागने के क्रम में एक अपराधी की बाइक का सतुलन बिगड़ गया।

वह सड़क पर गिर गया, लेकिन आननफानन में भाग भी निकला। भागने के क्रम में उसकी पिस्टल सड़क पर गिर गई तो एक ई–रिक्शा चालक उसे उठाकर भाग गया। पुलिस दो से तीन करोड़ की लूट बता रही, हालांकि कर्मचारियों ने 20 करोड़ के जेवरात लूटे जाने की जानकारी दी है।

मौके पर एफएसएल की टीम भी पहुंच चुकी है। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि घटना को अंजाम देने वाले सभी अपराधी 20 से 25 वर्ष के बीच है। वहीं पूर्णिया के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा ने घटनास्थल पर पहुंचकर घटना का जायजा लिया है। तनिष्क शोरूम कर्मी के अनुसार चार से छह अपराधी घुसे थे। पहले दो की संख्या में अपराधी अंदर घुसे, फिर देखते ही देखते सभी अपराधी घुस गए। सभी अपराधियों के हाथ में दो–दो पिस्टल थी। कर्मचारियों ही बताया कि अपराधी 20 करोड़ से ज्यादा की ज्वेलरी लूटकर ले गए हैं। इसमें 10 करोड़ रुपये से अधिक के सिर्फ हीरे के गहने हैं। इसके अलावा सोने की ज्वेलरी अपराधी ले गए हैं।

बेगूसराय में आपराधिक तत्वों ने महिला को पीट-पीट कर किया अधमरा

पूर्व में भी जानलेवा हमले करने का आरोप

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में जमीन विवाद को लेकर आपराधिक तत्वों ने एक महिला को पीट–पीट कर अधमरा कर दिया। इससे मन नहीं भरा तो अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना को भी अंजाम दे दिया। हालांकि अपराधियों द्वारा महिला की पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। घटना साहेबपुरकमाल थानाक्षेत्र के खरहट गांव की है। पीड़िता की पहचान खरहट निवासी रंजीता देवी के तौर पर की गई है।

पीड़िता के परिजनों ने बताया कि वह लोग बेगूसराय के तिलक नगर में अपने मकान में रहते हैं। गांव में न रहने के कारण आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों द्वारा उनकी जमीन को हड़पने की कोशिश की जा रही है। महज दो कट्ठा और पांच धुर जमीन के लिए लंबे समय से विवाद चल रहा है।

उन्होंने बताया कि बीते दिन आरोपी रणधीर यादव, बिहारी यादव और वेदानंद यादव द्वारा जमीन मापी करने के बहाने रंजीता देवी को बुलाया गया। फिर पूरे दिन मापी के बाद जब शाम हुई तब आरोपियों ने जमीन की मापी को मानने से इनकार कर दिया और रंजीता देवी की पिटाई शुरू कर दी। इससे भी मन नहीं भरा तो अपराधियों द्वारा ताबड़तोड़ गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। हालांकि अपराधियों द्वारा पिटाई का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक, महिला की बेरहमी से पिटाई की जा रही है।

घटना की सूचना के बाद परिवार के लोग वहां पहुंचे तो रंजीता देवी बेहोशी की अवस्था में पड़ी थी। फिर उसे उठाकर साहेबपुरकमाल पीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल रंजीता देवी जिंदगी और मौत से जूझ रही है।

इस घटना को लेकर परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ साहेबपुरकमाल थाने में लिखित रूप से मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी अपराधियों द्वारा जानलेवा हमला किया गया है, जिसे लेकर साहेबपुरकमाल थाने में मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

सुनील सिंह की विधान परिषद की सदस्यता भी रद्द, बिस्कोमान अध्यक्ष का पद पहले ही छिन चुका

पटना (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के मुंहबोले भाई राजद कोर्ट से एमएलसी सुनील की सदस्यता रद्द हो गई है। विधान परिषद् की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। आरोप लगाया गया कि सुनील सिंह पिछली चार बैठक से सदन में उपस्थित नहीं हुए। पांचवीं में वह आए लेकिन आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया। इतना ही नहीं वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयानबाजी करते आ रहे हैं। उनका व्यवहार भी असंसदीय

और लोकतंत्र के खिलाफ है। ऐसे में उनकी सदस्यता क्यों न रद्द कर दी जाए। इसके मानसून सत्र के अंतिम बैठक में उनकी सदस्यता रद्द कर दी गई। उपसभापति रामवचन ने उनकी सदस्यता रद्द करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति दी।

सुनील सिंह ने कहा कि एक लोकसभा सदस्य बनने के लिए दूसरे ने उपसभापति बनने के लिए ऐसी रिपोर्ट तैयार की और हमारी बलि दे दी। उनका इशारा सीतामढ़ी से संसद बने पूर्व सभापति देवेश चंद्र ठाकुर और उपसभापति रामवचन राय ओर था। बता दें गुरुवार देर रात सुनील सिंह को बिस्कोमान के अध्यक पद से हटाया दिया गया था।

वहीं राजद नेता सुनील सिंह ने कहा आज का दिन काला दिन माना जाएगा। आज विधान परिषद में लोकतंत्र की हत्या की गई है। मेरी सदस्यता रद्द कर दी गई। इस घटना की पटकथा मुख्यमंत्री आवास पर लिखी गई थी। मैं गरीबों के लिए, युवाओं के लिए आवाज उठता रहा। मैं लगातार जनहित में आवाज उठता रहा। मैं शुरू से ही सीएम नीतीश कुमार को खटकता था। साजिश के तहत मेरी सदस्यता रद्द कर दी गई। आप किसी से पूछ लीजिए वह कहेंगे कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या की है। नियम के विरूद्ध उनकी हत्या की गई है। सीएम नीतीश कुमार ने प्रलोभन देकर यह साजिश रचवाई। मिमिक्री के सवाल पर उन्होंने कहा कि सारे आरोप निराधार और बेबुनियाद हैं। इसकी जांच होनी चाहिए।

बिहार के चार जिलों में बारिश का अलर्ट पटना में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान

पटना (एजेंसियां)।

पटना समेत कई जिलों में उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। तीन–चार जिलों को छोड़कर कहीं भी बारिश के आसार नहीं हैं। मानसून की टर्फ लाइन भी बिहार से काफी दूर होकर गुजर रही है इसलिए सामान्य बारिश भी नहीं हो पा रही है।

सामान्य से कम बारिश होने से किसान परेशान हैं। धान की रोपनी शुरू हो गई है। खेतों में पानी की जरूरत है। बारिश नहीं होने के कारण अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है।

इधर, मौसम विभाग ने शुक्रवार को नालंदा, नवादा, बक्सर और सीवान में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

31 जुलाई के बाद ही बिहार के कई भागों में भारी बारिश के आसार हैं। मौसम वैज्ञानिक की मानें तो शुक्रवार को कई जिलों में बादल छाए रहेंगे। दक्षिण बिहार के कुछ जिलों में हवा चलने से तापमान में थोड़ी गिरावट जरूर आएगी।

मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 25 जुलाई तक बिहार के 36 जिलों में औसत से कम बारिश हुई है। प्रमुख जिलों सहरसा, समस्तीपुर और वैशाली में 54 प्रतिशत सबसे कम बारिश हुई है। वहीं सारण में 53, पटना में 48, रोहतास में 47, भभुआ में 46, मुजफ्फरपुर में 45 प्रतिशत कम बारिश हुई है। इसके अलावा अररिया में 15, कटिहार में 33, भागलपुर में 39, भोजपुर में 37, बक्सर में 27, गया में 23, गोपालगंज में 24 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

पाकिस्तान से युद्ध में शहीद जवान रमन झा को दी श्रद्धांजलि, पिता ने साझा किया दर्द

सहरसा (एजेंसियां)।

कारगिल दिवस भारत की पाकिस्तान पर विजय के रूप में मनाया जाता है। कारगिल युद्ध में हमारे देश के कई सैनिक शहीद हो गए थे। इस युद्ध में सहरसा जिले के बनगांव निवासी फूल झा के तीन बेटों में से सबसे छोटे बेटे रमन कुमार झा भी एक जुलाई 1999 को पाकिस्तानी सेना से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे।

उनकी याद में जिले से आठ किलोमीटर पश्चिम बनगांव में कई संस्थाओं द्वारा शुक्रवार की शाम कलावती उच्च विद्यालय के क्रीड़ा मैदान स्थित समाधि स्थल पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि दी जाएगी।

गौरतलब है कि 26 जुलाई को कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर विजय प्राप्त करने पर इस दिन को कारगिल दिवस के रूप में मनाया जाता है। शहीद रमन झा के पिता फूल झा ने बताया कि जब मेरे बेटे शहीद हुए थे। उस समय हमें भारत सरकार ने काफी कुछ दिया था। भारत सरकार द्वारा हमें गैस एजेंसी, दिल्ली में मकान और शहीद को मिलने वाली सारी सुविधाएं मिलीं। मुझे भारत सरकार से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन बिहार सरकार से मुझे काफी शिकायत है। एक सरकारी नौकरी के अलावा मुझे कुछ नहीं मिला। जबकि उस समय के मुख्यमंत्री लालू यादव ने सहरसा में दो कट्ठा जमीन पर शहीद का स्मारक बनाने का आश्वासन दिया था, लेकिन हमें कुछ नहीं मिला।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com